चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 17 अप्रैल 2024
वर्ष 4, अंक 59, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

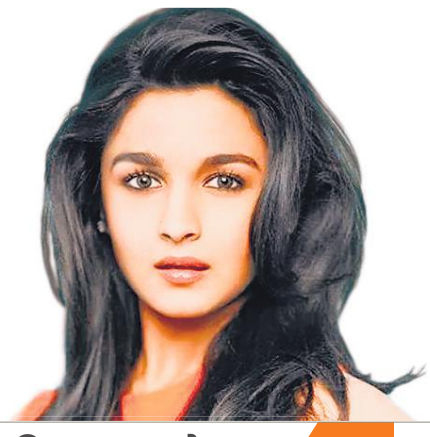

जबरदस्त विस्फोटों की चपेट में है सूर्य 14

मिस्टर एंड मिसेज माही देखने के लिए एक्साइटेड हूं 13

कुमाऊं के चार होनहारों का सिविल सेवा में चयन

कार्यालय संवाददता, हल्द्वानी

- बहुराष्ट्रीय कंपनी की नौकरी छोड़ तनुज तीसरे प्रयास में बने आईएएस

अमृत विचार : संघ लोकसेवा आयोग की परीक्षा उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के चार होनहारों ने उत्तीर्ण की है।

हल्द्वानी निवासी तनुज पाठक ने 72वीं रैंक हासिल की है। तनुज ने आईआईटी रुड़की से मेटलर्जिकल एंड मैटेरियल्स से बीटेक किया है। बहुराष्ट्रीय कंपनी की नौकरी छोड़कर तीसरे प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा पास कर आईएएस बन गए। वहीं पूर्व डीजीपी अशोक कुमार और जीबी पंत कृषि विवि में प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डॉ. अलकनंदा अशोक की पुत्री कुहू गर्ग ने पहले प्रयास में ही यूपीएससी की परीक्षा पास कर ली है।

उन्हें 178वीं रैंक मिली है। चम्पावत जिले के टनकपुर के रोमित भट्ट ने 390वां स्थान पाया है। उनके पिता महेश भट्ट उप जिला चिकित्सालय में चीफ फार्मासिस्ट और माता माया भट्ट गृहिणी हैं। पिथौरागढ़ के धारचूला के चौदास घाटी के ग्राम सोसा निवासी संदीप सिंह ने 906वां स्थान पाया है। संदीप के पिता अरविंद सिंह कुंवर राशन की दुकान चलाते हैं।

सिविल सर्विस एग्जामिनेशन 2023 में 1016 अभ्यर्थियों का हुआ चयन, इनमें 664 पुरुष और 352 महिलाएं शामिल

यूपीएससी : लखनऊ के आदित्य रहे टॉपर, अनिमेष द्वितीय

नई दिल्ली, एजेंसी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से मंगलवार को सिविल सर्विस एग्जामिनेशन 2023 का रिजल्ट घोषित किया गया। लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि अनिमेष प्रधान द्वितीय और डोनुरु अनन्या रेड्डी तीसरे स्थान पर रहे। कुल 1016 अभ्यर्थियों ने (664 पुरुष और 352 महिलाओं) ने परीक्षा उत्तीर्ण की और आयोग ने विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति के लिए उनके नामों की सिफारिश की है।

यूपीएससी ने बताया कि शीर्ष पांच स्थानों पर तीन पुरुष और दो महिलाएं हैं जिन्हें कामयाबी मिली। वहीं पी. के. सिद्धार्थ रामकुमार और रुहानी ने चौथा और पांचवां स्थान हासिल किया। टॉपर आदित्य ने अपने वैकल्पिक विषय के रूप में 'इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग' को चुना था। उन्होंने कानपुर आईआईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ही स्नातक (बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी) किया है। वहीं, राउरकेला स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक (बीटेक) अनिमेष प्रधान ने अपने वैकल्पिक विषय के रूप में समाजशास्त्र को चुना था।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस से भूगोल में स्नातक (ऑनर्स) की पढ़ाई करने वाली डोनुरु अनन्या रेड्डी का वैकल्पिक विषय मानव विज्ञान था।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिविल सेवा परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी।

आदित्य पहले आईपीएस और अब आईएएस

लखनऊ। सिविल सेवा परीक्षा-2023 में लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव ने टाप कर लखनऊ का मान बढ़ाया है। पिछले वर्ष उनका चयन आइपीएस के लिए हुआ था और वर्तमान में वे हैदराबाद में ट्रेनिंग कर रहे हैं। लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव की प्रारंभिक शिक्षा सीएमएस लखनऊ की अलीगंज शाखा में हुई। वर्ष 2014 में इंटर में इन्हें 98.4 फीसदी अंक मिले थे। मां आभा श्रीवास्तव बताती हैं कि 12 वीं पास करने के बाद आदित्य का चयन आईआईटी कानपुर के लिए हो गया। वर्ष 2019 में कानपुर से बीटेक किया। सीएजी में ऑडिट ऑफिसर पिता अजय श्रीवास्तव बताते हैं कि आदित्य ने पिछले वर्ष दूसरे प्रयास में 226 रैंक प्राप्त की थी। पहले प्रयास में आदित्य सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा में असफल रहे थे। पिता अजय ने यह भी बताया कि बीटेक करने के बाद आदित्य ने बेंगलुरु की एक निजी कंपनी में कुछ दिनों तक सेवाएं भी दी थी। आदित्य श्रीवास्तव अपनी सफलता का श्रेय पिता और मामा को देते हैं। उनके मामा विनोद कुमार मसूरी स्थित आईएएस ट्रेनिंग सेंटर के डायरेक्टर रह चुके हैं। अजय श्रीवास्तव बताते हैं आदित्य ने फोन करके अपने टाप करने की जानकारी दी। का फोन आया। उसने परीक्षा में टॉपर होने की जानकारी दी। यह सुनकर उनकी आंखों में खुशी के आंसू आ गए। आदित्य की बहन भी दिल्ली में रहकर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रही है।

शीर्ष 25 में 10 महिलाएं

शीर्ष 25 अभ्यर्थियों में 10 महिलाएं और 15 पुरुष हैं। आईएएस, आईएफएस और आईपीएस के अधिकारियों का चयन करने के लिए यूपीएससी हर वर्ष तीन चरणों में प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार में सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। सफल अभ्यर्थियों में 30 दिव्यांग (16 अस्थिबाधित, छह दृष्टिबाधित, पांच श्रवणबाधित और तीन बहुदिव्यांग) भी शामिल हैं।

एक सप्ताह में सार्वजनिक रूप से माफी मांगे रामदेव-बालकृष्ण : सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने कहा- आपका काम अच्छा लेकिन एलोपैथी को नीचा नहीं दिखा सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बाबा रामदेव, उनके सहयोगी बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद को भ्रामक विज्ञापन मामले में सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने के लिए एक सप्ताह का समय दिया, लेकिन यह भी कहा कि वह अभी उन्हें इस चरण में राहत नहीं देने जा रहा है। सुनवाई के दौरान रामदेव और बालकृष्ण दोनों उपस्थित थे और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से शीर्ष अदालत से बिना शर्त माफ़ी मांगी।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने स्पष्ट किया कि उन्होंने उन्हें इस चरण में राहत देने का फैसला नहीं किया है। पीठ ने बालकृष्ण से कहा कि आप अच्छा काम कर रहे हैं लेकिन आप एलोपैथी को नीचा नहीं दिखा सकते। रामदेव ने पीठ से कहा कि उनका किसी भी तरह से अदालत का अनादर करने का कोई इरादा नहीं था। हालांकि, पीठ ने बालकृष्ण से कहा कि वे (पतंजलि) इतने सीधे साधे नहीं हैं कि उन्हें नहीं पता कि कोर्ट ने मामले में अपने पहले के आदेशों में क्या कहा था। रामदेव और बालकृष्ण के वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने पीठ से कहा कि वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को तैयार हैं। इस पर अदालत ने रामदेव और बालकृष्ण को बातचीत के लिए आगे बुलाया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 23 अप्रैल की तिथि तय की है। रामदेव और बालकृष्ण ने अपने उत्पादों की औषधीय प्रभावशीलता के बारे में बड़े-बड़े दावे करने वाले विज्ञापनों पर उच्चतम न्यायालय के समक्ष पिछले सप्ताह बिना शर्त मांगी थी। कोर्ट में दाखिल दो अलग-अलग हलफनामों में रामदेव और बालकृष्ण ने कोर्ट के पिछले साल 21 नवंबर के आदेश में दर्ज बयान के उल्लंघन के लिए बिना शर्त माफी मांगी। उच्चतम न्यायालय ने 21 नवंबर, 2023 के आदेश में कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उसे आश्वासन दिया था कि अब से खासकर पतंजलि आयुर्वेद द्वारा निर्मित और विपणन किए गए उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग के संबंध में किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा। पतंजलि ने कहा था कि असर के संबंध में या चिकित्सा की किसी भी पद्धति के खिलाफ कोई भी बयान मीडिया में जारी नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड इस तरह के आश्वासन का पालन करने के लिए बाध्य है। आश्वासन का पालन नहीं करने और उसके बाद मीडिया में बयान जारी किए जाने पर कोर्ट ने अप्रसन्नता जताई थी। कोर्ट ने बाद में पतंजलि को कारण बताओ नोटिस जारी किया कि क्यों न उसके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए।

भ्रामक विज्ञापन मामले में सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट जाते बाबा रामदेव। ● एजेंसी

भ्रामक विज्ञापन मामला

- दोनों ने व्यक्तिगत रूप से बिना शर्त कोर्ट से माफी मांगी

एक नजर

हेमंत सोरेन मामले में एक और गिरफ्तारी

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य के खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले में ईडी ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। ईडी ने अंतु तिर्की नामक व्यक्ति के खिलाफ रांची में कुछ स्थानों पर छापे भी मारे। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान एक अन्य धनशोधन मामले में न्यायिक हिरासत के तहत जेल में बंद अफशार अली के रूप में हुई है।

झेलम में नाव पलटने से छह लोगों की मौत

श्रीनगर। गंडबल से बटवारा जा रही नाव मंगलवार सुबह झेलम नदी में पलट गई, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हैं। नाव में स्कूली बच्चों सहित 20 से अधिक लोग सवार थे। वहीं हादसे का कारण नदी पार करने में मदद करने वाली रस्सी के टूट को बताया जा रहा है। जिला मजिस्ट्रेट बिलाल मोहिउद्दीन भट ने कहा कि नाव में सवार लोगों में सात नाबालिग थे और बाकी वयस्क थे।

छत्तीसगढ़ में बड़ी कार्रवाई, 29 नक्सलियों को मार गिराया

कांकेर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 29 नक्सलियों को मार गिराया है। मुठभेड़ में तीन जवान भी घायल हो गए। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि जिले के छोटेबेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीनागुंडा और कोरोनार गांवों के मध्य हापाटोला गांव के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी।

उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों को माओवादियों के उत्तरी बस्तर डिवीजन के नक्सली शंकर, ललिता, राजू समेत अन्य की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के संयुक्त दल को गश्त के लिए रवाना किया गया। दल मंगलवार दोपहर लगभग दो बजे हापाटोला गांव के जंगल में था तभी नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

प्रारंभिक जानकारी के घटनास्थल से एके-47 राइफल, एसएलआर राइफल, इंसास राइफल और 303 बंदूक समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद किया गया है। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर हो रही गोलीबारी के बीच इलाके में अब भी खोजी अभियान जारी है। सुंदरराज ने बताया, मुठभेड़ में तीन जवान घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल भेजा गया। तीनों की हालत खतरे से बाहर है।

घटनास्थल पर खड़ा सुरक्षाबल का जवान।

असम राइफल्स और उग्रवादियों में मुठभेड़, एक जवान घायल

तिनसुकिया/गुवाहटी। असम के तिनसुकिया जिले में मंगलवार को असम राइफल्स और उग्रवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक जवान घायल हो गया। तिनसुकिया के एसपी गौरव अभिजीत दिलीप के अनुसार, आज सुबह असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास मार्गेरिटा के नामदांग में जवानों और उग्रवादियों में मुठभेड़ हुई थी।

103 वर्षीय दलीप सिंह का निधन

संवाददाता, रुद्रपुर

दूसरे विश्वयुद्ध में थे एयरफाइटर

दलीप सिंह मजीठिया (फाइल फोटो)

अमृत विचार : दूसरे विश्वयुद्ध के एयर फाइटर 103 वर्षीय दलीप सिंह मजीठिया का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की खबर पर एयरफोर्स सहित जिले के तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तिरंगा और एयरफोर्स का चिन्ह चढ़ाकर अंतिम सलामी दी। राज्यपाल ने शोक जताते हुए अपना संदेश भी भेजा है।

एयर फाइटर दलीप सिंह सेवानिवृत्त होने के बाद प्रीतविहार कॉलोनी में बेटी और दामाद के साथ रहते थे। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान उन्हें वर्मा मोर्चे में तैनाती मिली थी। पारिवारिक जिम्मेदारी के चलते मजीठिया ने स्वेच्छा से नौकरी छोड़ दी। हालांकि सेना के साथ उनका लंबा सफर रहा और कई जंग के मोर्चे पर बहादुरी के पदक भी जीते। 23 अप्रैल 1949 को उन्हें काठमांडू में हवाई जहाज उतारने का श्रेय भी मिला। पिछले कुछ दिनों से मजीठिया बीमार चल रहे थे और सोमवार की देर रात उनका निधन हो गया। मंगलवार को निधन की खबर मिलते ही बरेली एयरफोर्स के आला अफसरों सहित रुद्रपुर के एसडीएम के अलावा पुलिस बल उनके आवास पहुंचा और सलामी देने के बाद तिरंगा झंडा चढ़ाया।

कन्या पूजन का प्रसाद खाने से पांच की हालत बिगड़ी

संवाददाता, किच्छा

- तीन बच्चे गंभीर हालत में हायर सेंटर किए गए रेफर

अमृत विचार: दुर्गा अष्टमी पर पंत कॉलोनी में रंजन सिंह के घर में कन्या पूजन के दौरान प्रसाद खाने से चार बच्चों सहित एक महिला की हालत बिगड़ गई।

फूड प्वाइजनिंग के शिकार बच्चे मयंक, भूमिका, लवली, रूपाली और उसकी मां प्रतिमा सिंह को नगर स्थित सरदार बल्लभभाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। तीन बच्चों की हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। कोतवाली पुलिस ने परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली। परिजनों ने पुलिस को बताया कि बच्चों को सूखे मेवे, गोला, मिश्री, बादाम आदि मिक्स कर प्रसाद दिया गया था। प्रसाद खाने के कुछ देर बाद ही बच्चों को उल्टियां शुरू हो गईं और बच्चों ने मुंह में जलन की शिकायत की। पुलिस ने प्रसाद सामग्री बेचने वाले व्यापारी की दुकान को भी बंद करा दिया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जांच के लिए दुकान से सैंपल ले लिए हैं।

ग्रुप डी भर्ती प्रक्रिया : हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा- अनियमितता में कौन-कौन शामिल

संवाददाता, नैनीताल

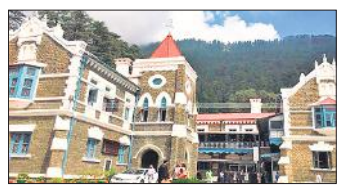

- जिला सहकारी बैंकों में भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं का मामला

अमृत विचार : हाईकोर्ट में मंगलवार को प्रदेश के जिला सहकारी बैंकों में ग्रुप डी की भर्ती प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई। मामले को सुनने के बाद मुख्य न्यायधीश रितु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खण्डपीठ ने राज्य सरकार से कहा कि सेकेट्री कोऑपरेटिव इस मामले में अपना विस्तृत जवाब पेश करें। साथ ही कोर्ट ने सरकार से पूछा कि इस मामले में कौन-कौन लोग शामिल हैं, उनका शपथपत्र में उल्लेख किया जाए। इस मामले में जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट शासन को दे चुकी है,परन्तु रिपोर्ट पर सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया।

मामले के अनुसार हरिद्वार निवासी प्रियांशु त्यागी ने जनहित याचिका दायर कर कहा है कि 2020 में प्रदेश के सहकारी बैंकों में चतुर्थ श्रेणी के लिए 423 पदों पर विज्ञप्ति जारी हुई थी, जिसमें भर्ती प्रक्रिया के दौरान कई अनियमितताएं सामने आई। याचिकाकर्ता का कहना है कि इस भर्ती प्रक्रिया में अधिकारियों व नेताओं के रिश्तेदारों का चयन किया गया और कई अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर भर्ती की गई है। इसकी शिकायत ज्वालापुर हरिद्वार से विधायक सुरेश राठौर द्वारा मुख्यमंत्री से की गई। परन्तु इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। समाचार पत्रों में अनियमितताएं की खबरें छपने के बाद मुख्य सचिव के निर्देश पर सचिव सहकारिता ने हरिद्वार में इस भर्ती प्रक्रिया को रोक दिया गया। परन्तु नैनीताल, अल्मोड़ा, देहरादून व पिथौरागढ़ में इसके बाद भी भर्तियां की गई। याचिकाकर्ता ने जनहित याचिका में कहा है कि इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.8 %

वाशिंगटन, एजेंसी

- दुनिया की सबसे तेज रफ्तार से बढ़ रही अर्थव्यवस्था बना भारत

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने घरेलू मांग बढ़ने और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी का जिक्र करते हुए वर्ष 2024 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान मंगलवार को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया। इस तरह भारत दुनिया की सबसे तेज रफ्तार से बढ़ रही अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

इसी अवधि में चीन की आर्थिक वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफ ने ''विश्व आर्थिक परिदृश्य'' के नवीनतम संस्करण में कहा, भारत में वृद्धि दर वर्ष 2024 में 6.8 प्रतिशत और 2025 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। घरेलू मांग में निरंतर मजबूती और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी से इस तेजी को बल मिलता है। मुद्राकोष ने यह रिपोर्ट आईएमएफ और विश्व बैंक की सालाना बसंत बैठकों से पहले जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, उभरते और विकासशील एशिया में वृद्धि दर पिछले साल के अनुमानित 5.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2024 में 5.2 प्रतिशत और 2025 में 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह अनुमान जनवरी में जताए गए पिछले अनुमान की तुलना में थोड़ा बेहतर है। आईएमएफ ने अपनी जनवरी रिपोर्ट में 2024 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। इसके साथ ही मुद्राकोष ने चीन में वृद्धि दर 2023 के 5.2 प्रतिशत की तुलना में सुस्त पड़कर इस साल 4.6 प्रतिशत और 2025 में 4.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

इस सुस्ती के लिए महामारी के बाद खपत बढ़ने और राजकोषीय प्रोत्साहन जैसे कारकों का असर कम होने और रियल एस्टेट में सुस्ती को जिम्मेदार बताया है। वैश्विक वृद्धि वर्ष 2024 और 2025 में भी पुरानी रफ्तार से जारी रहने का अनुमान है। वर्ष 2023 में अनुमानित वैश्विक वृद्धि 3.2% रही है। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गॉरींशेस ने कहा, निराशाजनक अनुमानों के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था सशक्त बनी हुई है।

भाजपा, सपा और बसपा के सभी प्रत्याशी करोड़पति

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में आठ सीटों पर 91 प्रत्याशी भाग्य आजमा रहें हैं। इनमें से 42 उम्मीदवार यानि 46 प्रतिशत प्रत्याशी करोड़पति हैं । खास बात है कि भाजपा हो या सपा,बसपा का हर प्रत्याशी करोड़पति है। यही नहीं, छोटे दलों भी करोड़पति को ही प्रत्याशी बना रहें हैं। इस मामले में कांग्रेस पीछे है, इनके चार में से तीन उम्मीदवार करोड़पति हैं।

उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स(एडीआर) ने दूसरे चरण में अलीगढ़, अमरोहा, बागपत, बुलंदशहर, गौतमबुध नगर, गाजियाबाद, मथुरा और मेरठ से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया है। यूपी इलेक्शन वॉच के राज्य संयोजक संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि दूसरे चरण में मथुरा से भाजपा के टिकट पर हेमामालिनी चुनाव लड़ रही हैं, जिनकी संपत्ति करीब 278 करोड़ रुपये है। इसी तरह से बीजेपी के ही अलीगढ़ सीट के सतीश कुमार गौतम की संपत्ति 16 करोड़ है। मेरठ लोकसभा सीट पर बसपा प्रत्याशी देवव्रत की संपत्ति पांच करोड रुपये के आसपास हैं। उन्होंने बताया कि, दूसरे चरण के उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 10.05 करोड़ है। पार्टियों की बात की जाये तो बसपा के आठ प्रत्याशियों की औसत संपत्ति लगभग 10.75 करोड़ है। बीजेपी के सात उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 91.23करोड़ है। सपा के चार प्रत्याशियों की औसत संपत्ति 17.34 करोड़ है। वहीं कांग्रेस के चार उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 3.56 करोड़ है। इसके अलावा जय हिंद नेशनल पार्टी के दो प्रत्याशी मैदान में हैं, दोनो ही करोड़पति हैं। इसी प्रकार समाज विकास क्रांति पार्टी का इकलौता प्रत्याशी है वह करोड़पति है।

निर्दलीय भी अपराधी: संपत्ति की जानकारी देते हुए एडीआर के संजय सिंह कहा कि आपराधिक मामलों में निर्दलीय प्रत्याशी भी पीछे नही हैं। अलीगढ़ से निर्दल प्रत्याशी पं.केशवदेव गौतम पर पांच मामले दर्ज हैं। दूसरे नम्बर पर सपा के बागपत सीट के उम्मीदवार अमरपाल हैं, नौ आपराधिक मामले है, वही दो आपराधिक मामलों के साथ मेरठ के प्रत्याशी हाजी अफज़ल तीसरे नंबर पर हैं।

निरक्षर प्रत्याशी मैदान में

यूपी इलेक्शन वॉच के संजय सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में वर्तमान में भी साक्षर एवं निरक्षर लोग अपनी किस्मत अजमा रहे हैं। दुसरे चरण में 33 प्रत्याशियों ने अपनी शैक्षिक योग्यता पांचवीं से 12वीं के बीच में घोषित की है। जबकि 52 उम्मीदवार स्नातक व परास्नातक घोषित हैं। वहीं, दो प्रत्याशियों ने खुद को डिप्लोमा धारक हैं। इसके अलावा दो ने खुद को साक्षर और दो ने खुद को निरक्षर घोषित किया है।

अपराधों में 21 लिप्त

संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि इन 91 प्रत्याशियों में 21 ने अर्थात 23 प्रतिशत ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये हैं। इन आठ सीटों पर सपा के चार प्रत्याशी मैदान में हैं और चारों पर अपराध के मामले लंबित हैं। वहीं बसपा के आठ में से तीन (38 प्रतिशत), बीजेपी के सात में से दो, कांग्रेस के चार में दो अर्थात 50 फीसदी, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी ने प्रत्याशी तीन उतारें हैं। इनमें से दो पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। इनमें से गंभीर मामलों की बात करें तो बसपा के 25 प्रतिशत उम्मीदवारों पर, बीजेपी के 29 प्रतिशत, सपा व कांग्रेस के 50-50 प्रतिशत, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी ने 33 प्रतिशत प्रत्याशियों पर दर्ज हैं।

सार-संक्षेप

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल में कार्यशाला में मौजूद छात्र-छात्राएं व अन्य।

प्लास्टिक वेस्ट से ग्रैफीन बनाने की विधि समझाई

भीमताल : ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल परिसर के रसायन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय व्यावहारिक एवं क्रियाशील कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रमुख वक्त प्रो. नन्द गोपाल साहू एफआरएससी निदेशक रिसर्च एण्ड डेवलेपमेन्ट कुमाऊं यूनिवर्सिटी ने प्लास्टिक वेस्ट से कीमती ग्रैफीन पदार्थ बनाने की वैज्ञानिक विधि साझा कर उसके उपयोग पर प्रकाश डाला। प्रो. साहू ने बीटेक व ईको क्लब के छात्र-छात्राओं को प्लास्टिक वेस्ट से पर्यावरण को बचाने के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला समन्वयक डॉ. पुष्पा नेगी ने नैनोसांइस एवं नैनोटेक्नालॉजी में इच्छा बढ़ाने के उपाया बताये। ग्राफिक एरा भीमताल परिसर के निदेशक कर्नल अनिल कुमार नायर ने छात्र-छात्राओं के सक्रिय भागीदारी की सराहना की। कार्यशाला में डॉ. किरन जोशी, सुरभि सक्सेना, डॉ. पुष्पा नेगी आदि मौजूद रहे।

अष्टमी पर हुई मां सरस्वती की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

हरमन माइनर डिग्री कॉलेज में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के दौरान मौजूद छात्र-छात्राएं व अन्य।

भीमताल : चैत्र नवरात्र पर अष्टमी के दिन हरमन माइनर डिग्री कॉलेज/जेएन कौल शिक्षण संस्थान में मां सरस्वती की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। संस्थान में सरस्वती पूजन का आयोजन कर विद्यार्थियों ने माता के भजन-कीर्तन किए। प्राचार्य डॉ. मुक्ता ने कहा कि शिक्षण संस्थान में शिक्षण के साथ-साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन किया जाना आवश्यक है, जिससे कि विद्यार्थी अपनी संस्कृति एवं सभ्यता का तालमेल के साथ उसे अपने दैनिक जीवन से जोड़ सकें। डॉ. मनोज जोशी ने यज्ञ सहित पूजा कराई। विद्यार्थियों ने मां सरस्वती के गीत गाकर उनका आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान बीना नेगी चौधरी, डॉ. हेमा मेहरा, राजेन्द्र सिंह खाती, नीरज कुमार, राहुल कुमार, नितिन भगवाल, गणेश चन्द्र, राम कृष्ण आर्या, शीतल सिंह मौर्य, डॉ. मनोज जोशी, नेत्र प्रसाद, डॉ. मंजू नेगी, पूजा आर्या, डॉ. गीता आर्या, डॉ. पूनम मेहता, डॉ. सतीश चन्द्र, दीपक देसवाल, डॉ. बिनीता रॉय, मुकेश आर्या, शालिनी भारती, भुवन पलड़िया, दीपा आदि उपस्थित रहे।

पश्या के ग्रामीणों के सामने पेयजल का संकट गहराया

पश्या ग्राम सभा में पानी का सूखा नल दिखाती महिला।

भीमताल : विकासखंड ओखलकांडा में पानी की समस्या विकराल रूप लेते जा रही है। ग्राम सभा पश्या के ग्रामीणों ने मुख्य विकास अधिकारी से ग्राम सभा में पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की। पश्या के उप ग्राम प्रधान जगदीश चंद्र परगाईं ने मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पानी उपलब्ध कराने की मांग की। इस दौरान उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया कि कैड़ाइजर में पेयजल की काफी समस्या हो रही है जबकि विभाग को कई बार इसकी सूचना दे दी गई है, पर समाधान नहीं हो सका है। क्षेत्र में रहने वाले 40 परिवार पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

बलिया नाले के उपचार का कार्य तेज

पहले चरण में स्कूल के हिस्से का ध्वस्तीकरण कर नाले तक पहुंच मार्ग बनाया

कवायद

संवाददाता, नैनीताल

40 प्रकार का मटेरियल लगेगा ट्रीटमेंट में, अत्याधुनिक वायर क्रेट की गेबियन वॉल बनेंगीं

15 से 20 प्रतिशत काम मानसून से पहले पूरा होने की उम्मीद जता रहा है विभाग

अमृत विचार : बलिया नाला क्षेत्र में दशकों से हो रहे भूस्खलन को रोकने के लिये बड़े पैमाने पर उपचार का कार्य शुरू हो गया है, जिसमें पहले चरण के काम में राजकीय इंटर कॉलेज के हिस्से का ध्वस्तीकरण कर बलिया नाले तक पहुंच मार्ग का काम पूरा किया जा चुका है। साथ ही निर्माण कार्य में लगने वाले सामान को इकट्ठा करने के लिए स्टोर भी बना दिये गए हैं।

बलिया नाले के प्रभावित क्षेत्र में कटिंग का काम भी शुरू कर दिया गया है। वहीं बीरभट्टी से भी मशीनों को बलिया नाले पहुंचाकर नीचे की ओर से काम शुरू कर दिया गया है। भूगर्भीय अध्ययन के बाद बलिया नाले में प्रस्तावित उपचार के कार्यों की डीपीआर तैयार की गयी है।

इस रिपोर्ट के आधार शुरूआती दौर में एसडीए, एंकरिंग, प्रोडक्शन, डेमसिंग और रिप्रोफाइलिंग का काम जारी है। विभाग के अनुसार मानसून से पहले अधिक से अधिक काम करने की कोशिश की जा रही है। मानसून से पहले लगभग 15 से 20 प्रतिशत तक काम होने की उम्मीद है।

बलिया नाला क्षेत्र में उपचार कार्य में जुटीं जेसीबी व श्रमिक। ● अमृत विचार

लोहे की खोखली छड़ों को पहाड़ी के अंदर डालकर दी जाएगी मजबूती

बलिया प्रभावित क्षेत्र में लोहे की खोखली छड़ों को पहाड़ी के अंदर डालकर मजबूत एंकरिंग एवं अत्याधुनिक वायर क्रेट की गेबियन वॉल बनायी जानी हैं, जिसमें लगभग 40 से ज्यादा प्रकार का मेटेरियल लगेगा।

"पहुंच मार्ग बनकर तैयार हो गया है। कटिंग कर एसडीए, एंकरिंग, प्रोडक्शन, डेमसिंग और रिप्रोफाइलिंग का काम जारी है। मानसून से पहले ज्यादा से ज्यादा कार्य करने की कोशिश की जा रही है। -**प्रमोद पाठक**, सहायक अभियंता, सिंचाई विभाग

सरकार गुरुद्वारे के निर्माण के लिए जगह चिन्हित करे

विधि संवाददाता, नैनीताल

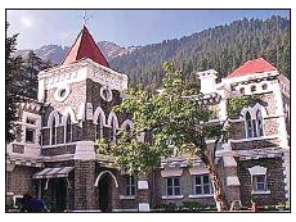

अमृत विचार : हाईकोर्ट ने हरिद्वार में हर की पैड़ी के समीप स्थित ज्ञान गोदड़ी गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर दायर तीन जनहित याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश रितु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने राज्य सरकार को हरिद्वार में ज्ञान गोदड़ी स्थापित करने के लिए जगह चिन्हित करने के निर्देश दिए।

मंगलवार को हुई सुनवाई में राज्य सरकार की तरफ कहा गया कि हर की पैड़ी पर केवल इनके द्वारा शांति पाठ किया गया था, इसलिए इनको वहां जगह नहीं दी जा सकती। इसका विरोध कर याचिकाकर्ताओं ने कहा कि यह भूमि उन्हें आवंटित की थी, लेकिन नगर निगम हरिद्वार ने आसान किस्तों में इस को स्काउट ऑफिस को दे दिया। इससे पूर्व के आदेश पर उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन जगहों का गुरुद्वारा स्थापना के लिए चयन किया था। यह मामला दोनों प्रदेशों की सरकारों के बीच 20 साल से अटका पड़ा है। दोनों सरकारें इस पर शीघ्र निर्णय लेकर उन्हें गुरुद्वारा स्थापित करने के लिए जगह का चयन करें।

शिरोमणि प्रबंधक कमेटी अमृतसर व दो अन्य ने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर कहा कि हरिद्वार हर की पैड़ी के समीप ज्ञान गोदड़ी में गुरुद्वारे का पुनर्निर्माण किया जाए। सिखों के प्रथम गुरु गुरुनानक देव के हरिद्वार में प्रथम आगमन पर तत्कालीन लंढौरा नरेश ने अपनी हवेली में ज्ञान गोदड़ी का आयोजन किया था। गुरु नानक के आगमन पर हर की पैड़ी में गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी के लिए जगह आवंटित की थी, जो 1976 तक इस स्थान पर थी लेकिन 1976 में हरि की पैड़ी के सौंदर्यीकरण के नाम पर गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी को वहां से इस आश्वासन पर हटाया गया कि उसे फिर से इसी स्थान पर स्थापित किया जाएगा, लेकिन इस ऐतिहासिक धरोहर व सिखों के पवित्र चिह्न को अभी तक वहां स्थापित भी नहीं किया गया।

चुनाव बहिष्कार का निर्णय वापस

भीमताल, अमृत विचार : भीमताल ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट और ग्राम प्रधान राधा कुल्यियाल से आश्वासन मिलने के बाद जंगलियागांव के तोक शिमाला के ग्रामीणों ने अपना चुनाव बहिष्कार का निर्णय वापस ले लिया है।

ब्लॉक प्रमुख ने भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट के पक्ष में वोट देने की अपील की। ग्रामीणों ने ब्लॉक प्रमुख के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा। ब्लॉक प्रमुख ने बताया कि शासन में लंबित शिमला मोटर मार्ग, बुडाधुरा डामरीकरण कार्यों के लिए भी निरंतर प्रयास किया जा रहा है। आचार संहिता हटने के बाद मांग को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

इस दौरान लक्ष्मण गंगोला, लता पलड़िया, गणेश जोशी, वीरेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, प्रेम कुल्याल, पूर्व प्रधान धर्मेन्द्र कुल्याल, तोता राम पाटनी, ललित आर्य, पनीराम, जीवन राम, श्याम लाल, किशोर चंद आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

ड्रॉप रो बॉल के विजेताओं को किया सम्मानित

संवाददाता, नैनीताल

खिलाड़ियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. दीवान एस रावत। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कुमाऊं विश्वविद्यालय में मंगलवार को महिला एवं पुरुष ड्रॉप रो बॉल चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. दीवान एस रावत ने सम्मानित किया।

बता दें कि सेपक टाकरा एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में देवांगगिरी कर्नाटक में 26वीं जूनियर चैंपियनशिप तथा कुरुक्षेत्र हरियाणा में 14वीं सीनियर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

कुमाऊं विश्वविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नागेंद्र शर्मा ने बताया कि सेपक टाकरा में उत्तराखंड बालक वर्ग की डबल इवेंट में तेजस्वी कुमार, शिवम नेगी तथा शुभ श्रीवास्तव ने रजत पदक प्राप्त किया। ड्रॉप रो बॉल चैंपियनशिप में महिला वर्ग के सिंगल इवेंट में निशु रावत ने स्वर्ण पदक, डबल इवेंट में भावना जोशी, प्रियांशी, रावत, अंजलि रावत, तान्या ने स्वर्ण पदक, चैलेंजिंग इवेंट में वैशाली पाण्डेय, स्वेता भाकुनी, पायल दानू, कशिश शर्मा ने स्वर्ण पदक, मिक्स डबल इवेंट में अंकिता रमोला, श्रुति हालसी, राजा बाबू, सचिन पाण्डेय ने स्वर्ण पदक तथा सुपर इवेंट में रजत पदक हासिल किया। पुरुष वर्ग में सिंगल इवेंट में अजय ने स्वर्ण पदक तथा चैलेंजिंग इवेंट में योगेश पाण्डे, मयंक सुंदरियाल, सुमित मेहता, पवन सिंह बिष्ट ने स्वर्ण पदक हासिल किया। क्रीड़ा अधिकारी डॉ. शर्मा ने बताया कि सेपक टाकरा तथा ड्रॉप रो बाल खेल में विश्वविद्यालय के खिलाड़ी निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

नगर में शान से निकाला मां भगवती का डोला

रामनगर : श्री पंचानन नव दुर्गा मंदिर समिति के तत्वावधान में मां भगवती का विशाल डोला देर रात तक नगर की गलियों में घूमा। मन्दिर परिसर से शुरू हुए मां भगवती के डोले के आगे अखाड़ेबाजों के करतब लोगों को आकर्षित करते नजर आए। मां दुर्गा के नव रूपों की झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी। डोले के साथ सड़कों पर श्रीकृष्णा, राधे-राधे की धुन पर भी भक्त नाचते दिखाई दिए। जिधर से भी माता का डोला गुजरा माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। इस दौरान अंकुर गोयल, हरिशंकर अग्रवाल, मयूर जिंदल, यश गुप्ता, लाल चंद्र अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, शुभम कपूर, नीरज, अनुज, अखिल मेहरोत्रा, राजीव जिंदल समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

छात्रा से दुर्व्यवहार, धमकी देने के दोषी को पांच साल की सजा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: परीक्षा देकर घर लौट रही स्कूली छात्रा से बदसलूकी और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के मामले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश की कोर्ट ने सुन्दरखाल धारी निवासी सुरेंद्र सिंह को दोषी करार दिया। उसे पांच साल के कारावास की सजा सुनाते हुए 10 हजार का अर्थदंड भी लगाया। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि मार्च 2020 में शिकायतकर्ता ने बताया कि वह एक अन्य छात्रा के साथ बोर्ड की परीक्षा देकर घर पैदल आ रही थी। इस दौरान अभियुक्त ने दोनों को रास्ते में रोककर उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर छेड़खानी की। विरोध पर उसे व घर वालों को देख लेने की धमकी दी। आरोपी फरार हो गया। मामले में एक छात्रा ने पटवारी सुन्दरखाल से शिकायत की थी। उसके बाद मुकदमा दर्ज किया गया। सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि 10 गवाहों को न्यायालय में पेश किया गया। गवाहों के बयान के आधार पर आरोपी सुरेन्द्र सिंह को दोषी करार दिया।

प्रियंका गांधी के साथ दिखे किशोरी भाजपा में शामिल

रामनगर : लोकसभा चुनाव की वोटिंग से ठीक तीन दिन पहले मालधन क्षेत्र से कांग्रेस के किशोरी लाल मंगलवार को कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। दो दिन पूर्व वह पीरुमदारा में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के साथ मंच पर बैठे थे। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव और मालधन क्षेत्र के कद्दावर नेता किशोरी लाल ने मंगलवार को कोटद्वार में भाजपा की रैली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, सीएम पुष्कर सिंह धामी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, गढ़वाल प्रत्याशी अनिल बलूनी के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

पिंजरा लगाने की मांग

नैनीताल : एक सप्ताह से घनी आबादी वाले क्षेत्र स्टाफ हाउस में गुलदार की आवाजाही से भय है। गुलदार क्षेत्र में चार कुत्तों को निवाला बना चुका है, जिसको लेकर मंगलवार को पूर्व छात्रसंघ सचिव राहुल नेगी ने वन विभाग से क्षेत्र में जल्द से जल्द पिंजरा लगाने की मांग की है। बता दें कि कुछ दिन पूर्व भी स्थानीय लोगों ने वन क्षेत्राधिकार से पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की थी।

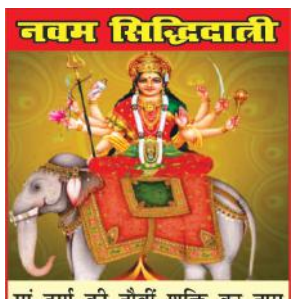

एक नजर

मोटर चोर गिरफ्तार

हल्द्वानी : घर से पानी की मोटर चोरी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सुरभि कॉलोनी निवासी भूपेंद्र कुमार पांडे के घर से बीती 10 अप्रैल की रात पानी की दो मोटरें चोरी हो गई थीं। घर में लगे सीसीटीवी में चोरों की तस्वीर कैद हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। मंगलवार को मुखानी पुलिस ने लालडांठ स्थित शिव विहार निवासी दीपू कश्यप उर्फ अमर कश्यप को चोरी की मोटरों के साथ गिरफ्तार कर लिया।

चाकू के साथ युवक पकड़ा

हल्द्वानी : बनभूलपुरा पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान इंदिरानगर रेलवे फाटक के पास से मुकेश कुमार वर्मा निवासी लखीमपुर खीरी हाल निवासी मुगरी नगर मंडी कोतवाली को गिरफ्तार किया है। तलाशी में उसके पास से चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी : पुलिस ने एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसआई अनिल कुमार व कांस्टेबल नरेन्द्र गिरी ने रजा गेट गौजाजाली के पास से अमन पुत्र मो. जफर निवासी मोहम्मदी चौक छोटी रोड इन्द्रानगर को पकड़ा है। अमन के पास से 7.56 ग्राम स्मैक बरामद हुई। उसने बताया कि वह चार माह से स्मैक बेचने का काम कर रहा है। बरामद स्मैक वह बरेली में एक युवक से खरीद कर लाया था।

गर्मी में विद्युत कटौती से लोग परेशान

हल्द्वानी : गर्मी बढ़ने के साथ ही शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत कटौती शुरू हो गई है। जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। मंगलवार को नैनीताल रोड, रामपुर रोड समेत बाजार क्षेत्र में 15 मिनट से एक घंटे तक बिजली कटौती रही। जिससे लोगों के साथ-साथ कारोबारी भी परेशान दिखे। उपखंड अधिकारी नीरज पांडेय ने बताया कि बिजली की मांग में बढ़ोत्तरी और तकनीकी दिक्कत के कारण आपूर्ति बाधित रही। इसमें सुधार कर विद्युत आपूर्ति सुचारू कर दी गई है।

चार घंटे देरी से पहुंची बाघ एक्सप्रेस

हल्द्वानी : काठगोदाम रेलवे स्टेशन से हावड़ा स्टेशन के बीच नियमित चलने वाली बाघ एक्सप्रेस मंगलवार को अपने निर्धारित समय से करीब 4 घंटे देरी से काठगोदाम पहुंची है। अधिकांश दिनों में बाघ एक्सप्रेस सुबह 9.15 बजे अपने निर्धारित समय से स्टेशन पहुंचती है। देरी से चलने के कारण ट्रेन दोपहर 1.05 बजे काठगोदाम स्टेशन पहुंची। काठगोदाम रेलवे स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक डीएस बोरा ने बताया कि ट्रेन को काठगोदाम से निर्धारित समय पर रवाना किया है।

एसटीएच के लिए आफत बने सड़क पर कब्जा कर बैठे अवैध कारोबारी, दबंग की आड़ में करते हैं मरीजों और तीमारदारों के साथ अभद्रता

खान-पान की आड़ में नशा भी परोस रहे फड़ और ठेले वाले

फॉलोअप

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सुशीला तिवारी अस्पताल के आसपास अतिक्रमण से जहां हादसों का खतरा और जाम की स्थिति बनी रहती है, वहीं माहौल खराब होने से मरीजों और उनके तीमारदारों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अस्पताल के पास लगे ठेले व फड़ों में अवैध तरीके से शराब पिलाई जाती है। वहीं नशे का अन्य कारोबार भी होता है।

सुशीला तिवारी अस्पताल के पास अवैध तरीके से ठेले और फड़ लगाए गए हैं। इन ठेले और फड़ वालों से कुछ दबंग प्रतिदिन के हिसाब से वसूली भी करते हैं। उनकी शह पर ही यहां ठेला और फड़ लगाने का अवैध कारोबार किया जाता है। जिसके एवज में दबंगों को भी प्रतिदिन हजारों रुपये की कमाई होती है। मामला केवल अतिक्रमण और उसके बाद अवैध वसूली तक ही सीमित नहीं है। एसटीएच के पास ठेलों और फड़ों पर शराब भी पिलाई जाती है।

तत्कालीन सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह के साथ ही एक कार्रवाई के दौरान सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट भी एसटीएच के पास फड़ पर बेचने के लिए रखी अवैध शराब पकड़ चुके हैं। रात को यहां माहौल पूरी तरह से बदल जाता है। बताया जाता है कि शराब के साथ ही अन्य नशीले पदार्थ भी यहां उपलब्ध कराए जाते हैं। एक पूरा रैकेट इसके पीछे काम कर रहा है।

यही नहीं, इन ठेले और फड़ वालों की शह पर ही एसटीएच परिसर के बाहर और अंदर ऐसे लोग घूमते हैं, जो मरीजों को निजी अस्पताल और निजी जांच केंद्र जाने के लिए प्रेरित करते हैं। जिसके बदले में यह लोग मोटा कमीशन कमाते हैं। कई बार मरीजों और तीमारदारों से ऐसे लोगों की बहसबाजी की भी सूचना आती रहती है। बताया जाता है कि एक पूरा रैकेट एसटीएच के चारों तरफ पनप गया है, जिनकी नजर एसटीएच में आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों की जेब पर रहती है। जिसे वह किसी न किसी तरह से काटना चाहते हैं।

एसटीएच के सामने ठेले से विगत दिनों पकड़ी गई अवैध शराब। ● फाइल फोटो

जाम भी बनता है समस्या

हल्द्वानी : एसटीएच के पास अतिक्रमण की वजह से जाम की समस्या हर समय बनी रहती है। अस्पताल के सामने से निकलना मुश्किल हो जाता है। अस्पताल के सामने रामपुर रोड पर 200 मीटर के दायरे को जाम जोन कहा जाता है। सीपीयू भी यहां तैनात रहती है, लेकिन अतिक्रमण की वजह से जाम खुलवाना मुश्किल हो जाता है। यही नहीं, एसटीएच के दोनों गेटों के सामने अवैध ऑटो स्टैंड भी बनाया गया है। एसटीएच में आने वाली या यहां से जाने वाली एंबुलेंस को भी जाम में जूझना पड़ता है।

पुलिस भी रहती है बेखबर

एसटीएच के पास अवैध धंधे पनप रहे हैं और पुलिस भी बेखबर रहती है। आए दिन यहां रात के समय ठेले और खोमचों पर लड़ाई की घटनाएं भी होती रहती हैं। पुलिस तभी सक्रिय होती है जब कोई बड़ी घटना हो जाती है।

बोले अधिकारी

आप मुझे नई जानकारी दे रहे हैं। एसटीएच के पास शराब पिलाए जाने की घटनाओं की मुझे जानकारी नहीं है। इस मामले में सीओ सिटी से बात कर लें।
-प्रकाश चंद्र, एसपी, हल्द्वानी

हत्यारोपी सौरभ की तेलंगाना में तलाश

हल्द्वानी, अमृत विचार : अफसाना हत्याकांड में पुलिस की जांच का दायरा बढ़ गया है। दिल्ली और मुरादाबाद के बाद अब अफसाना के हत्यारोपी पति सौरभ राज की तलाश तेलंगाना में भी शुरू कर दी गई है।

बता दें कि बीती 10 अप्रैल को नीलांचल कॉलोनी स्थित शिवाजी कॉलोनी में गंगा राम के मकान में अफसाना का शव मिला था। वह यहां अपनी छोटी बेटी के साथ रह रही थी। उसकी हत्या 8 अप्रैल की रात 12 से 4 बजे के बीच की गई थी। हत्या करने के बाद पति सौरभ छोटी बेटी को लेकर फरार हो गया था। तब से लगातार उसकी तलाश की जा रही है। इधर, एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा का कहना है कि टीमें सौरभ की तलाश में हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हाईप्रोफाइल चोर गैंग का भंडाफोड़, दंपति गिरफ्तार

होंडा सिटी कार में आता है गैंग, शॉपिंग की आड़ में करता है हाथ साफ, गैंग की मुख्य सदस्य अभी भी पकड़ से बाहर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

10 अप्रैल को हल्द्वानी मुख्य बाजार से उड़ाया था महिला का पर्स, सीसीटीवी खंगालने पर मिला था सुराग

05 हजार की नगदी, चोरी के झुमके और पायल किए बरामद, टांडा जंगल के पास से पकड़ा

अमृत विचार : पुलिस ने हाईप्रोफाइल चोर गैंग का भंडाफोड़ करते हुए युवा दंपति को गिरफ्तार किया है। गैंग की मुख्य सदस्य युवती की मां पुलिस की पकड़ से बाहर है। तीन सदस्यीय यह गैंग होंडा सिटी कार में चलता है। शॉपिंग की आड़ में यह परिवार बाजार में कीमती सामान, महिलाओं के पर्स, ज्वैलरी आदि चुरा लेता है। 10 अप्रैल को इन्होंने हल्द्वानी बाजार से एक महिला का पर्स उड़ा लिया था। मुरादाबाद, दिल्ली समेत कई स्थानों पर इनके खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं।

मालूम हो कि ग्राम चांदनी चौक बल्यूटिया निवासी इंद्रा दरम्वाल 10 अप्रैल को बाजार आई हुई थीं। तभी उनके बैग में रखा पर्स गायब हो गया था। पर्स में सोने के झुमके, चांदी की पायल व सात हजार रुपये थे। उन्होंने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुख्य बाजार से महिला के बैग के अंदर से पर्स गायब होने के मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया और जांच शुरू कर दी। सीसीटीवी खंगाले गए तो दो महिलाएं बैग के अंदर से पर्स चोरी करती दिखाई दीं। चोरी करने के बाद दोनों महिलाएं कालाढूंगी चौराहे से ओके होटल तक टुकटुक से गईं और वहां से बरेली रोड पहुंची। वहां एक होंडा सिटी कार खड़ी थी, कार में दोनों ने कपड़े बदले और फिर बाजार की तरफ आ गईं। इस बार इनके साथ एक व्यक्ति भी था। पुलिस ने होंडा सिटी कार का नंबर ट्रेस कर तीनों की पहचान कर ली।

सीओ सिटी नितिन लोहनी ने मंगलवार को बहुउद्देशीय भवन में इस केस का खुलासा किया। पुलिस ने टांडा जंगल के पास से मुफटीटोला इमली वाली मस्जिद मुरादाबाद व हाल निवासी काला महल जामा मस्जिद दिल्ली निवासी वसीम पुत्र बजीर अहमद को उसकी पत्नी आसिया के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के झुमके, पायल और पांच हजार रुपये बरामद हुए हैं। आसिया की मां पकड़ में नहीं आ सकी है। सीओ के मुताबिक युवती, उसकी मां व पति बेहद शातिर हैं। हाईप्रोफाइल तरीके से ये लोग होंडा सिटी कार में चलते हैं और शॉपिंग की आड़ में बाजार में घूमते हैं। मौका पाते ही कीमती सामान, ज्वैलरी आदि पर हाथ साफ कर देते हैं। महंगे कपड़े पहनने व कार की वजह से किसी को इन पर शक भी नहीं होता है। इनके खिलाफ दिल्ली और मुरादाबाद में कई मुकदमे हैं। मुरादाबाद में इन पर गुंडा एक्ट में भी कार्रवाई हो चुकी है। दिल्ली में ये लोग जेल भी जा चुके हैं। दिल्ली में शिकंजा कसने के बाद इन्होंने सेकेंड हैंड होंडा सिटी कार खरीद ली और फिर अन्य शहरों में वारदात करने लगे।

पुलिस की हिरासत में महिला से पर्स चोरी करने के आरोपी दंपति। ● अमृत विचार

चोरी के अलावा नहीं कोई और काम

हल्द्वानी : पुलिस के मुताबिक वसीम 30 और उसकी पत्नी आसिया 25 वर्ष की है। वसीम शादी से पहले भी उल्टे-सीधे कामों में लिप्त था। कोई नौकरी, व्यापार न होने की वजह से शादी के बाद गुजर-बसर में दिक्कत हुई तो वसीम अपनी पत्नी और सास के साथ मिलकर चोरी करने लगा। अपनी कार में तीनों कई जोड़ी कपड़े रखते हैं। एक घटना करने के बाद तीनों तुरंत कार में कपड़े बदलते हैं और फिर दूसरे शिकार की तलाश में निकल जाते हैं। इनकी नजर ऐसी महिलाओं पर रहती है जो अपने साथ बड़ा बैग रखती हैं। इनमें एक महिला सदस्य ऐसे खड़ी होती है कि पूरा बैग छिप जाए और तभी दूसरी सदस्य बैग से चोरी कर लेती है।

पर्वतीय और मैदानी रूटों पर बसों का संकट, यात्री परेशान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुमाऊं मोटर ओनर्स यूनियन (केमू) की चुनावी ड्यूटी में करीब 250 बसें लगाई गई हैं। जिससे पर्वतीय रूटों पर बसों का संकट हो गया है। इस कारण यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं उत्तराखंड परिवहन निगम की 60 बसों को भी चुनाव ड्यूटी के लिए अधिग्रहित किया गया है। इससे मैदानी इलाकों की बस सेवा प्रभावित हो गई है। पर्वतीय और मैदानी इलाकों में 21 अप्रैल से स्थिति सामान्य हो पाएगी।

कुमाऊं मंडल में केमू की लगभग 300 बसें संचालित होती हैं। इनमें कई मार्ग ऐसे हैं, जहां के केवल केमू की ही बसें चलती हैं। केमू के ईडी हिम्मत सिंह ने बताया कि प्रशासन ने चुनावी ड्यूटी के लिए करीब 250 बसों को अधिग्रहित किया है। 20 अप्रैल तक बसों की कमी रहेगी। केमू अध्यक्ष सुरेश डसीला ने बताया कि 21 अप्रैल से केमू की सभी बसें पहाड़ के रूटों पर चलने लगेंगी।

बता दें कि इन दिनों पहाड़ के लिए केमू की बसें कम मिल रहीं हैं। 19 और 20 अप्रैल को केमू बसों का संचालन नाममात्र रह जाएगा। हल्द्वानी से प्रतिदिन केमू की सैकड़ों बसें रामगढ़, मुक्तेश्वर, बागेश्वर, अल्मोड़ा, रानीखेत, बग्वालीपोखर, पिथौरागढ़, बेरीनाग, द्वाराहाट, गंगोलीहाट, शहरफाटक आदि रूटों पर चलतीं हैं। पहाड़ी रूटों में परिवहन निगम की बसें काफी कम हैं। जिस वजह से यात्री केमू की बसों पर अधिक निर्भर रहते हैं। इधर, परिवहन निगम की करीब 60 बसों को चुनाव ड्यूटी पर लगाया गया है। इस वजह से दिल्ली, बरेली, हरिद्वार, देहरादून आदि रूटों पर बसों की कमी हो गई है। हल्द्वानी डिपो के एआरएम सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि 21 अप्रैल से बसों की किल्लत दूर हो जाएगी।

दिक्कत

- केमू और रोडवेज की बसें चुनाव ड्यूटी के लिए अधिग्रहित
- 21 अप्रैल से सामान्य हो जाएगी स्थिति, मिलेगी राहत

आज मुखानी चौराहे से शहर में नहीं जायेंगे वाहन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- मुख्यमंत्री के रोड शो और सचिन पायलट की जनसभा को देखते हुए डायवर्ट किए गए रूट
- सुबह 11 बजे से लागू होगा डायवर्जन, कार्यक्रम समाप्ति तक रहेगा लागू

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के रोड शो और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के कार्यक्रम को देखते हुए शहर में डायवर्जन प्लान लागू किया गया। जिसके तहत बुधवार की सुबह 11 बजे से मुखानी चौराहे से शहर की ओर सभी तरह के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित होगा।

पुलिस के मुताबाकि शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। रामपुर रोड से आने वाले बड़े वाहन टीपीनगर और शीतल होटल से बरेली रोड की ओर जाएंगे और तीनपानी से मुड़कर गौलापार की ओर जाएंगे। बरेली रोड से आने वाले वाहन भी इसी मार्ग का उपयोग करेंगे। कालाढूंगी रोड के वाहन लालडांठ तिराहे से मुड़कर नैनीताल रोड की ओर जायेंगे। पहाड़ से बरेली रोड, रामपुर रोड को जाने वाले वाहन नारीमन तिराहे से गौलापार की ओर जाएंगे। कालाढूंगी रोड को जाने वाले वाहन हाईडिल तिराहे से लालडांठ की ओर जाएंगे। गौलापुल रेलवे क्रॉसिंग से शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित होगा। मुखानी चौराहे से कालाढूंगी चौराहे की तरफ सभी वाहनों का प्रवेश वर्जित होगा।

खेत में आग से गेहूं की फसल जलकर राख

कालाढूंगी : बैलपड़ाव में विद्युत तारों से निकली चिंगारी से खेत में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गयी। ग्रामीणों ने ट्रैक्टर से खेत जोतकर व पानी डालकर आग पर काबू पाया। मंगलवार की दोपहर उदयपुर स्थित सरदार बलकार सिंह के गेहूं के खेतों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया।

ग्रामीणों ने पानी डालकर, गेहूं काटकर व ट्रैक्टर से खेतों को जोत कर आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने बताया कि खेतों के ऊपर बिजली के तारों के टकराने से चिंगारी निकली, जिससे फसल में आग लग गई। ग्राम प्रधान सुधा तिवारी की सूचना पर विद्युत विभाग ने मौका मुआयान किया। आग से संता सिंह, निर्मल सिंह, तारा सिंह व तमसेर सिंह की फसल भी नष्ट हो गई।

आईटीआई गैंग पर कसा शिकंजा 22 सदस्यों पर लगाया गैंगस्टर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

कार्रवाई

- गैंग की वजह दो वर्ष पूर्व शहर में बिगड़ गया था साम्प्रदायिक सौहार्द
- व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर चलाते थे गैंग, कई सदस्यों पर गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : आईटीआई गैंग पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। जिलाधिकारी के आदेश के बाद गैंग के करीब 22 सदस्यों पर गैंगस्टर लगा दिया गया है।

काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व नैनीताल रोड पर गैंग की वजह से साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ गया था। ये व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर गैंग चलाते थे। इनके खौफ के कारण कोई शिकायत और बयान देने नहीं आता है। कई घटनाओं के बाद गैंग चार्ट बनाकर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भेजा गया।

अधिकारियों के आदेश के बाद गैंग लीडर वार्ड 12 रामपुर रोड निवासी अंकित जायसवाल समेत डहरिया निवासी पंकज चौहान, पीलीकोठी निवासी अभिषेक थापा, डालाकोटी कंपाउंड निवासी भुवन सिंह बिष्ट, समता आश्रम गली निवासी सोनू कश्यप, आनंदपुर निवासी विनय दरम्वाल, सीएमटी कॉलोनी निवासी प्रियांशु सती, फूलचौड़ निवासी सूरज राणा, जीतपुर नेगी निवासी करण सिंह थापा, मानपुर उत्तर निवासी अशोक बोरा, विष्णुपुरी निवासी ऋतिक गुप्ता, गुंसाईपुर निवासी जितेश बिष्ट, वारसी कॉलोनी निवासी फैसल, राजपुर निवासी मो. लारिफ सिद्दीकी, जवाहरनगर निवासी शोएब, रानीबाग निवासी इरशाद, वारसी कॉलोनी निवासी मो. सारिक, जवाहर नगर निवासी शहजाद, वारसी कॉलोनी निवासी शाकिब, वार्ड 14 निवासी समीर, जवाहर नगर निवासी अरबाज व जवाहर नगर निवासी फईम अहमद पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इन सभी के खिलाफ थाना काठगोदाम, मुखानी और हल्द्वानी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज हैं।

गर्म हवाओं और तेज धूप से लोग परेशान

हल्द्वानी, अमृत विचार : गर्मी का असर बढ़ता जा रहा है। दिन के समय गर्म हवाएं चल रही हैं। साथ ही तपिश भी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ेगी।

मंगलवार को हल्द्वानी में दोपहर के समय गर्म हवाएं चलीं। लोग गर्म हवाओं और तेज धूप से बचने के लिए सिर ढककर घर से बाहर निकल रहे थे। अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि रात के समय अपेक्षाकृत कम गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार अब गर्मी अपना और असर दिखायेगी। दिन के समय तापमान में और उछाल आएगा। इधर, गर्मी बढ़ने के साथ ही बाजार में ठंडे पेयजल पदार्थों की बिक्री बढ़ गई है। मिट्टी के घड़ों की भी मांग बढ़ गई है।

बदहाली

नगर निगम में प्रतिदिन 30 से 50 स्ट्रीट लाइट खराब होने की दर्ज होती है शिकायत, महीनों लग जाते हैं ठीक होने में

स्ट्रीट लाइटों की शिकायतों का अंबार, सुनने वाला कोई नहीं

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नगर निगम में स्ट्रीट लाइटों के खराब होने की शिकायतों का अंबार लगा है, लेकिन विभाग में सुनने वाला कोई नहीं है। जिससे महीनों तक लाइटें सही नहीं हो पा रही हैं। लोगों को अंधेरे में ही आवागमन करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

बता दें कि नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर पर स्ट्रीट लाइट खराब होने की प्रतिदिन 30 से 50 शिकायतें आती हैं, लेकिन इनका समाधान होने में महीनों लग जाते हैं। बनभूलपुरा वार्ड 21 के लोगों ने बताया कि करीब 15 से 16 स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं। कई बार ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली है। आंकड़ों के मुताबिक 1 से 15 अप्रैल तक नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर पर स्ट्रीट लाइट खराब होने की करीब 458 शिकायतें दर्ज हुई हैं, जिसमें से 121 लाइटें अब भी खराब हैं। यही नहीं बीते मार्च माह में 998 शिकायतें दर्ज हुई, जिसमें से 88 का समाधान नहीं हो पाया। इसी तरह फरवरी माह में 796 शिकायतों में से 247, जनवरी में 882 शिकायतों में से 39 और दिसंबर 2023 में 692 शिकायतों में से 50 का ही समाधान हो पाया है। नगर निगम के अधिकारियों और ठेकेदार की लापरवाही के कारण कई क्षेत्रों में रात के समय अंधेरा रहता है। इससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

ठेका लेने वाली कंपनी की चल रही मनमर्जी

हल्द्वानी : खराब हो रही स्ट्रीट लाइटों में अधिकतर लाइटें कुछ समय पहले ही लगाई गई हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि सितंबर 2021 में अंबुजा कंपनी को नई स्ट्रीट लाइट लगाने व उनके रखरखाव के लिए 7 साल के लिए 18 करोड़ रुपये में ठेका दिया गया था। बताया जाता है कि नई स्ट्रीट लाइटों के खराब होने की शिकायत नगर निगम के उच्च अधिकारियों के पास भी पहुंच रही हैं, लेकिन उन्होंने अब तक संबंधित कंपनी के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया है। लोगों ने बताया कि संबंधित कंपनी के अधिकारी भी क्षेत्र में कम आते हैं, जिससे उनके कर्मचारी लापरवाही से काम करते हैं।

स्ट्रीट लाइट खराब होने की 40 से 60 प्रतिशत शिकायतों का हर माह समाधान किया जा रहा है। जो लाइटें खराब हैं उन्हें भी जल्द ठीक करा दिया जायेगा। **-गणेश भट्ट,** सहायक आयुक्त, नगर निगम

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग गंभीर घायल

गरमपानी, अमृत विचार : खैरना बाजार क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक सवार ने बुजुर्ग को टक्कर मार दी। जिससे बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गये।

बेतालघाट ब्लॉक के धनियाकोट निवासी गोपाल सिंह जलाल खैरना बाजार आए थे। कार्य निपटाने के बाद वह लौट रहे थे कि तभी अल्मोड़ा से हल्द्वानी को जा रहे बाइक सवारों ने उन्हें टक्कर मार दी। लहूलुहान हालत में गोपाल सिंह को उपचार के लिए सीएचसी गरमपानी पहुंचाया। उधर खड़िया लेकर हल्द्वानी जा रहा ट्रक गंगोरी, सुयालबाड़ी क्षेत्र में असंतुलित होकर हाईवे पर पलट गया। लोगों के पहुंचने से पहले ही चालक जा चुका था। ट्रक पलटने से खड़िया भी हाईवे पर बिखर गई, जिससे कुछ देर आवाजाही प्रभावित रही।

एक बेड पर दो मरीजों को लिटाने पर हंगामा

संवाददाता, हल्द्वानी

बदहाल व्यवस्था

- महिला अस्पताल प्रबंधन के हस्तक्षेप पर शांत हुए परिजन
- नर्सों को अस्पताल में धरना देने की दी धमकी

अमृत विचार : महिला अस्पताल में एक बेड पर दो मरीजों को लिटाने पर हंगामा हो गया। मामला बढ़ता देख अस्पताल प्रबंधन ने हस्तक्षेप किया। जिसके बाद मामला शांत हुआ।

महिला अस्पताल में मंगलवार को एक महिला को भर्ती किया गया। जिस बेड पर महिला को लिटाया गया, उस बेड पर नर्सों ने एक और महिला को लिटा दिया। जिस पर महिला के परिजनों ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने अस्पताल में ही धरना देने की धमकी दे डाली। इससे मौके पर मौजूद नर्सों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तुरंत मामले की सूचना सीएमएस डॉ. उषा जंगपांगी को दी। घटना के समय सीएमएस अस्पताल में मौजूद नहीं थी। उन्होंने फोन से नर्सों को मामले को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिये। नर्सों ने भर्ती की गई महिला को दूसरा बेड उपलब्ध कराया। जिसके बाद मामला शांत हो गया। इधर, सीएमएस ने बताया कि अस्पताल में मरीजों की भीड़ रहती है। मौजूदा संसाधन में सभी को बेहतर उपचार देने के प्रयास किये जा रहे हैं।

काठगोदाम के तनुज ने आईएएस बन किया नाम रोशन

तीसरे प्रयास में मिली सफलता, 72वीं रैंक हासिल की, कहा- दो बार साक्षात्कार में पहुंचने के बावजूद असफल होने पर भी विश्वास बनाए रखा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में शहर के शीशमहल, काठगोदाम निवासी तनुज पाठक ने 72वां स्थान प्राप्त किया है। उन्हें तीसरे प्रयास में सफलता मिली। उन्होंने कहा कि दो बार साक्षात्कार में पहुंचने के बावजूद असफल होने पर निराश हुआ लेकिन अपने ऊपर विश्वास भी था।

सिविल सेवा परीक्षा के नतीजे आने के बाद मूलरूप से अल्मोड़ा के रहने वाले तनुज के शीशमहल स्थित घर पर बधाइयां देने वालों का तांता लगा है। नैनीताल रोड स्थित एक निजी स्कूल से 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने साल 2014-18 तक आईआईटी रुड़की से मेटलर्जिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग में बीटेक किया। इसके बाद वह बेंगलुरु स्थित एक निजी कंपनी में अच्छी तनख्वाह पर नौकरी करने लगे। लेकिन, वर्ष 2018-20 तक दो साल नौकरी करने के बाद उन्होंने हल्द्वानी आकर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य आईएएस बनने का ही था, इसलिए नौकरी छोड़कर घर पर रहकर परीक्षा की तैयारियां शुरू कर दीं। बताया कि वह रोजाना आठ घंटे पढ़ाई करते थे। कहा कि बेसिक पर ही ज्यादा फोकस किया और एनसीईआरटी की किताबों व दो-तीन अंग्रेजी अखबारों का निरंतर अध्ययन किया। साथ ही करेंट अफेयर्स पर जोर दिया और यूपीएससी के पुराने पेपरों का गहराई से अध्ययन किय। तनुज ने कहा कि मेहनत, धैर्य, सोशल मीडिया का सदुपयोग और लगन से उन्होंने यह सफलता प्राप्त की। उन्होंने बताया कि शंकराचार्य, बुद्ध के विचारों से उन्हें अत्यधिक ऊर्जा मिलती है। बताया कि आईएएस बनने के लिए कॉलेज के सीनियर छात्रों से प्रेरणा और माता-पिता का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता को दिया।

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास करने के बाद तनुज पाठक को बधाई देते परिजन व अन्य। ● अमृत विचार

काफी चर्चा के बाद तैयारी के लिए भरी हामी

माता आशा पाठक बताती हैं कि तनुज बेंगलुरु में अच्छी सैलरी पर नौकरी कर रहा था लेकिन एक दिन उसने अचानक नौकरी छोड़कर यूपीएससी की तैयारी करने की इजाजत मांगी। परिवार में इस पर काफी चर्चा हुई तो पिता त्रिलोचन पाठक की राय के बाद तनुज को तैयारी छोड़ने की इजाजत मिल गई। आशा पाठक कहती हैं कि आज मेरे लिए सबसे अधिक खुशी का दिन है, यह मेरी आन, मान, शान और जान है। इसने हमें गौरवान्वित किया है।

पूर्व डीजीपी की बेटी कुहू बनीं आईपीएस अफसर

पंतनगर : पूर्व डीजीपी अशोक कुमार और जीबी पंत कृषि विवि में प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डॉ. अलकनंदा अशोक की पुत्री कुहू गर्ग अपने पहले प्रयास में ही आईपीएस अफसर बन गई हैं। उन्हें आल इंडिया लेवल पर 178वीं रैंक मिली है। डीन टेक्नोलॉजी डॉ. अलकनंदा ने बताया कि लगभग दो वर्षों के कठिन परिश्रम में ही कुहू ने यह स्थान हासिल किया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि छह वर्षों तक भारतीय बैडमिंटन टीम में सीनियर और जूनियर खेल चुकी कुहू के पास 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पदक हैं। कुहू देश की पहली ऐसी महिला आईपीएस होगी, जिन्होंने इतने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। उनके पिता अशोक कुमार उत्तराखंड में कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं देने के साथ राज्य के डीजीपी रहे।

पूर्व डीजीपी के साथ चयनित कुहू।

टनकपुर के रोमित भट्ट ने 390वां स्थान हासिल किया

टनकपुर, अमृत विचार : टनकपुर के रोमित भट्ट के लिए मंगलवार का दिन मंगलमय रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने यूपीएससी (केंद्रीय लोक सेवा आयोग) की परीक्षा पास की है। देशभर में उन्होंने 390वां स्थान हासिल किया है। उनका चयन आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी के रूप में होने की संभावना है। उनके पिता महेश भट्ट टनकपुर उप जिला अस्पताल में चीफ फार्मासिस्ट हैं और माता माया भट्ट गृहिणी हैं। रोमित की इस कामयाबी पर सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल, टनकपुर अस्पताल के सीएमएस डॉ. घनश्याम तिवारी, डॉ. एलएम रखोलिया, डॉ. वीके जोशी, एसीएमओ डॉ. इंद्रजीत पांडेय, लोहाघाट अस्पताल के चीफ फार्मासिस्ट मुकुल राय, किरण राय आदि ने खुशी जताई।

रोमित की सफलता पर खुशी जताते परिजन।

जाट महासंघ के अध्यक्ष श्याम सिंह का निधन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जाट महासंघ हल्द्वानी के अध्यक्ष चौधरी श्याम सिंह का मंगलवार को निधन हो गया। वह करीब 65 वर्ष के थे। अपने पीछे वह भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

जानकारी के मुताबिक श्याम सिंह रोजाना की तरह मंगलवार को भी सुबह पांच बजे उठे थे। इसके बाद वह अपने घर के गार्डन में घूमने लगे। इस बीच वह गार्डन में कुर्सी पर बैठ गए। कुछ देर बाद पत्नी उनके पास आई तो उनकी आंखें बंद थी। हिलाया तो पता लगा कि उनकी मौत हो चुकी है। माना जा रहा है कि हृदय गति रुकने से उनका निधन हुआ है। करीब दो साल पहले श्याम सिंह के जवान पुत्र की सांस की नली में रोटी का टुकड़ा फंस जाने से मौत हो गई थी। शाम को राजपुरा स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके पुत्र फ्रेंकी चौधरी ने चिता को मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में चौधरी ऋषिपाल सिंह, डॉ. भारत भूषण सिंह, गुलाब सिंह सिरोही, आयकर अधिकारी अवधेश मलिक, धर्मेंद्र मलिक, सुमित चौधरी, हरस्वरूप पाल, राजीव राणा, भूपेंद्र ढाका, सतेंद्र तोमर, डॉ. महावीर सिंह, तारा ठाकुर, राशिद, खालिद, राजा चौधरी, नरेश अग्रवाल, संजय सिंह, देवानंद समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जाट महासंघ ने श्याम सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

बोरिंग मशीन की रॉड टूटी, ट्यूबवेल का काम लटका

इंतजार बढ़ा

- 670 फीट बोरिंग होने के बाद प्रेशर मशीन में आई खराबी
- ट्यूबवेल बनने में तीन महीने का समय और लगेगा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : करायल क्षेत्र की पंचवटी कॉलोनी में जल संस्थान की ओर से ट्यूबवेल निर्माण के लिए बोरिंग कराई जा रही है, लेकिन करीब 670 फीट बोरिंग होने के बाद प्रेशर मशीन की रॉड टूट गई। जिसके चलते काम ठप हो गया है। ऐसे में ट्यूबवेल से पेयजल आपूर्ति होने में तीन माह का समय और लगेगा।

जल संस्थान ने ट्यूबवेल निर्माण के लिए ठेकेदार को ठेका दिया है, लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी से बोरिंग कार्य पहले चरण में सफल नहीं हो पाया। अब उसी स्थान से तीन मीटर की दूरी पर फिर से ट्यूबवेल के लिए बोरिंग कराई जा रही है।

जिसमें 200 फीट तक बोरिंग की जा चुकी है। अगर कार्य सफल रहा तो ट्यूबवेल से पानी की आपूर्ति सुचारू कर दी जायेगी। जिससे क्षेत्रवासियों का काफी राहत मिलेगी।

इधर, जल संस्थान के जेई जयपाल सिंह ने बताया कि पहले चरण में ट्यूबवेल की बोरिंग नहीं सफल हो पाई। जिसे अब दोबारा से कराया जा रहा है। कार्य पूरा होने में अभी तीन माह का समय और लग जाएगा।

पंचवटी कॉलोनी में बोरिंग के लिए आई मशीन। ● अमृत विचार

पेयजल समस्या के समाधान की मांग

हल्द्वानी : भगवानपुर क्षेत्र में पिछले लंबे समय से पेयजल समस्या बनी हुई है। मंगलवार को क्षेत्र के लोगों ने जल संस्थान कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपा और शीघ्र पेयजल समस्या के समाधान की मांग की। शिकायती पत्र में लोगों ने कहा कि पानी न आने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार अधिकारियों से शिकायती की, लेकिन कोई समाधान नहीं हो पाया है। कहा कि अगर शीघ्र समस्या का हल नहीं हुआ तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान महेश जोशी, राम सिंह रावत, कमल भट्ट, पदम सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे। इधर, बजूनिया हल्दू ग्रामसभा में ट्यूबवेल खराब होने से लोगों को पेयजल समस्या से जूझना पड़ रहा है।

सार-संक्षेप

हल्दूचौड़ स्थित आईटीबीपी की 34वीं बटालियन में मतदान की शपथ लेते जवान।

आईटीबीपी के जवानों ने ली मतदान की शपथ

हल्दूचौड़ : स्वीप टीम ने हल्दूचौड़ स्थित आईटीबीपी की 34वीं बटालियन के जवानों और अधिकारियों को लोकसभा चुनाव में मतदान करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जवानों को संबोधित कर सेनानायक सुरेंद्र सिंह ने कहा कि वोट देना देश के हर नागरिक का कर्तव्य है, इसलिए सभी अवश्य मतदान करें। दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें, ताकि देश का लोकतंत्र और मजबूत हो सके। इस अवसर पर हल्द्वानी ब्लॉक स्वीप कॉर्डिनेटर डॉ. सुरेश भट्ट, मोनिका चौधरी, स्वीप सदस्य रश्मि पांडे, सहायक सेनानायक मुकेश कुमार एवं आईटीबीपी के जवान और अधिकारी मौजूद रहे।

आग लगने से सैनिक के घर का सामान जला

लालकुआं : बिंदुखत्ता घोड़ानाला स्थित सैनिक के घर में आग लगने से सामान जल गया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। बिंदुखत्ता के पूर्वी राजीव नगर घोड़ानाला निवासी सैनिक राकेश सिंह के आवास में सोमवार को अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई, जिसके चलते उनके घर में रखा सामान, कपड़े व राशन आदि आग की भेंट चढ़ गया। जब तक आग पर काबू किया तब तक घर में रखा लगभग 3 लाख रुपये का राख हो गया। राजस्व उप निरीक्षक लक्ष्मी नारायण यादव ने नुकसान का आंकलन किया।

छात्रों ने रैली से दिया मतदान का संदेश

गरमपानी : ब्लॉक मुख्यालय स्थित बाजार क्षेत्र में जीआईसी के छात्रों ने मतदाता जागरूकता रैली निकालकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। लोगों से समय पर मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान करने का आह्वान किया। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बेतालघाट के विद्यार्थियों ने हाथों में स्लोगन लिखे पोस्टर व बैनर लेकर मुख्य बाजार क्षेत्र में रैली निकाली। विद्यालय से शुरू हुई रैली मुख्य बाजार होकर वापस विद्यालय परिसर पहुंची।

वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र रावत को मातृशोक

रामनगर : रामनगर बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र सिंह रावत की माता के आकस्मिक निधन पर बार अध्यक्ष ललित मोहन तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को शोकसभा आयोजित की गई। बार एसोसिएशन के सभा कक्ष में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। शोकसभा में बार सचिव संतोष देवरानी, उपसचिव गणेश कुमार गगन, कोषाध्यक्ष बलवंत सिंह बिष्ट, पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्रवाल, पूर्व उपाध्यक्ष गिरधर बिष्ट, गौरव तिवारी, निसरुद्दीन, जगतपाल सिंह रावत, दीपक गौड़, कैलाश चंद्र, सलीम खान, मनोज अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे।

चित्र बनाकर दिया हाथियों को बचाने का संदेश

रामनगर : अंतर्राष्ट्रीय हाथी बचाओ दिवस पर राजकीय इंटर कॉलेज ढेला के बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमों से हाथी को बचाने पर चर्चा की। इस दौरान हाथी के पारिस्थितिकीय में महत्व को लेकर डॉक्यूमेंट्री देखने के साथ-साथ बच्चों की ओर से हाथी का चित्र बनाकर उनके संरक्षण का संदेश दिया। गोल्डन टस्क रिजॉर्ट में हुए कार्यक्रम में वरिष्ठ नेचर एक्सपर्ट सुरेश रावत, अंग्रेजी प्रवक्ता नवेंदु मठपाल, प्रधानाचार्य राम यादव, रिजॉर्ट मैनेजर संदीप पाल, सुरेश रावत, रविंद्र अधिकारी, नफीस अहमद, पद्मा, भगवती फर्त्याल आदि मौजूद रहे।

आग से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया

रामनगर, अमृत विचार : ढेला रेंज के अन्तर्गत वन गुर्जरों तथा ग्रामवासियों की ओर से आयोजित गोष्ठी में मानव वन्य जीव संघर्ष को कम किये जाने, वनों के दोहन को रोकने, वनों को आग से बचाने जैसे कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

वन क्षेत्राधिकारी ढेला भानु प्रकाश हर्बोला के संचालन में सम्पन्न गोष्ठी में वन गुर्जरों एवं ग्रामवासियों को मानव जीवन में वनों के महत्व तथा वनों को आग से होने वाली क्षति के बारे में अवगत कराया गया। वन गुर्जरों से किसी भी अग्नि दुर्घटना की सूचना तुरन्त निकटतम वन चौकी में देने का अनुरोध किया गया। इस दौरान मदन सिंह जलाल, गौरीराम, होरीलाल, मनवर सिंह रावत, अवनीश बिष्ट, आलिजान व वन गूजर परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

चार बार भेजा पत्र, नहीं आया जवाब

संवाददाता, हल्द्वानी

आधे दिन ओपीडी खोलने का आदेश नहीं

हल्द्वानी : सरकारी अस्पतालों में राजपत्रित अवकाश के दौरान पूरे दिन बंद की जा रही ओपीडी को लेकर स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि सरकार की ओर से ऐसा कोई आदेश नहीं है कि राजपत्रित अवकाश के दौरान आधे दिन ओपीडी खुली रखी जाए। बेस अस्पताल प्रबंधन से जानकारी मिली कि राजपत्रित अवकाश के दिन आधे दिन तक ओपीडी खोलना चिकित्सकों के स्वयं के विवेक पर है। जिसे सालों से अमल में लाया जा रहा है। राजपत्रित अवकाश के दौरान ऐसा कोई आदेश नहीं होता है कि आधे दिन तक ओपीडी खोली जाएगी। इसलिए चिकित्सकों के प्रांतीय संगठन ने राजपत्रित अवकाश पर पूरे दिन ओपीडी बंद रखने का निर्णय लिया है। पीएमएस डॉ. केके पांडेय ने बताया नवमी के दिन भी पूरे दिन ओपीडी बंद रहेगी व इमरजेंसी सेवाएं चलती रहेंगी।

अमृत विचार : बेस अस्पताल में सिटी स्कैन मशीन ठीक कराने को अस्पताल प्रबंधन स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय को चार बार पत्र भेज चुका है, लेकिन मुख्यालय से एक भी पत्र का जवाब नहीं आया है।

शहर के प्रमुख बेस अस्पताल में पिछले दो सप्ताह से सिटी स्कैन मशीन खराब पड़ी है। जिससे मरीजों को सिटी स्कैन के लिए एसटीएच जाना पड़ रहा है। अस्पताल के पीएमएस डॉ. केके पांडे ने बताया कि मशीन को ठीक करने के लिए देहरादून में स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय को चार बार पत्र लिखा जा चुका है, लेकिन अभी तक एक भी पत्र का जवाब नहीं आया है।

बताया जाता है कि इस समय सभी जगह चुनाव को लेकर व्यस्तता चल रही है। जिस वजह से कई काम रूके हैं। इसी वजह से सिटी स्कैन मशीन ठीक करने का काम भी अटका हुआ है। मशीन ठीक कराने के लिए बजट को स्वीकृति नहीं मिल पाई है। पीएमएस डॉ. पांडे ने बताया कि मशीन ठीक करने के लिए मुख्यालय से लगातार संपर्क किया जा रहा है।

ई-नाम से लाभ कमाने वाले किसान व आढ़ती सम्मानित

रामनगर : कृषि उत्पादन मंडी समिति में मंगलवार को ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) की आठवीं वर्षगांठ पर किसान और एक आढ़ती को सम्मानित किया गया। इन लोगों ने ई-नाम के लिए कृषि उपज बेचकर मुनाफा कमाया था। इस मौके पर ई-नाम के जरिये व्यापार करने वाले बरकत ट्रेडर्स के स्वामी रईस अहमद और किसान शोएब रजा बेड़ाझाल को मंडी सचिव सहील अहमद ने सम्मानित किया। इस दौरान हसीन वारसी, मोहम्मद रविश, शाहिद अहमद, मोइनुद्दीन, शमसुद्दीन, जावेद खान, करीम, पंकज कुमार पांडे अमरजीत सिंह, हर्षदीप सिंह, रियासत मौजूद रहे।

डीएम के प्रधान सहायक पर पांच हजार का जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सूचना के अधिकार में समय से सूचनाएं उपलब्ध नहीं कराने पर सूचना आयोग ने जिलाधिकारी के प्रधान सहायक पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

अधिवक्ता वीके शर्मा निवासी हीरानगर ने मुख्य सूचना आयुक्त अनिल चंद्र पुनेठा के यहां अपील दायर कर कहा था कि बीती 13 जुलाई 2023 को जिला कार्यालय नैनीताल के प्रधान सहायक/डीम्ड लोक सूचना अधिकारी से जमींदारी विनाश अधिनियम की धारा 157 ए के अंतर्गत अनुसूचित जाति के व्यक्ति द्वारा भूमि विक्रय करने की अनुमति प्रदान करवाए जाने के संबंध में 6 अक्टूबर 2022 को दिए प्रार्थना पत्र के संबंध में सूचनाएं मांगी थीं। लोक सूचना अधिकारी/मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने 1 अगस्त को सूचनाएं दीं। लोक सूचना अधिकारी ने आधी अधूरी व अस्पष्ट सूचनाएं दीं। इसके बाद अधिवक्ता शर्मा ने 23 जून 2023 को प्रथम अपीलीय अधिकारी/एडीएम वित्त एवं राजस्व के यहां अपील की। बाद में उन्होंने भी अपील का निस्तारण कर दिया। इसके बाद अपीलार्थी ने द्वितीय अपील में सूचनाएं निशुल्क उपलब्ध कराने की मांग की और लोक सूचना अधिकारी एवं प्रथम अपील अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की मांग की।

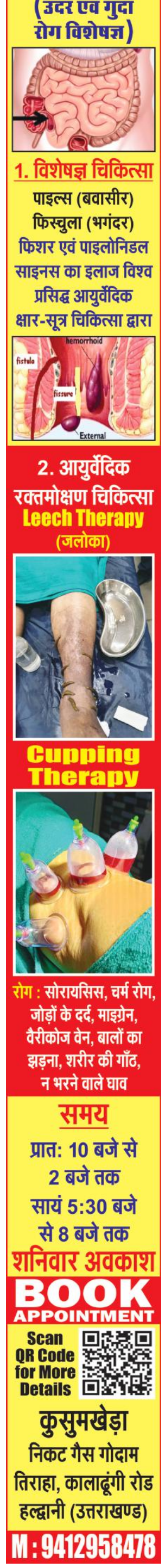

दूरस्थ बूथों के लिए आज रवाना होंगी 57 पोलिंग पार्टियां

भीमताल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत हैं सबसे अधिक दूरी के बूथ, बाकी 953 पार्टियां गुरुवार को मतदान केंद्रों के लिए होंगी रवाना

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

05 किमी पैदल दूरी वाला बूथ राजकीय प्राथमिक विद्यालय रीखाकोट है। इसकी हल्द्वानी से 140 किमी की दूरी है

06 किमी पैदल दूरी तय करने वाला बूथ राजकीय प्राथमिक विद्यालय मलुवाताल भी भीमताल में है

07 बजे सुबह से एमबीपीजी कॉलेज में पोलिंग पार्टियों के पहुंचने के साथ ही ईवीएम-वीवीपैट व बस्ता वितरण भी शुरू होगा

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में भीमताल विधानसभा क्षेत्र के दूरस्थ बूथों के लिए 57 पोलिंग पार्टियां मतदान बुधवार (आज) को रवाना होंगी। बाकी टीमें गुरुवार को जाएंगी।

भीमताल विधानसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाचन अधिकारी केएन गोस्वामी ने बताया कि 57 पोलिंग बूथ हैं। जहां पोलिंग पार्टियां दो दिन पूर्व रवाना होंगी। उन्होंने बताया कि पैदल दूरी वाला बूथ राजकीय प्राथमिक विद्यालय रीखाकोट है। यहां पोलिंग पार्टी को सड़क से 5 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करनी होगी। वहीं, एमबीपीजी कॉलेज से सबसे अधिक दूर का बूथ 140 किलोमीटर का राजकीय प्राथमिक विद्यालय गौतपांगू, कैड़ा गांव है। यहां पोलिंग पार्टी को 600 मीटर पैदल चलना होगा। उन्होंने बताया कि जिले में सर्वाधिक पैदल दूरी वाला बूथ भी भीमताल में है, यह बूथ राजकीय प्राथमिक विद्यालय मलुवाताल है। इस बूथ पर पहुंचने के लिए पोलिंग पार्टी को 6 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करनी होगी। हालांकि सड़क मार्ग से दूरी कम होने की वजह से पोलिंग पार्टी गुरुवार को ही रवाना होगी। उन्होंने बताया कि ईवीएम, बस्ता वितरण की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। सभी 57 पोलिंग पार्टियां का एमबीपीजी में बने कंट्रोल रूम में पहुंचने का समय सुबह 7 बजे से है। इसके बाद पोलिंग पार्टियों को ईवीएम, वीवीपैट और बस्ता वितरण किया जाएगा। प्रत्येक पोलिंग टीम में पीठासीन अधिकारी और तीन मतदान अधिकारी शामिल हैं। एआरओ गोस्वामी ने बताया कि सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ रिजर्व में टीमें तैनात रहेंगी। यदि कहीं जरूरत पड़ती है तो इन बूथों पर रिजर्व में रखी टीम भेजी जाएगी।

एमबीपीजी कालेज के मैदान में चुनाव के लिए की गई तैयारी। ● अमृत विचार

1010 बूथों के लिए गठित मतदान दलों का तीसरा रेंडमाइजेशन भी पूरा हुआ

जिला निर्वाचन अधिकारी वंदना सिंह ने बताया कि नैनीताल जनपद के 1010 बूथों के लिए गठित मतदान दलों का तृतीय रेंडमाइजेशन किया गया। इसके बाद सभी को बूथ संख्या और बूथ आवंटित किए गए। 17 अप्रैल को 57 और 18 अप्रैल को 953 पोलिंग पार्टियां मतदेय स्थलों के लिए रवाना होंगी। उन्होंने कहा कि 183 संवेदनशील मतदान केंद्रों में माइक्रो ऑब्जर्वर की नियुक्ति के लिए रेंडमाइजेशन से कर्मचारियों का चयन किया गया। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक गगनदीप बरार, उप डीआईओ एनआईसी राजेश तिवारी मौजूद रहे।

दिव्यांग-बुजुर्गों को लाने के लिए लगे 13 वाहन व 36 कर्मी

नोडल अधिकारी मीडिया विशाल मिश्रा ने बताया कि हर विधानसभा क्षेत्र में एक दिव्यांग मतदेय स्थल है। जिले में 700 से अधिक दिव्यांग एवं 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग चिन्हित किए गए हैं। इन्हें बूथ तक लाने के लिए मैपिंग कर ली गई है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगों और बुजुर्गों की सहूलियत के लिए बूथों पर व्हील चेयर की सुविधा रहेगी। इन मतदाताओं को घर से बूथों तक लाने के लिए 13 वाहन व 36 कर्मचारियों को ड्यूटी लगाई गई है।

पीठासीन अधिकारी को मिलेगा 1600 रुपया भत्ता

हल्द्वानी : लोकसभा चुनाव के लिए 19 अप्रैल को मतदान होना है। हालांकि दूरस्थ बूथों के लिए 57 पोलिंग पार्टियां बुधवार से ही रवाना होनी शुरू हो जाएंगी। इस बार चुनाव में पहली बार बीएलओ को 150 रुपये भत्ता अल्पाहार के लिए दिया जाएगा। इसके अलावा पीठासीन अधिकारी को 1050 टीए, अल्पाहार के 450, 100 रुपये पीडीएमएस के लिए कुल 1600 रुपये दिए जाएंगे। वहीं, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय, तृतीय को 750 रुपये टीए व अल्पाहार के 450 कुल 1200 रुपया दिया जाएगा। वहीं, चुनाव कर्मचारियों के रात्रि विश्राम के लिए राजस्व उपनिरीक्षक की ओर से बिस्तरों का इंतजाम किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग का मकसद साफ है कि भरपेट भोजन और चैन की नींद सोकर अगले दिन पोलिंग पार्टियां पूरे जोश और उत्साह से मतदान संपन्न कराएं।

आचार संहिता के फेर में डॉक्टर्स की तैनाती लटकी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के बीच अनुबंध पर जिले में चिकित्सकों की तैनाती नहीं होने का खामियाजा अब ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। बीते 31 मार्च को जिले के अलग अलग अस्पतालों में तैनात करीब डेढ़ सौ चिकित्सकों का अनुबंध खत्म होने के कारण उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई थी। जिस कारण ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकांश अस्पताल चिकित्सक विहीन हो गए हैं।

अल्मोड़ा जिले में चिकित्सकों के तीन सौ स्थाई पद सृजित हैं। स्वास्थ्य विभाग जिले में 125 स्थाई चिकित्सकों की तैनाती ही कर सका है। जिले के अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी को देखते हुए बीते वर्ष डेढ़ सौ चिकित्सकों को अनुबंध के आधार पर तैनात किया गया था। 31 मार्च को इन सभी चिकित्सकों का अनुबंध समाप्त हो गया और उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। इसके बाद से अब जिले के कई अस्पताल चिकित्सक विहीन हो गए हैं। आए दिन रोगी उपचार के लिए अस्पतालों में पहुंच रहे हैं लेकिन चिकित्सक न मिलने से उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है और उपचार के लिए महानगरों के निजी अस्पतालों की शरण लेनी पड़ रही है। सीएमओ डॉ. आरसी पंत का कहना है कि चिकित्सकों की तैनाती की प्रक्रिया गतिमान है। आचार संहिता और अधिकांश अधिकारियों की चुनाव ड्यूटी में व्यस्तता की वजह से अनुबंध में विलंब हो रहा है।

विलंब

- 150 चिकित्सकों का अनुबंध खत्म होने से सेवाएं भी समाप्त
- नया अनुबंध नहीं होने से कई अस्पताल डॉक्टर विहीन हुए

पथ सभा में लिया जीत दिलाने का संकल्प

गरमपानी : बेतालघाट ब्लॉक के सुदूर थुआ क्षेत्र में भाजपा की पथ सभा कार्यक्रम के तहत बैठक में सांसद प्रत्याशी को पांच लाख से भी अधिक मतों से जीत दिलाने का संकल्प लिया गया। विधायक सरिता आर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस दौरान प्रकाश आर्या, सोबन सिंह, हरीश आर्या, दयाल आर्या, ललित मोहन समेत कई लोग मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

भारत-नेपाल सीमा को सील करते सुरक्षा बलों के जवान। ● अमृत विचार

भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा 72 घंटे के लिए सील

बनबसा : लोकसभा चुनाव के चलते भारत-नेपाल सीमा 72 घंटे के लिए सील कर दी गई है। भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा को मंगलवार शाम पांच बजे बंद कर दिया गया है। 19 अप्रैल शाम को मतदान समाप्त होने के बाद सीमा को खोलकर भारत-नेपाल के बीच लोगों और वाहनों का आवागमन शुरू कर दिया जाएगा। सीमा सील होने से पहले नेपाली ग्राहक भारतीय बाजारों से जरूरी सामग्री की खरीदारी करते हुए दिख रहे हैं।

भीमताल में प्रचार करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घर-घर दस्तक दी

भीमताल/गरमपानी : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वार्ड नंबर-7 ब्लॉक रोड, रामलीला मैदान आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी के लिए जनसंपर्क किया। मतदाताओं से उन्हें विजयी बनाने की अपील की। इस दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष डीके डाला कोटी, जिला युवा उपाध्यक्ष नीरज कुमार, नगर महिला अध्यक्ष हेमा परगई, जिला सचिव आशा आर्य, जिला सचिव निर्मला आर्य, रमालाल, इंद्रजीत बिष्ट, खुशीराम, दीवान राम आदि मौजूद थे। वहीं गरमपानी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रचार अभियान में पूरी ताकत झोंक दी है। गांव गांव जाकर कार्यकर्ता सांसद प्रत्याशी प्रकाश जोशी के पक्ष में मतदान की अपील करने में जुटे हैं। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष नवीन चंद्र आर्या, ब्लॉक अध्यक्ष शेखर दानी मौजूद रहे।

दूरस्थ बूथों पर प्रचार करते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अजय भट्ट के समर्थन में घर-घर पहुंचे कार्यकर्ता

भीमताल : भीमताल के बूथ संख्या 140 एवं 141 के सिलोटी और चनौती क्षेत्र में प्रचार प्रसार के लिए शक्ति केंद्र के सभी कार्यकर्ताओं, बूथ के कार्यकर्ताओं तथा वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं ने दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर जाकर अजय भट्ट और नरेन्द्र मोदी के लिए प्रचार किया। इस दौरान बूथ अध्यक्ष विनोद कर्नाटक और गोपाल साह के नेतृत्व में भाजपा के पूर्व जिला मीडिया प्रभारी एडवोकेट एचसी राहुल जोशी के साथ मंडल उपाध्यक्ष भुवन भट्ट, कमल बृजवासी, हंसा भट्ट, पीडी दुम्का आदि लोग सम्मिलित रहे।

विकास भगत ने जनता को गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

हल्द्वानी : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने मंगलवार को बिठौरिया में बैठक की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे भारत विश्व की महाशक्ति बन गया है। उनके नेतृत्व मे देश लगातार प्रगति कर रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर धामी सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों से जनता प्रसन्न है। इसमें नकल विरोधी कानून प्रमुख है। युवा भाजपा को अपना मत इसलिए देना चाहते हैं क्योंकि युवाओं को सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं में निष्पक्षता से मौका मिला है। इस कानून के आने के बाद आठ हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं। उन्होंने आगामी 19 अप्रैल को भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। इस दौरान महेंद्र सिंह नेगी, मंडल अध्यक्ष सुरेश गौड़, दीपक सनवाल, पार्षद दीपक बिष्ट, योगेश तिवारी, भुवन भट्ट, पार्षद प्रकाश पटवाल, पार्षद बी जोशी, कंचन उप्रेती, विक्रम गौड़, प्रवीण जोशी आदि रहे।

अजय भट्ट ने रिटर्निंग अधिकारी से फिर की प्रकाश जोशी की शिकायत

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रिटर्निंग ऑफिसर को शिकायती पत्र देकर कांग्रेस प्रत्याशी पर भ्रामक प्रचार कर आचार संहिता उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। आरोप था कि सांसद निधि खर्च करने को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी विज्ञापन प्रकाशित कर रहे हैं, जबकि उन के आरोप निराधार हैं। इसकी जानकारी परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण नैनीताल दी गई।

भाजपा प्रत्याशी के मुख्य निर्वाचन अभिकर्ता सुनील खेड़ा ने रिटर्निंग आफिसर ऊधमसिंह नगर को एक शिकायती पत्र देकर बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी खुले मंच के अलावा विज्ञापन प्रकाशित कर सांसद निधि खर्च नहीं किए जाने का भ्रामक प्रचार कर रहे हैं, जबकि सत्यता इससे परे है। बताया कि जब इस संबंध में परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण में सूचना अधिकार के तहत जानकारी मांगी, तो पाया कि सांसद रहे अजय भट्ट द्वारा वर्ष 2019 से 2020 और 2022 से 2023 ऑफ लाइन प्राप्त भारत सरकार से धनराशि 700 लाख प्राप्त हुई थी। जो शत प्रतिशत खर्च की गई। इसके अलावा वर्ष 2022 से 2023 में ऑनलाइन प्राप्त धनराशि 1258.37 लाख में से 1247.87 लाख रुपये खर्च किए है। जिसमें करीब दस लाख की धनराशि किसी कारणवश खर्च नहीं हो पाई। ऐसे में कांग्रेस प्रत्याशी 10 करोड़ से अधिक की धनराशि वापस होने का दुष्प्रचार कर रहे है। जो कि आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की श्रेणी में आता है। अजय भट्ट के अधिवक्ता ने रिटर्निंग अधिकारी से मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की मांग की है।

उम्मीदों का 'प्रकाश' जरूर फैलेगा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी का चुनाव प्रचार जारी है। मंगलवार को उन्होंने जनता से कांग्रेस के पक्ष में वोट करने की अपील की।

जोशी ने काशीपुर के बासखेड़ा, मदर्स कॉलोनी, डिफेंस कॉलोनी के बाद कालाढूंगी, लालकुआं, खुरियाखत्ता में नुक्कड़ सभाएं और रोड शो किया। इस दौरान जसपुर में विधायक आदेश चौहान ने कहा कि जसपुर की जनता का कहना है कि संसद में प्रकाश और विधानसभा में आदेश यही हमारी पहचान होगी। मनोज जोशी ने कहा कि नारायण दत्त तिवारी की कर्मभूमि में इस बार उम्मीदों का प्रकाश अवश्य फैलेगा। लोगों का विश्वास जीतेगा काशीपुर से कांग्रेस जीतेगी। हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि कांग्रेस के जनसंपर्क और सभाओं में जनता का उत्साह बता रहा है कि इस बार चुनाव की बागडोर जनता ने अपने हाथों में ली है। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल, संदीप सहगल, अनुपम शर्मा, मुसर्रफ हुसैन मौजूद रहे। इधर, प्रकाश जोशी ने कांग्रेस कुमाऊं मीडिया प्रभारी नीरज तिवारी के निवास पर भी जनसभा को संबोधित किया। यहां नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य व पूर्व विधायक संजीव आर्य भी मौजूद रहे।

चुनाव प्रचार के दौरान लोगों को संबोधित करते प्रकाश जोशी। ● अमृत विचार

उपपा प्रत्याशी के वाहनों को प्रचार की अनुमति दी जाए

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : हाईकोर्ट ने अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ संसदीय सीट के निर्वाचन अधिकारी/ अल्मोड़ा डीएम को उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी की प्रत्याशी किरन आर्य के आय-व्यय का ब्योरा सही होने पर वाहनों को प्रचार की अनुमति देने के निर्देश दिए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव का खर्च नहीं देने पर उपपा की प्रत्याशी किरन आर्या के प्रचार वाहनों के संचालन पर रोक लगा दी थी। इस आदेश को किरन आर्य ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिका की सुनवाई करते हुए वरिष्ठ न्यायधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की पीठ में हुई। किरन आर्य ने अपनी याचिका में कहा है कि वह अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ संसदीय सीट से एकमात्र महिला प्रत्याशी हैं और वह दूरस्थ क्षेत्रों में प्रचार में व्यस्त थी। चुनाव आयोग की ओर से आय-व्यय का ब्योरा देने के नोटिस देने के जवाब में वे 12 व 13 अप्रैल को निर्वाचन कार्यालय गई। साथ ही उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखंड को भी प्रत्यावेदन दिया। लेकिन निर्वाचन अधिकारी ने सभी प्रचार वाहनों पर रोक लगाते हुए उनके वाहनों को प्रचार की अनुमति नहीं दी है। जबकि एक अन्य प्रत्याशी को इसी तरह के दिए नोटिस में कोई कार्यवाही नहीं की गई, जो कि पक्षपातपूर्ण है।

प्रत्येक संसदीय सीट जीतेगी भाजपा: शर्मा

हल्द्वानी : भाजपा नेता महेश शर्मा ने मंगलवार को खुशालपुर निगल्टिया, नई आबादी, बसानी, भगवानपुर, कमलुवागांजा गौड़, हिम्मतपुर तल्ला आदि क्षेत्रों में भ्रमण कर नुक्कड़ सभाएं कीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आधे से अधिक क्षेत्रों में बूथों पर कार्यकर्ता नहीं मिलेंगे। जब कांग्रेस ने राम मंदिर उद्घाटन में शामिल नहीं होने का फैसला किया तब ही उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देने का मन बना लिया था। वहीं, एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सिर्फ देश नहीं दुनिया भर में मान्यता मिल रही है। इस बार भाजपा 400 पार के साथ सरकार बनाएगी और प्रदेश की हर संसदीय सीट पांच लाख वोटों के अंतर से जीतेगी। इस दौरान बसानी के पूर्व प्रधान शंकरलाल, चंदन बिष्ट मौजूद रहे।

अंतिम दिन : भाजपा-कांग्रेस की स्टार वार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव-2024 के लिए प्रचार के अंतिम दिन भाजपा व कांग्रेस की स्टार वार होगी। एक ओर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तो दूसरी तरफ राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट आमने-सामने होंगे।

लोकसभा चुनाव के लिए आज शाम पांच बजे प्रचार थम जाएगा। अंतिम दिन में अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए भाजपा व कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा ने कांग्रेस से यह सीट छीनी है। इस किले को बचाने के लिए पूरी शक्ति लगा दी है। बीती 2 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 13 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभा हुई। अंतिम दिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रोड शो करेंगे। प्रदेश सह मीडिया प्रभारी चंदन बिष्ट ने बताया कि सीएम धामी का रोड शो आज दोपहर 2 बजे कालाढूंगी रोड स्थित पशु अस्पताल से होते हुए दीनदयाल पार्क तिकोनिया चौराहा पहुंचेगा। इधर, कांग्रेस ने अपनी परंपरागत सीट को हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगा दी है। बीती 13 अप्रैल को कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने रामनगर में जनसभा की नैनीताल, अल्मोड़ा और गढ़वाल संसदीय सीट के मतदाताओं को साधने की कोशिश की थी। अब अंतिम दिन रामलीला मैदान में स्टार चेहरे राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की चुनावी जनसभा आयोजित की है। केंद्रीय व स्थानीय मुद्दों के जरिए पायलट भाजपा को घेरेंगे और भाजपा के गढ़ में सेंधमारी करने का प्रयास करेंगे। जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल ने बताया कि सचिन पायलट की रामलीला मैदान में दोपहर एक बजे से जनसभा होगी।

कांग्रेस को नहीं मिल पाया एमबी इंटर कॉलेज मैदान

हल्द्वानी, अमृत विचार : कांग्रेस ने सचिन पायलट की जनसभा के लिए रामलीला मैदान चुना है। हालांकि कांग्रेस का कहना है कि पहले एमबी इंटर कॉलेज का मैदान मांगा था लेकिन यह नहीं दिया गया। इससे पूर्व राहुल गांधी की जनसभा 9 अप्रैल को भी इसी मैदान में कराने की तैयारी थी लेकिन योगी आदित्यनाथ की जनसभा के लिए पहले से बुकिंग की सूचना दी गई। जबकि योगी आदित्यनाथ 13 अप्रैल को हल्द्वानी में आए। इसके बाद 17 अप्रैल को सचिन पायलट की जनसभा के लिए जब यह मैदान मांगा गया तो भी नहीं दिया गया है। इस बार प्रशासन ने निर्वाचन के कामकाज का हवाला दिया। उल्लेखनीय है कि इस मैदान में पीएम नरेंद्र मोदी, बसपा प्रमुख मायावती जैसे नेता जनसभा कर चुके हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल ने बताया कि इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है।

लापरवाही | जिले में गति नहीं पकड़ सका चुनाव प्रचार, गांवों में कई लोगों को मतदान तिथि का पता तक नहीं

शोर-शराबे और बैनर-पोस्टरों से दूर रहा चुनाव प्रचार

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव प्रचार का आज अंतिम दिन है। इस बार खास बात यह रही कि यह चुनाव बैज, बिल्ले व बैनरों से दूर रहा। कई गांवों में प्रत्याशी तो दूर उनके समर्थक तक नहीं पहुंचे। बुधवार शाम को चुनाव प्रचार थम जाएगा। लेकिन हकीकत यह है कि यहां इस बार प्रचार गति ही नहीं पकड़ पाया।

सड़क मार्ग में भी मात्र दो दलों के कुछ वाहन प्रचार करते देखे जा रहे हैं। गांवों का हाल यह है कि कुछ लोगों को पता ही नहीं है कि चुनाव सामने हैं। प्रचार की बात करें तो गांवों समेत नगर में बैनर, झंडे गायब हैं इक्का दुक्का नेता ही बैज व बिल्लों का प्रयोग करते देखे जा रहे हैं। नुक्कड़ सभाएं भी नहीं के बराबर हो रही हैं। कई ग्रामीणों को मतदान तिथि का तक पता नहीं है। गांव घरों के बुजुर्ग कहते देखे जा रहे हैं कि 25-30 साल पहले भी चुनाव प्रचार पहले ऐसा ही होता था। पिछले 20 - 25 सालों से ही चुनावों में शराब व पैसों का प्रचलन होने लगा। उनका कहना है कि बीस-तीस साल पहले कोई प्रत्याशी अथवा समर्थक किसी पर भी वोट के लिए दबाव नहीं बनाता था।

भाजपा- कांग्रेस के अलावा अन्य का प्रचार नहीं

चुनाव प्रचार में गांवों व शहर में जो संपर्क चल रहा है उसमें भाजपा व कांग्रेस के समर्थक ही दिख रहे हैं। अन्य प्रत्याशियों के समर्थक भी मैदान में नहीं दिख रहे हैं। मतदाताओं को जब इन दलों के समर्थक ईवीएम नमूना पेपर दिखा रहे हैं तो तब कई मतदाताओं को पता चल रहा है कि मैदान में सात प्रत्याशी मैदान में हैं।

भाजपा ने की दो बड़ी जनसभा, अन्य नुक्कड़ सभा तक सिमटे

जनपद में इस बार चुनाव में भाजपा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की दो जनसभाएं आयोजित कीं जबकि कांग्रेस समेत अन्य दल नुक्कड़ सभाओं तक सीमित रहे। कांग्रेस ने भी कुछ ही स्थानों में नुक्कड़ सभाएं आयोजित की। जबकि भाजपा ने मुख्यमंत्री धामी की दुग नाकुरी व गरूड़ में जनसभाएं कीं।

"21 साल की उम्र से मतदान करते आई हूं। पहले भी मतदान से पूर्व कोई हो हल्ला नहीं होता था। यदि कोई नेता आता था तो कई किमी दूर चलकर ग्रामीण उससे मिलने व सुनने जाते थे। प्रचार के तरीके में पिछले 20-30 साल में काफी बदलाव आया तथा प्रचार के नाम पर पैसा बहाया जाने लगा। इस बार का चुनाव प्रचार काफी शांत है। इस बार तीस साल पुराने चुनावों की याद ताजा हो गई।- **नंदी नगरकोटी 86 वर्ष**, पूर्व प्रधानाचार्या

चुनाव के लिए कसी कमर, जिले में लागू हुई धारा 144

तीन दिन बंद रहेंगी शराब की दुकानें, डीएम ने अधीनस्थों के साथ की बैठक, माइक्रो आब्जर्वर अपनी-अपनी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : लोकसभा सामान्य निर्वाचन का प्रचार समाप्त होने और मतदान तिथि नजदीक आते ही जिलाधिकारी ने नेपाल सीमा को सील करने और जिले में धारा 144 लागू करने का आदेश दे दिया है। अधीनस्थों के साथ बैठक कर जिला निर्वाचन अधिकारी ने कई बिंदुओं पर आदेश जारी कर कड़ाई से पालन कराने का आदेश दिया।

मंगलवार को मंडी सचिव कार्यालय में हुई बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी उदयराज सिंह ने भारत निर्वाचन आयोग की जारी एसओपी का जानकारी दी। उन्होंने आदेश दिया कि मंगलवार की शाम छह बजे तक प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार थम जाएगा और उसके तत्काल बाद 19 अप्रैल मतदान प्रक्रिया समाप्त होने तक अंतरराष्ट्रीय नेपाल राष्ट्र की सीमा को सील कर दिया जाएं गा। इसके अलावा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए जिले में धारा 144 प्रभावी हो जानी चाहिए। निर्वाचन के सफल संचालन के लिए तैनात किए गए माइक्रो आब्जर्वर मतदान के 72 घंटे पहले अपनी अपनी तैनाती स्थल में तैनात रहेंगे और एसएसटी, एसएसटी, वीएसटी एवं वीडियो निगरानी टीमों के साथ हर गतिविधि की गहनता से निगरानी करेंगे। कहा कि निर्वाचन के तहत 17 अप्रैल की शाम छह बजे से 19 अप्रैल तक जिले की सभी शराब की दुकानें पूर्णतया बंद रहेगी। मतदान के 48 घंटे पहले सीआरपीसी की धारा 144 लागू हो जाएंगी। जनसभाओं पर पूर्णत या प्रतिबंध रहेगा। वहीं मतदान पार्टियां समय पर मुख्यालय से रवाना होगी और सेक्टर,जोनल मजिस्ट्रेट का दायित्व निभाएंगी। एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने बताया कि नेपाल सीमा सील होने के साथ जिले के सभी बॉर्डर 48 घंटे पहले पैरामिलिट्री की निगरानी में होगी और सीसीटीवी कैमरों के अलावा आने जाने वाले वाहनों की गहनता से जांच की जाएं। इस मौके पर नोडल कार्मिक मनीष कुमार,उप जिला निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार जोशी, अपर जिलाधिकारी नजूल पंकज उपाध्याय, सीएमओ डॉ मनोज शर्मा, एसपी क्राइम चंद्रशेखर घोडके, सीओ निहारिका तोमर,एआरटीओ निखिल, आईटीवीपी के अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

रुद्रपुर में अधीनस्थों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी उदयराज सिंह। ● अमृत विचार

खटीमा की सत्रहमील चौकी पर वाहनों की चेकिंग करती पुलिस टीम।

मतदान प्रक्रिया पर रहेगी चुनाव आयोग की नजर

रुद्रपुर : जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश पर बगवाड़ा मंडी में वेबकास्टिंग कार्मिकों को मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान उन्होंने बताया कि 50 फीसदी बूथों में वेबकास्टिंग होनी है। इसलिए सभी वेबकास्टिंग कार्मिक, वेबकास्टिंग कैमरा लगाकर उसके संचालित कर दे और संचालन को बेहतर ढंग से सीख ले। बताया कि संचालन में किसी भी प्रकार की दिक्कत आने पर उसका निदान पहले करवा ले। ताकि मतदान की गोपनीयता बनी रहे। उन्होंने बताया कि वेबकास्टिंग कैमरे बूथों पर स्थापित कर ड्राईरन किया जायेगा,क्योंकि वेबकास्टिंग के माध्यम से मतदान की पूरी प्रक्रिया पर चुनाव आयोग की सीधी नजर रहेगी और आयोग इसी प्रक्रिया के माध्यम से मतदान की मॉनिटरिंग भी करेगा।

व्यय पर्यवेक्षक ने किया नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण

रुद्रपुर : मंगलवार को व्यय पर्यवेक्षक टी शंकर द्वारा पुलिस नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया गया। व्यय पर्यवेक्षक द्वारा अंतरराज्यीय तथा अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की निगरानी का निरीक्षण सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से करने का आदेश दि या। उन्होंने सभी टीमों के कार्यों को संतोषजनक बताते हुए कहा कि 19 अप्रैल को टीमें बेहद सजग रहे और 72 घंटों तक सीसीटी वी कैमरों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था पर अपनी निगरानी करते रहेगे। कहा कि नियंत्रण कक्ष लोकसभा चुनाव की दृष्टि से बे हद जरूरी है,क्योंकि पूरे जिले को नियंत्रण कक्ष से बैठकर निगरानी की जा सकती है। ऐसे में कोई भी सूचना या फिर संदिग्ध की फुटेज आती है। तो उसको तत्काल आला अधिकारियों को अवगत कराकर प्रसारित करें।

खटीमा में पुलिस प्रशासन ने वाहनों की चेकिंग की

खटीमा : लोकसभा चुनाव के मतदान की तिथि नजदीक आते ही पुलिस प्रशासन की चौकसी बढ़ती जा रही है। भारत नेपाल सीमा और उत्तर प्रदेश लगी सीमा पार से आने जाने वाले वाहनों की सघन जांच पड़ताल की जा रही है। भारत नेपाल सीमा पर चुनाव आयोग द्वारा गठित टीम के साथ ही सशस्त्र सीमा बल, पुलिस प्रशासन सीमा की ओर से आने वालों के साथ ही उत्तर प्रदेश के पूरनपुर क्षेत्र से आने वाले वाहनों की सघन जांच पड़ताल की जा रही है।

नानकमत्ता गुरुद्वारे के प्रधान ने दिया इस्तीफा

संवादाता, नानकमत्ता

अमृत विचार: गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब की प्रबंधक कमेटी के निर्वाचित प्रधान हरबंश सिंह चुघ ने अपना इस्तीफा मुख्य जत्थेदार श्री अकाल तख्त साहिब अमृतसर पंजाब और उपरजिस्ट्रार सोसाइटी फर्म तथा चिट्स फंड ऊधमसिंह नगर को भेज दिया है।

हरबंश सिंह चुघ।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान हरबंश सिंह चुघ ने कहा कि मुझे गुरुद्वारा साहिब में सेवा करने के लिए निदेशकों ने प्रधान पद का भार सौंपा था। मैं निस्वार्थ सेवा कर रहा था। लेकिन गत 28 मार्च को डेरे के प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या में बगैर साक्ष्य के षड्यंत्र के तहत मुझे नामजद किए जाने से आहत हूं। मालूम हो कि मार्च 2022 में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव में सर्वसम्मति से डेरा कार सेवा के प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की सिफारिश पर गुरुद्वारे का प्रधान रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी हरबंश सिंह चुघ को बनाया गया था।

बाजपुर में कांग्रेस प्रत्याशी के लिए वोट मांगते निवर्तमान पालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते।

निवर्तमान पालिकाध्यक्ष ने कांग्रेस प्रत्याशी के लिए मांगे वोट

बाजपुर : लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी के लिए निवर्तमान पालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह 'गित्ते 'ने अपनी टीम के साथ व्यापारियों से जनसंपर्क कर वोट मांगे। इस मौके पर कांग्रेस नगराध्यक्ष सत्यवान गर्ग, सिंह स्वरूप भारती, रामअवतार यादव, महेश कुमार आशु, नत्था सिंह धवन, निसार अहमद, मनोहर यादव, नंदलाल यादव, तिलक राठौर, सावेज अली, मो . आासिफ, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

खटीमा में भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील करते कार्यकर्ता।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया चुनाव प्रचार

खटीमा : भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने रोडवेज बस अड्डा गली, पोस्ट ऑफिस वाली गली, बाल्मीकि बस्ती, सब्जी मंडी, आश्रम पद्धति के पीछे मुस्लिम बस्ती में घर-घर जाकर अजय भट्ट के लिए जनसमर्थन मांगा। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र जोशी, नगर अध्यक्ष जीवन धामी, नगर महामंत्री मनोज वाधवा, राशिद मिर्जा, कामिल खान, हाफिजुर रहमान,राहुल सक्सेना, जीशान अहमद, सरफराज हुसैन, भवानी भंडारी, तारिक मलिक, रोहित वर्मा, संदीप भारती, रवि सक्सेना, जावेद राजा, जाहिद कुरेशी, राजु कुरैशी उपस्थित थे।

सार संक्षेप

जसपुर में गेहूं के खेत में लगी आग बुझाते दमकल कर्मी।

गेहूं के खेत में लगी आग

जसपुर : गेहूं के खेत में पड़े नाल में आग लगने से अफरातफरी मच गई । फायर ब्रिगेड ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। मंगलवार शाम करीब 5 बजे समीपवर्ती गांव मंडुवा खेड़ा निवासी सुभाष सिंह के खेत में पड़े गेहूं के नाल में आग लग गई। सूचना मिलने पर अग्निशमन अधिकारी श्याम बहादुर थापा के निर्देशन में अग्निशमन दस्ता तत्काल मौके पर पहुंचा। फायर ब्रिगेड की यूनिट ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। आग लगने से खेत मालिक का काफी नुकसान हो गया। घटनास्थल पर पहुंची फायर यूनिट में रमेश चन्द्र, चालक गोपाल प्रसाद ,जीवन चन्द्र, विशु कुमार, सागर सिंह शामिल रहे।

शुक्ला अपना मानसिक संतुलन खो बैठे : बेहड़

गदरपुर में प्रेस वार्ता करते डीबीसी के पूर्व अध्यक्ष सुभाष बेहड़ एवं अन्य।

गदरपुर : पूर्व विधायक राजेश शुक्ला द्वारा रुद्रपुर विधायक तिलकराज बेहड़ पर अनर्गल बयान देने पर कांग्रेस नेताओं ने उनकी जमकर निंदा की। उनका कहना था कि शुक्ला अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। मंगलवार को नगर के एक प्रतिष्ठान पर डीसीबी के पूर्व अध्यक्ष सुभाष बेहड़ ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किच्छा की सभा में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने विधायक तिलकराज बेहड़ पर आंखों में मोतियाबिंद और दिमाग खराब होने के आरोप लगाए। सुभाष बेहड़ ने कहा कि पूर्व विधायक अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। तभी इस तरह की बातें कर रहे हैं। पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन ने कहा शुक्ला सभी मर्यादाएं पार कर गए हैं। इस दौरान यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर, नगर कार्यवाहक अध्यक्ष सिद्धार्थ अरोरा, भीम ठुकराल सिद्धार्थ आदि मौजूद थे।

बगवाडा स्ट्रांग रूम का निरीक्षण करते डीएम और एसएसपी। ● अमृत विचार

मतदान की तिथि नजदीक आते ही प्रशासन सतर्क

रुद्रपुर : लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की मतदान तिथि नजदीक आते ही पुलिस एवं जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। इसको लेकर डीएम और एसएसपी ने अचानक बगवाड़ा स्थित स्ट्रांग रूम को औचक निरीक्षण किया। वहीं अधीनस्थों को सजग रहने का आदेश दिया। मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी उदयराज सिंह और एसएसपी मंजूनाथ टीसी आलाधिकारियों के साथ अचानक बगवाड़ा स्थित स्ट्रांग रूम पहुंचे। जहां उन्होंने मौका मुआयना कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। आदेशित किया कि स्ट्रांग रूम में किसी भी बाहरी व्यक्ति की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी, आसपास के इलाकों को सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी की जाए। स्ट्रांग रूम की पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा अर्धसैनिक बल, पीएसी व सशस्त्र पुलिस बल के अलावा स्थानीय पुलिस के हवाले किया जाए। इसके अलावा मतगणना स्थल, स्ट्रांग रूम के चारों ओर बैरिकेडिंग की जाएं।

महाविद्यालय में मतदान की शपथ लेते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

मतदान के लिए किया जागरूक

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में शतप्रतिशत मतदान को लेकर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया।

मंगलवार को राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय काशीपुर में छात्र छात्राओं को मतदान के लिए प्रेरित कर युवा मतदाताओं के संकल्प पत्र भरवाकर शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. सुभाष चंद्र कुशवाहा, स्वीप नोडल अधिकारी प्रो. आदित्य प्रकाश सिंह ने छात्र छात्राओं को सामान्य लोकसभा चुनाव में भागीदारी अवश्य करने के प्रति प्रोत्साहित व जागरूक किया। सहायक स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. रेनू राधा ने वोटर आईडी बनाने के लिए फॉर्म 6,7 8 भरने की संपूर्ण जानकरी दी।

कांग्रेस नेता पपनेजा भाजपा में शामिल

संवाददाता, किच्छा/सितारगंज

अमृत विचार : कांग्रेसी नेता सुरेश पपनेजा ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट द्वारा किच्छा के ग्राम बरा में निकाले गए रोड शो के दौरान पपनेजा ने भाजपा की सदस्यता ली।

भट्ट ने फूल मालाएं पहनाकर पपनेजा का पार्टी में स्वागत किया। भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट के साथ उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सैकड़ों समर्थकों के साथ रोड शो के माध्यम से जनता से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। केंद्रीय मंत्री भट्ट ने किसान नेता पपनेजा के निवास पर पहुंचकर उनकी माता राजरानी पपनेजा का हाल-चाल जाना और आशीर्वाद लिया। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष उमेश मिश्रा, डॉ. रतनलाल गंगवार, मनमोहन सिंह, चंपक सिंह, अमरीक सिंह, महेंद्र सिंह फौजी, सेवाराम आदि मौजूद रहे। सितारगंज में निकले रोड शो में भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट का भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत किया। सांसद प्रत्याशी अजय भट्ट एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा समेत कार्यकर्ताओं ने कुंवरपुर सिसैया में अपना जनसंपर्क अभियान आरंभ किया।

किच्छा में भट्ट का अभिनंदन करते किसान नेता सुरेश पपनेजा एवं उनकी माता राजरानी पपनेजा।

दैनिक समाचार पत्र

कम खर्च, ज्यादा मुनाफा

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

आवश्यकता, सूचना, नाम परिवर्तन, खोया-पाया, संबंध विच्छेद, शिक्षा, मेडिकल, टावर, व्यापार, बिक्री, प्रोपर्टी, लोन, बिकाऊ, ज्योतिष, टूर एण्ड ट्रैवल्स, मशीनरी के क्लासीफाइड बुक कराने हेतु सम्पर्क करें।

साइज व रेट

साइज	4x5 सेमी	600/- रु.
साइज	4x6 सेमी	720/- रु.
साइज	4x7 सेमी	840/- रु.

स्कीम - 2+1, 5+3, 9+6, 15+15

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-

मो. 8077909468, 9837058539, 8954474523

नैनीताल : 6397067668, 8171371321, अल्मोड़ा : 9412962333

रूद्रपुर : 8476843488 काशीपुर : 8279474121, रामनगर : 9012387222

किच्छा : 9837777817, खटीमा : 7500981690

197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड (बालाजी हॉस्पिटल के ठीक सामने)

लिटिल किंगडम प्रीपेटरी स्कूल में मनाई रामनवमी

लिटिल किंगडम स्कूल में रामनवमी पर कार्यक्रम की प्रस्तुति देते बच्चे। ● अमृत विचार

रुद्रपुर। लिटिल किंगडम प्रीपेटरी स्कूल में रामनवमी कार्यक्रम मनाया गया। इसका शुभारंभ वरिष्ठ प्रशासक परविंदर पुरी, प्रधानाचार्य चरनजीत कौर व उप प्रधानाचार्य सिमरन पुरी ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इसके बाद स्कूल में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

प्रधानाचार्य चरनजीत कौर ने बताया कि कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा दो तक के विद्यार्थियों ने नौ देवियों के रूप और प्रभु राम की लीलाओं की प्रस्तुति दी। कक्षा तीन के छात्र कार्तिक जोशी और काव्यांश भोज ने रामनवमी पर अपने विचार रखे। कक्षा पांच के छात्र ऋषभ पोखरियाल द्वारा भाषण और पीहू भारद्वाज द्वारा रामचंद्र का सुंदर भजन प्रस्तुत किया।

मित्रता में अमीरी और गरीबी का अंतर नहीं होना चाहिए

लालकुआं : मोतीनगर के ग्राम हाथीखाल नवज्योति नगर में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवे दिन कृष्ण सुदामा चरित्र का सुंदर वृतांत सुनाया गया। इस मौके पर लगाई गई कृष्ण और सुदामा की सुंदर झांकी ने क्षेत्रवासियों को भाव विभोर कर दिया। कथा व्यास आचार्य बसंत बल्लभ पांडे ने श्रद्धालुओं को संबोधित कर कहा कि विश्व में जब भी मित्रता की बात आती है तो कृष्णा सुदामा की मित्रता का उदाहरण दिया जाता है। उन्होंने कहा कि मित्रता में अमीरी और गरीबी का अंतर नहीं होना चाहिए यही संदेश द्वारकाधीश श्रीकृष्ण ने गरीब सुदामा के साथ बचपन के मित्र होने पर न केवल इतना सम्मान दिया, बल्कि अमूल्य दौलत एवं वैभव भी भेंट कर दिया। कथा के दौरान सुंदर झांकियों में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की झांकियां सर्वाधिक सराही गईं। कथा के दौरान कृष्ण सुदामा का प्रसंग सुनकर श्रोताओं की आंखें भर आयी। लगभग 4 घंटे चली कथा के बाद देर शाम महाआरती और प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान हेमंत पांडे और पूजा पांडे, हरीश भट्ट, प्रकाश नागिला, गणेश दत्त पांडे, सुरेश जोशी, जगदीश चंदोला, विनोद पांडे, ललित पांडे, राजू चंदोला, एकता पांडे, गुड़िया नागिला, रेखा चंदोला, कमला भट्ट, हेम पांडे, हेमंती देवी, प्रकाश पांडे आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

हाथीखाल में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु।

संजय वन में पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव

पंतनगर: रुद्रपुर-हल्द्वानी मार्ग पर संजय वन के अंदर एक अधेड़ का शव पेड़ से लटकता पाया गया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए रुद्रपुर भेज दिया। बाद में अधेड़ की शिनाख्त और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मंगलवार को जंगल में मवेशी चराने गए खत्ता वासियों ने घने जंगल के अंदर एक पेड़ की टहनी पर अधेड़ को दुपट्टे से लटका पाया। उन्होंने इसकी सूचना फारेस्ट गार्ड मनीष राणा को दी। मनीष ने पुलिस को मामले की सूचना दी, जिसके बाद एसआई पीआर विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को पेड़ से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए रुद्रपुर भेज दिया। तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों की शिनाख्त में अधेड़ की पहचान सुशील पाल (35) पुत्र तपन पाल निवासी आदर्श बंगाली कालोनी रूद्रपुर के रूप में हुई। एसएचओ पंतनगर आरएस डांगी ने बताया कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला लग रहा है। शव बुरी तरह सड़ चुका था, जिससे प्रतीत हो रहा है कि अधेड़ की मौत लगभग एक सप्ताह पूर्व हो चुकी थी। बताया कि अधेड़ के परिजनों ने रुद्रपुर कोतवाली में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी लिखवाई थी।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

लखनऊ, बरेली,मुरादाबाद, हल्द्वानी,अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

कुमाऊं संस्करण

स्मृतियाँ शेष

निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि

पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी

अमृत विचार

साइज व रेट

साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज --------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज --------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।

शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-

हल्द्वानी : 8077909468, 8954474523, नैनीताल : 8171371321
अल्मोड़ा : 9412962333, रुद्रपुर : 8476843488
काशीपुर : 8279474121, खटीमा : 7500981690

197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड (बालाजी हॉस्पिटल के ठीक सामने)

रुद्रपुर में मां अटरिया का डोला लेकर जाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

रुद्रपुर में कलाकारों के साथ झूमते लोग। ● अमृत विचार

चैती मंदिर में मां बाल सुंदरी देवी के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

पहले दिन सैकड़ों लोगों ने देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की और मत्था टेक कर मन्नतें मांगीं, 22 अप्रैल को वापस जाएगा मां का डोला

आस्था

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: चैती मंदिर में मां बाल सुंदरी देवी का डोला पहुंचते ही माहौल भक्तिमय हो गया है। श्रद्धालु दूरदराज से देवी के दर्शन को पहुंचने लगे हैं। इससे मंदिर में भक्तों की भीड़ बढ़ गई है।

सोमवार की अर्धरात्रि मां बाल सुंदरी देवी का डोला पंडा आवास से चैती मंदिर में सैकड़ों श्रद्धालु लेकर गए। लोग देवी के विराजमान होते ही दर्शन में उमड़ पड़े। मंदिर के मुख्य पंडा विकास अग्निहोत्री ने बताया कि देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की बेहतर सुविधा की गई है। उन्होंने बताया कि नगर मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद मां के डोले को अर्धरात्रि पारंपरिक मार्ग होते हुए मंदिर में लाया गया है। बताया कि देवी से लोगों की अटूट आस्था है। पहले दिन सैकड़ों लोगों ने देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की और माथा टेक कर मन्नतें मांगी। बताया कि 22 अप्रैल की अर्धरात्रि देवी का डोला नगर मंदिर में लाया जाएगा। मेला पांच मई तक चलेगा।

आज शाम से पहुंचने लगेंगे बुक्सा समाज के लोग: चैती मंदिर में बुक्सा समाज के सैकड़ों लोग बुधवार की शाम से पहुंचने लगेंगे। मंदिर के मुख्य पंडा विकास अग्निहोत्री ने बताया कि बुक्शा समाज के लोग मां बाल सुंदरी देवी को कुलदेवी मानते हैं।

काशीपुर में अर्धरात्रि मां बाल सुंदरी देवी के डोले को ले जाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

औरंगजेब ने कराया था देवी के मंदिर का जीर्णोद्धार

काशीपुर: बताया जाता है कि औरंगजेब की पुत्री जैबुलनिशा मख्फी बहुत बीमार थी। उन्हें देखने बड़े-बड़े हकीम, वैद्य आए थे। पंडा परिवार के एक पूर्वज जिन्हें वैद्य का भी ज्ञान था। उन्होंने संदेश भिजवाया कि औरंगजेब की पुत्री को वह देखना चाहते हैं। उपचार से वह ठीक हो गई। औरंगजेब के कहने पर पंडा परिवार ने मां बाल सुंदरी देवी की पूजा अर्चना करने की अनुमति मांगी। तब औरंगजेब ने स्वयं भी मां के दर पर शीश नवाकर मंदिर का जीर्णोद्धार कराया।

चैती मेले के लिए बसों में उमड़ रही भीड़

जसपुर: काशीपुर का ऐतिहासिक चैती मेला इस समय चरम पर है। चैती मेले में दर्शकों की काफी भीड़ उमड़ रही है। इसके चलते रोडवेज व प्राइवेट बसों में सीट को लेकर मारामारी हो रही है।

काशीपुर में अष्टमी पर कन्या पूजन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अष्टमी पर कन्या पूजन किया गया

काशीपुर: शहर में मां मंशा देवी मंदिर, मां चामुंडा देवी मंदिर,गायत्री देवी मंदिर,गिरीताल मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में भक्त सुबह से ही पूजा अर्चना और मां महागौरी की पूजा अर्चना के साथ ही कन्याओं का पूजन कर उद्यापन किया गया। कन्याओं को प्रसाद स्वरूप भोजन कराया। उन्हें उपहार भी दिए।

रुद्रपुर में डोला शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

रुद्रपुर में निकला मां अटरिया का डोला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : नवरात्रि की अष्टमी के मौके पर माता के जयकारों के बीच मां अटरिया का डोला प्राचीन अटरिया मंदिर पहुंचा। डोला यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और कड़ी सुरक्षा के बीच मां अटरिया के डोले को मंदिर में स्थापित किया गया। इसके दर्शन को श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

मंगलवार को प्राचीन अटरिया मंदिर की महंत माता पुष्पा देवी और प्रबंधक अरविंद शर्मा की मौजूदगी में सुबह 11 बजे रंपुरा बस्ती स्थित मां अटरिया के स्थापित स्थान की पूजा अर्चना की गई। मंत्रोच्चारण के साथ ढोल नगाड़ों से मां अटरिया की डोला यात्रा प्रारंभ हुई। सबसे आगे देवी-देवताओं के स्वरूप की सुंदर झांकियां चल रही थीं और उसके पीछे कहार के कंधों पर मां अटरिया का डोला चल रहा था। उसके पीछे बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां अटरिया की जय-जयकार कर रहे थे। डोला यात्रा रंपुरा बस्ती से इंदिरा चौक, नैनीताल हाईवे, डीडी चौक से होते हुए जगतपुरा अटरिया मार्ग से होते हुए प्राचीन अटरिया मंदिर पहुंचा। जहां देवी के डोले के दर्शन करने को श्रद्धालुओं का पहले से जमावड़ा लगा हुआ था। देवी की प्रतिमा को विधि विधान के साथ मंदिर में स्थापित किया गया। इसके बाद नवमी को अटरिया मेले की शुरुआत भी हो जाएगी। मान्यता है कि मां अटारिया रंपुरा स्थित अपने ससुराल से जगतपुरा स्थित अटरिया मंदिर अपने मायके हर साल नवरात्रि की अष्टमी पर आती हैं। तभी से अष्टमी के मौके पर डोला यात्रा निकाले जाने की परंपरा का जन्म हुआ। इस मौके पर पंकज गौड़, मनीष शर्मा, दीपा शर्मा, सौरभ शर्मा, सुनीता गौड़, चौधरी धनराज सिंह, अशोक यादव, मोहन यादव, राजू कोली, राजू गुप्ता, द्रोपा देवी, देवकी देवी आदि मौजूद रहे।

उत्साह

- रंपुरा बस्ती से निकला डोला पहुंचाया गया जगतपुरा
- डोला यात्रा के दौरान किए गए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

आराधना

बाजपुर में स्थित पार्क में स्थापित मां काली की प्रतिमा की पूजा करते श्रद्धालु।

मां काली की पूजा-अर्चना की

बाजपुर: क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने श्मशान भूमि के पार्क में स्थापित मां काली की विशालकाय प्रतिमा पर वस्त्र पहनाए। इस दौरान माता रानी से क्षेत्र व घर-परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की गई। बताया गया कि नवरात्रों में माता-रानी के वस्त्रों को बदला जाता है एवं मां काली के साथ ही पार्क में स्थापित भगवान शंकर की प्रतिमा की साफ-सफाई व रंगाई-पुताई करवाई जाती है। इस मौके पर महंत रामौतार, अनिल शर्मा, जयशंकर सागर, विमल शर्मा, भारत, विनोद कुमार, संजय रूहेला, अमित, विष्णु, अभिषेक सागर, पारस शर्मा, वंशु, हरिओम, निशा, दीप्ति आदि मौजूद रहे।

गदरपुर में कन्याओं का पूजन करता परिवार। ● अमृत विचार

गदरपुर, बाजपुर में किया गया कन्या पूजन

गदरपुर: नवरात्र की अष्टमी पर घर-घर कन्या पूजन हुआ। श्रद्धालुओं ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर कन्याओं को प्रसाद खिलाया। वहीं मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ी रही। भारत विकास परिषद के नगर अध्यक्ष रविंद्र बजाज के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सरस्वती शिशु मंदिर में कन्याओं को कन्याओं को फल और उपहार दिए। इस मौके पर नगर महामंत्री प्रमोद बजाज, विनोद चुघ मौजूद थे।

बाजपुर: नवरात्र की अष्टमी पर श्रद्धालुओं ने मां भगवती की पूजा-अर्चना की तथा कन्याओं को भोजन कराया। वहीं मुख्यमार्ग स्थित प्राचीन शिव मंदिर, रामराज रोड स्थित तीन मंदिर, शापिंग कांप्लेक्स स्थित शनिदेव मंदिर, चीनी मिल स्थित शिव मंदिर, मंडी परिसर स्थित मां दुर्गा-हनुमान-साईं मंदिर में श्रद्धालुओं की सुबह से ही खासी भीड़ जुटी रही।

दिनेशपुर में श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर हवन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने आहुति दी

दिनेशपुर: चैत्र नवरात्रि पर दुर्गा मंदिर चक्कीमोड़ में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर आचार्य ललित द्विवेदी ने हवन कराया। मंगलवार को दुर्गा मंदिर चक्कीमोड़ में व्यास आचार्य किशोर जोशी के सानिध्य में हुए श्रीमद् भागवत कथा का विधिवत समापन हुआ। यज्ञ आचार्य ललित द्विवेदी ने श्रद्धालुओं से हवन यज्ञ कराया। यज्ञ संपन्न होने पर विशाल भंडारा हुआ। अनुष्ठान में आचार्य संजय तिवारी व विपिन जोशी, मुख्य यजमान सचिन राणा व नीमा राणा, प्रकाश कोश्यारी, प्रेम सिंह कोरंगा, राजेंद्र सिंह मेहरा, श्याम सिंह देऊपा, केदार सिंह कोश्यारी, नारायण सिंह मेहरा, धन सिंह नयाल, दीपक सिंह बिष्ट, हुकम सिंह राणा मौजूद रहे।

चैती में धूल का गुबार, लोग परेशान

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार : ऐतिहासिक चैती मेला पूरे शबाब पर पहुंच गया है। लोग खरीदारी से लेकर झूले झुलने के लिए खूब आ रहे हैं। बावजूद इसके आवाजाही वाले मार्गों पर पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है। धूल उड़ने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चैती मेले में विभिन्न प्रकार के सामान, ढोलक बाजार, सिलबट्टा बाजार आदि के लिए मार्ग बनाए गए हैं। मेले में शाम होते ही भीड़ उमड़ रही है। बनाए गए मार्गों पर आवाजाही बढ़ते ही धूल उड़ना शुरू हो जाती है। दुकानदारों की मानें तो नगर निगम के कर्मचारी कभी कभार ही पानी का छिड़काव करते हैं। बताया कि शाम को धूल उड़ने से उनका सामान तक खराब हो रहा है। वहीं खाने पीने के दुकानों के आस-पास भी यही हाल है। दुकानदार रमेश कुमार, विवेक सिंह, राजेश सिंह बताते हैं कि मेले से पहले ही बेहतर व्यवस्थाओं के लिए करोड़ों का टेंडर होता है। उनको दुकानें भी लाखों खर्चा करने पर मिली है। बताया कि मार्गों में पानी का छिड़काव नहीं होने से लोग दुकानों के पास खड़े तक नहीं होते हैं। इससे उनके कारोबार पर इसका असर दिख रहा है। झूलों के आस-पास तो इतनी धूल हो रही है कि कुछ ही देर में लोगों के कपड़े, जूतों तक में धूल चिपक जाती है। मेला अधिकारी अभय प्रताप सिंह ने बताया कि नगर निगम के कर्मचारियों को पानी छिड़काव के लिए लगाया गया है। रोजाना पानी छिड़कने को बोला जाता है। बताया कि जल्द ही पानी का छिड़काव कराया जाएगा।

चैती मेले में धूल से भरे रास्ते से गुजरते लोग। ● अमृत विचार

रामनवमी पर प्रातः 6:08 बजे तक रहेगा सर्वार्थ सिद्धि का योग

पंतनगर: हल्द्वानी की ज्योतिषाचार्य डॉ. मंजू जोशी ने बताया कि इस वर्ष रामनवमी पर खास शुभ योग बन रहे हैं। प्रात: 6.08 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग, शुभ व रवि योग बनने से श्रीराम जन्मोत्सव विशेष फलदायी है। किसी भी नए कार्य को प्रारंभ करने और कोई भी मांगलिक कार्य संपन्न करने के लिए अति शुभ मुहूर्त रामनवमी तिथि को रहेगा। नवमी तिथि 16 अप्रैल अपराह्न 1:26 से प्रारंभ होकर 17 अप्रैल को अपराह्न 3:16 बजे तक रहेगी। इस दौरान अभिजीत मुहूर्त नहीं होगा। पूजा के लिए शुभ मुहूर्त प्रात: 11:02 से अपराह्न 1:26 बजे तक रहेगा।

शांतिपुरी के प्राचीन मंसा देवी मंदिर में चैत्र अष्टमी पर अनुष्ठान करते भक्त।

शांतिपुरी के मंदिरों में हुए अनुष्ठान

शांतिपुरी: क्षेत्र के ग्राम शांतिपुरी नंबर दो स्थित प्राचीन मंसा देवी मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तों ने मंदिर के पुजारी सुरेश चंद जोशी के नेतृत्व में देवी पूजन कराया तथा मंदिरों में कीर्तन भजन हुए। इस दौरान पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय, पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ. लता उपाध्याय, पूर्व जिलापंचायत सदस्य आशा शर्मा, अधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, पंडित सुरेश चंद जोशी, कांनता जोशी, प्रेमा जोशी, दीपा कोरंगा, हेम पंत, गोपाली देवी, मुन्नी मिश्रा आदि मौजूद रहे। इसके साथ ही भगवती मंदिर जवाहरनगर, प्राचीन शिव मंदिर जवाहरनगर, देवी मंदिर शांतिपुरी नंबर तीन, महाकाल मंदिर शांतिपुरी नंबर दो भरतपुर, शिव मंदिर शांतिपुरी गेट, गोलगेट एवं अन्नपूर्णा मंदिर शांतिनगर आदि में भंडारे आयोजित किए।

विवाद

प्रसाद बांटते वक्त हाथों में महसूस हो रही थी जलन, प्रसाद खाने से बच्चों की तबीयत खराब होने का मामला

बच्चों की हालत बिगड़ी तो परिजनों ने की मारपीट

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नगर के पंत कॉलोनी में रंजन सिंह के घर पर अष्टमी के मौके पर कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कन्या पूजन में पड़ोसी जितेंद्र पाल के बच्चे भी प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे।

बताया जा रहा है कि प्रसाद खाने के कुछ देर बाद जब जितेंद्र पाल का पुत्र मयंक, पुत्री भूमिका एवं लवली घर पहुंचे तो अचानक उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। इसी बीच रंजन सिंह की पत्नी प्रतिमा सिंह एवं पुत्री रूपाली की हालत भी खराब हो गई। इलाज के लिए सभी बच्चों को नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सकों ने मयंक, भूमिका और लवली को गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। जबकि रूपाली एवं उसकी माता प्रतिमा सिंह का नगर के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुंदरम शर्मा पुलिस टीम के साथ सरकारी अस्पताल पहुंच गए और परिजनों से जानकारी हासिल कर बच्चों का हाल-चाल जाना। रंजन सिंह ने पुलिस को बताया कि बच्चों को सूखे मेवे, गोला, मिश्री, बादाम आदि मिक्स कर प्रसाद दिया गया था तथा प्रसाद वितरण के दौरान उनके हाथों में हल्की सी जलन महसूस हो रही थी।

बताया कि प्रसाद खाने के कुछ देर बाद ही बच्चों ने उल्टियां शुरू कर दीं और मुंह में जलन होने की बात बताई। बच्चों की हालत बिगड़ती देख सभी बच्चों एवं महिला को इलाज के लिए तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि बच्चों का स्वास्थ्य खराब होने के बाद परिजनों के बीच आपस में हाथापाई भी हो गई। प्रभारी निरीक्षक सुंदरम शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम वार्ड स्थित उस दुकान पर पहुंची, जिस दुकान से प्रसाद का सामान खरीदा गया था। पुलिस ने जांच होने तक उस दुकान को बंद करा दिया है। कोतवाल शर्मा ने प्रसाद विक्रेता दुकानदार से सामान बेचने वाले सभी दुकानदारों एवं ग्राहकों से संपर्क कर प्रसाद वितरण में रोक लगाने के निर्देश दिए। रंजन सिंह से जानकारी हासिल करने के बाद व्यापारी की दुकान पर पहुंची पुलिस टीम ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पुलिस की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई और प्रसाद का सैंपल कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। फिलहाल इलाज के बाद महिला और बच्चों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

बेहोशी की हालत में बालिका।

इलाज करातीं प्रतिमा सिंह।

फलों की दी प्रतीकात्मक बलि

श्रद्धा

108 दीप जलाकर महिलाओं ने किया महाअष्टमी का पूजन

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार : चैत्र नवरात्र पर दुर्गा मंदिर परिसर में महिला संगठन के तत्वावधान में मां बसंती (दुर्गा) पूजा के तीसरे दिन महाअष्टमी पूजा में महामाई के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा-अर्चना की गई।

मंगलवार प्रातः मुख्य पुरोहित बनमली चक्रवर्ती ने महाअष्टमी की पूजा-अर्चना करवाया। महामाई के चरणों में 108 दीप जलाकर आरती की गई। फलों और सब्जियों की प्रतीकात्मक बलि चढ़ाई गई। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मंगल ध्वनि के बीच श्रद्धालुओं ने देवी की प्रतिमाओं के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर मन्नतें मांगी। शाय संध्या आरती में महिलाओं ने मंदिर के सामने धुनोंची नृत्य किया। बुधवार को महानवमी पूजा में हवन- यज्ञ में श्रद्धालुओं द्वारा पूर्णाहुति दी जाएगी। अनुष्ठान में नपं पूर्व अध्यक्ष सीमा सरकार, शिखा ढाली, प्रमिला मंडल, सुनीता मिस्त्री, श्रीति राय, मीना मंडल, प्रभा राय, चंपा बैरागी, विनीता बैरागी,निशा शिकारी, सरस्वती विश्वास,मेघा शिकारी, रतना विश्वास, पल्लवी गाईन समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

दिनेशपुर में मां बसंती को पुष्पांजलि अर्पित करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

लोग बोले, सात साल लगा दिए ओवरब्रिज बनाने में, काम पूरा नहीं कर लोगों की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे अफसर

खामियां दूर कर ओवरब्रिज पर सुरक्षित कराया जाए यातायात

चिंताजनक

- अफसरों के मना करने पर सोमवार को भाजपाइयों ने हल्के वाहनों के लिए खोला था ओवरब्रिज

संवाददाता, काशीपुर

ओवरब्रिज पर दोपहिया वाहन चलाते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : काशीपुर में हल्के वाहनों के लिए ओवरब्रिज खोलने का मुद्दा गर्माता जा रहा है। राजनीतिक दृष्टिकोण से लाभ लेने की पूरी कोशिश की जा रही है। लेकिन लोग ओवरब्रिज पर यातायात के मुद्दे को सुरक्षा से जोड़कर देख रहे हैं। उनका कहना है कि मानक पूरे किए बिना यातायात चालू कराना ठीक नहीं है।

15 अप्रैल को भाजपा नेताओं ने सात साल से बने रहे ओवरब्रिज को खुद ही खुलवा दिया। उनका तर्क था कि निर्माणाधीन संस्था के लोग ओवरब्रिज पर यातायात चालू नहीं करना चाहते हैं। अफसरों की सहमति से ही ओवरब्रिज को खोला गया है। पुल पूरी तरह से बन कर तैयार है। हालांकि भाजपा नेताओं के ओवरब्रिज को खोलने के बाद कुछ घंटे चौपहिया वाहन चले। इसके बाद प्रशासन ने दोपहिया वाहन ही ओवरब्रिज पर चलने दिए हैं। बिना अनुमति के ओवरब्रिज पर यातयात संचालित करने का मामला चर्चाओं में है। एनएच के एई एसके वर्मा बताते हैं कि ओवरब्रिज पर बने पुल की टेस्टिंग का काम होना जरूरी है। इसकी तैयारियां की जा रही है। टेस्टिंग से पुल की भार क्षमता का पता चलेगा। एसडीएम अभय प्रताप सिंह ने बताया कि एनएच के अधिकारियों के कहने पर ही दोपहिया वाहन चलने दिए जा रहे हैं।

ओवरब्रिज निर्माण में सात साल लग गए। तकनीकी खामियां को दूर करने के बाद ही यातायात चालू कराना चाहिए था। शहर के लोगों ने इतने साल ओवरब्रिज निर्माण को देख लिए। कई लोगों का रोजगार चला गया। मानक पूरे करने के बाद ही यातायात शुरू कराना चाहिए था। **-सरोज सिंह ठाकुर**, समाजसेवी।

काशीपुर विधायक लगातार शहर व गांव का विकास कर रहे हैं। ओवरब्रिज को खुलवा कर जाम की समस्या दूर की है। पुल की भार क्षमता का टेस्ट होना हैं तो इसे जल्द ही कराना चाहिए। केडीएफ काशीपुर को विकसित करने का लगातार प्रयास कर रहा है। **-राजीव घई**, अध्यक्ष केडीएफ।

ओवरब्रिज खोलना तो ठीक हैं, लेकिन इसके मानकों को भी देखना जरूरी है। यदि कोई दुर्घटना होती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। प्रशासन को जल्द से जल्द मानक पूरे कराना चाहिए। लोगों ने ओवरब्रिज के लिए सात साल इंतजार किया है। **- शैलेंद्र मिश्रा**, अधिवक्ता।

जबरन ओवरब्रिज को यातायात के लिए खुलवाना ठीक नहीं है। लोग दोपहिया वाहन ओवरब्रिज पर चलाने से भी डर रहे हैं। पुल की टेस्टिंग होना जरूरी है। पूरी जांच के बाद ही ओवरब्रिज को खुलवाना चाहिए। **- उमेश जोशी**, अधिवक्ता।

सार-संक्षेप

बाजपुर इंटर कालेज में औषधीय पौधे प्रदान करतीं डा .शिखा सम्मल।

आयुर्विद्या शिविर में 40 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया

बाजपुर : राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय बाजपुर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) की प्रभारी चिकित्साधिकारी डा . शिखा सम्मल के नेतृत्व में मंगलवार को इंटर कॉलेज बाजपुर में आयुर्विद्या शिविर का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य कैप्टन एसपी सिंह व डॉ . शिखा सम्मल आदि ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में 40 विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया तथा 30 छात्रों को स्वास्थ्य परीक्षण कार्ड वितरित किए गए। इस दौरान 10 औषधीय पौधों का वितरण किया गया। फार्मेसिस्ट वतन कुमार ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को दवाओं का वितरण किया। योग अनुदेशक कुलदीप सिंह ने 46 विद्यार्थियों को योग की क्रियाएं बताईं।

विद्यार्थियों का सुवर्णप्राशन संस्कार करते भाविप के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

शिक्षारत गरीब बच्चों का हुआ सुवर्णप्राशन संस्कार

रुद्रपुर : भारत विकास परिषद और विवेकानंद शाखा की ओर से गांधी कॉलोनी स्थित तिलकराज कपूर बाल विकास सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षारत गरीब विद्यार्थियों का सुवर्णप्राशन संस्कार हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों को सुवर्णप्राशन संस्कार के तहत खुराक पिलाई गई। प्रधानाचार्य किशन सिंह नयाल ने बताया कि सुवर्णप्राशन संस्कार नवजात शिशु से लेकर 16 साल के बालक-बालिकाओं को स्वर्ण भस्म, धृत शहद आदि से मिश्रित दो बूंद खुराक दी जाती है। पुष्य नक्षत्र 27 दिन बाद आता है। बताया कि मासिक प्रकल्प के रूप में गरीब बस्तियों में जिन विद्यालयों में बच्चे कमजोर व गरीब तबके से हैं। उन विद्यालयों में शाखा की ओर से यह खुराक निशुल्क दी जाती है। प्रदेश की 20 शाखाओं में शिविर आयोजित होते हैं। इस मौके पर भारत विकास परिषद प्रांतीय उपाध्यक्ष व विद्यालय के व्यवस्थापक संजय राधू, शाखा अध्यक्ष हरीश ग्रोवर, रीमा खेड़ा आदि मौजूद रहे।

बाजपुर के ग्राम रतनपुरा में लगी आग के बाद राख हुआ सामान। ● अमृत विचार

घर में लगी आग, हजारों का सामान खाक

बाजपुर : ग्राम रतनपुरा में मंगलवार को अज्ञात कारणों के चलते अरविंद पुत्र दारा सिंह के घर में आग लग गई। इससे घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन, चारपाई, कूलर आदि हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तेज हवा के चलते सारा सामान आग की भेंट चढ़ गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने शेष आग को बुझाया। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रेम सिंह ने स्थानीय प्रशासन से मौका मुआयना कर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाने की मांग की है।

एक नजर

गांव में आने पर युवक को दी जान से मारने की धमकी

काशीपुर : युवक ने एक व्यक्ति पर जान से मारने की धमकी व मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वार्ड नंबर 5 कचनाल गोसाई निवासी उस्मान अली ने कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपकर बताया कि सोमवार की रात वह नूरपुर गया था। तभी उसके पास शादाब निवासी ग्राम पट्टी कला, घोसीपुरा आया और उसके साथ मारपीट करने लगा। आज के बाद यहां दोबारा दिखाई देने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कॉमन सर्विस सेंटर का उद्घाटन किया

किच्छा : भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्रीकांत राठौर ने नगर के वार्ड 16 में कॉमन सर्विस सेंटर का उद्घाटन किया। जिला अध्यक्ष राठौर ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनमानस तक पहुंचाने तथा योजनाओं का के लाभ के लिए आवेदन करने में कॉमन सर्विस सेंटर का महत्वपूर्ण योगदान है। केंद्र प्रभारी राजेंद्र प्रजापति, राधेश्याम प्रजापति, बसंती देवी, राजीव कुमार, महेंद्र कुमार, ललिता दिवाकर, अजय राठौर, प्रेमवती, सुरेंद्र गुप्ता, अंकित कुमार, शिवा आर्य आदि मौजूद रहे।

मंडी गेट के पास दो गुटों में हुई मारपीट

बाजपुर : मंडी गेट के पास मंगलवार दोपहर करीब एक बजे किसी बात को लेकर युवकों के दो गुटों में मारपीट हो गई। इसी बीच किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी। इस पर चीता मोबाइल पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को आता देख झगड़ा कर रहे दोनों गुटों के युवक वहां से भाग निकले। पुलिस कर्मी आसपास के लोगों से पूछताछ करके लौट गई।

दो तस्करों को दबोचा

बाजपुर : वन दरोगा शेर सिंह बोहरा की अगुवाई में गठित वन टीम ने मुखबिर की सूचना पर प्लॉट संख्या-9 में पेड़ काट रहे दो तस्करों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपितों ने अपने नाम बलजिंदर सिंह उर्फ बंटी व मोहम्मद ताज उर्फ बब्बी बताया। उनके कब्जे से दो बाइकें, 13 नग खैर प्रकाष्ठ व एक आरा को जब्त किया गया।

बड़ी बहन की मौत के बाद घायल एसएसबी जवान ने भी दम तोड़ा

एक साथ जलीं भाई-बहन की चिताएं, जवान को रानीबाग में दिया गया गॉर्ड ऑफ ऑनर

संवाददाता, शांतिपुरी/भीमताल

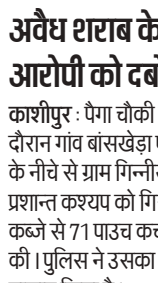

प्रमोद चंद्र पंत।

अमृत विचार: बीते दिवस अल्मोड़ा जिले के धौलछीना शेराघाट मार्ग पर हुई कार दुर्घटना में जवाहरनगर गायत्री विहार फेस श्री निवासी 55 वर्षीय एसएसबी जवान प्रमोद चंद्र पंत व उनकी विवाहित बहन 65 वर्षीय रेखा उप्रेती की मौत हो गई। जबकि इस हादसे में मृतक एसएसबी जवान प्रमोद पंत की पत्नी दीपा पंत व उनके भाई राजेंद्र पंत की पत्नी सुषमा पंत का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह सभी रविवार को कोटगाड़ी मंदिर पिथौरागढ़ से दर्शन कर लौट रहे थे। रास्ते में शाम करीब चार बजे धौलछीना शेराघाट के बीच कसानबैंड पर उनकी कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई थी।

मृतक एसएसबी जवान प्रमोद पंत बिहार गया में तैनात था। वह बीते आठ अप्रैल को एक माह की छुट्टी पर घर आए थे और पांच मई को उन्हें वापस अपनी ड्यूटी ज्वाइन करनी थी। मृतक के दो बच्चे एक विवाहित बेटी व बेटा सलिल पंत हैं। उधर, रानीबाग श्मशान घाट में उस समय माहौल गमगीन हो गया जब प्रमोद पंत को गार्ड ऑफ ऑनर देने के दौरान ही उनकी बड़ी बहन रेखा उप्रेती की शव यात्रा भी नैनीताल से रानीबाग घाट में पहुंच गई। इससे पूर्व प्रमोद चंद्र पंत का शव पोस्टमार्टम के बाद अल्मोड़ा से उनके भीमताल स्थित आवास में पहुंचा। इस हादसे से परिजनों एवं क्षेत्रवासियों में गहरा शोक है।

बस पर चढ़ते समय गिरा सिडकुल कर्मी, मौत

रुद्रपुर : थाना पंतनगर इलाके में बस पर चढ़ते वक्त गिरकर सिडकुल कर्मी की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोहाली पंजाब निवासी 33 वर्षीय विधित देव नागर सिडकुल की ऑटो कंपनी स्थित लॉजिस्टिक ब्रांच में काम करता था और थाना ट्रांजिट कैंप स्थित किराए के मकान में रहता था। बताया जा रहा है कि रोजमर्रा की भांति विधित कंपनी की बस में ड्यूटी जाने के लिए चढ़ रहा था कि अचानक गिर गया। यह देख सहयोगी उसे जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है।

सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग ने दम तोड़ा

बाजपुर : सड़क हादसे में घायल हुए बुजुर्ग ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इसकी जानकारी से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पोते ने बाइक सवार पर शराब के नशे में होने का आरोप लगाया है। ग्राम मझरा पच्चु निवासी जनजाति समाज के लक्ष्मी सिंह (60 वर्ष) दो अप्रैल को बेरिया दौलत स्थित एक बैंक की शाखा से साइकिल पर जा रहे थे। बताया जाता है कि इसी बीच तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में 14 दिन बाद उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई है। मृतक के पोते रवि बरुआ ने आरोप लगाया कि बाइक सवार ने शराब का सेवन कर रखा था। उनके दादा के सिर में काफी गंभीर चोटें आई थीं जिनका उपचार करवाया जा रहा था, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

लक्ष्मी सिंह।

जमीन पर जबरन कब्जा करने का आरोप

काशीपुर: जमीन पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने गांव के एक व्यक्ति उसके दो पुत्रों व 6-7 अन्य लोगों के विरुद्ध पुलिस को तहरीर दी है।

कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में कुंडेश्वरी निवासी विकास कुमार ने बताया कि उसकी एक जमीन कुण्डेश्वरी में है, जिस पर वह कई वर्षों से काबिज है। इसका न्यायालय में एक वाद भी विचाराधीन है। लेकिन गांव का एक व्यक्ति मंत्रियों का रौब गांठते हुए जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहता है।

पीड़ित के अनुसार 14 अप्रैल की दोपहर को आरोपी व्यक्ति, अपने दो पुत्र व 6-7 अन्य लोगों के साथ खेत पर आ धमका और खड़ी फसल काटने की कोशिश करने लगा। जिसका विरोध करने पर धमकी देते हुए पीड़ित व उसकी पत्नी के साथ मारपीट की। सूचना पर पुलिस के मौके पर पहुंचने पर वह धमकी देता हुआ वहां से चला गया। पीड़ित ने पुलिस को अपनी व परिवार की जान को खतरा बताते हुए कार्रवाई की मांग की और तहरीर सौंपी। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

छह बाइकों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, काशीपुर

चोरी की बाइक व आरोपियों के साथ पुलिस टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने चोरी की छह बाइकें बरामद की हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी पूर्व में भी विभिन्न मामलों में जेल जा चुके हैं।

मंगलवार को कोतवाली में मामले का खुलासा करते हुए सीओ अनुषा बड़ोला ने बताया कि 14 अप्रैल को अन्नपूर्णा टेंट हाउस से दिव्यांशु सिधवानी की टेंट हाउस के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी थी। घटना के अनावरण में लगी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले। इस बीच पुलिस गंगेबाबा रोड पर नागनाथ मंदिर के पास चेकिंग कर रही थी। तभी बिना नंबर की बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवक आते हुए दिखाई दिए। जो पुलिस को देख बाइक वापस मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे। शक होने पर पुलिस ने उन्हे घेरकर पकड़ लिया। बाइक के चेसिस व इंजन नंबर मिलान पर चोरी की निकली। सख्ती से पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूलते हुए बताया कि बाइक चोरी की है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की कुल 6 बाइकें बरामद कीं। पूछताछ में आरोपियों ने अपना करबला काली बस्ती निवासी शाहरुख व दूसरे ने जसपुर खुर्द, पाकीजा कॉलोनी निवासी नफीस अहमद बताया। सीओ ने बताया कि आरोपी नशे की लत को पूरा करने के लिए अक्सर चोरियां करते हैं। उन्होंने बताया कि शाहरूख लूट व अवैध अस्लहे के मामले में जेल जा चुका है, जबकि नफीस पर भी दो मुकदमें दर्ज है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार सिंह, एसएसआई सतीश कुमार शर्मा, एसआई विपुल जोशी, सुनील सुतेड़ी, एएसआई प्रकाश बोरा, कांस्टेबल प्रेम सिंह कनवाल, गौरव सनवाल, दीपक कुमार, ईश्वर सिंह, जगदीश सिंह, दीवान सिंह शामिल रहे।

बंदरों के आतंक से लोग हो रहे परेशान

बाजपुर : बरहैनी व बेरिया दौलत क्षेत्र में इन दिनों कटखने बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है, जोकि झुंड बनाकर दुकानों व घरों में घुसकर लोगों पर हमला कर रहे हैं। इतना ही नहीं छत व आंगन से कपड़े एवं अन्य सामान उठा ले जाते हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से बंदरों को पकड़कर जंगल क्षेत्र में छोड़ने की मांग की है। वहीं शहरी क्षेत्र में शुगर फैक्ट्री व आसपास की कालोनियों में भी बंदरों ने लोगों को खासा परेशान कर रखा है।

अवैध शराब के साथ एक आरोपी को दबोचा

काशीपुर : पैगा चौकी पुलिस ने गश्त के दौरान गांव बांसखेड़ा फ्लाई ओवरब्रिज के नीचे से ग्राम गिन्नीखेड़ा निवासी प्रशान्त कश्यप को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 71 पाउच कच्ची शराब बरामद की। पुलिस ने उसका आबकारी एक्ट में चालान किया है।

जसपुर में डिग्री कॉलेज में उपस्थित अग्निशमन अधिकारी व कर्मचारी।

आरएलएसएम डिग्री कॉलेज में आग से बचाव के गुर सिखाए

जसपुर : अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान प्रभारी अग्निशमन अधिकारी श्याम बहादुर थापा के निर्देशन में दमकल कर्मियों ने आरएलएसएम डिग्री कॉलेज किशनपुर जसपुर में छात्र-छात्राओं को अग्नि सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी। साथ ही अग्निशमन उपकरणों के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया। अग्निशमन सेवा सप्ताह के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए जसपुर क्षेत्र के हॉस्पिटल, कोचिंग सेंटर होटल, सार्वजनिक स्थलों आदि में अग्नि सुरक्षा संबंधी पंपलेट बांटे गए।

तफ्तीश प्रतापपुर स्थित चांदपुर में काटे गए थे आम व लीची के कई पेड़

फलदार पेड़ काटने पर जांच के लिए पहुंची टीम

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में जांच करती लखनऊ से पहुंची टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : प्रतापपुर स्थित चांदपुर में आम व लीची के हरे भरे पेड़ों को काटकर प्लॉटिंग करने के मामले में केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड लखनऊ के अधिकारी जांच को पहुंचे हैं। टीम ने संबंधित विभागों के अफसरों को दो दिन में अपना पक्ष साक्ष्य के साथ रखने के निर्देश दिए हैं।

मंगलवार को केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड लखनऊ के वैज्ञानिक रुना उरौव के नेतृत्व में पहुंची टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच की। इस दौरान वैज्ञानिक रुना उरौव ने पीसीबी, वन विभाग काशीपुर, होर्टीकल्चर, राजस्व विभाग व शिकायतकर्ता से दो दिनों के साक्ष्य उपलब्ध कराने को कहा। काशीपुर निवासी हरदीप शर्मा ने उद्यान और वन विभाग में शिकायत कर बताया कि चांदपुर में हरे भरे आम के पेड़ों की कटाई करके प्लॉटिंग की जा रही है। कालोनाइजर ने 25 लीची और 150 आम के पेड़ काटने की अनुमति मांगी थी। आम और लीची के 150 पेड़ों को काटने की अनुमति दी गई। बताया कि 14 फरवरी 2023 की जांच में 197 पेड़ काटे जाने की पुष्टि हुई। जिस पर विभागीय संयुक्त जांच रिपोर्ट में कहा गया कि वर्तमान में 579 पेड़ काटने की बात सामने आई। इसमें 88 पेड़ों पर वन विभाग ने 4 लाख 40 हजार रुपये जुर्माना लगाया था। बताया जा रहा है कि मौजूदा समय में केवल 300 पेड़ ही खड़े हैं, बाकी सब काटा जा चुका है। इस मौके पर रिसर्च एसोसिएट अधिकारी लालजी वर्मा, पीसीबी काशीपुर के क्षेत्रीय अधिकारी नरेश गोस्वामी, सहायक पर्यावरण अधिकारी सुनील आर्य, काशीपुर वन विभाग क्षेत्रीय अधिकारी देवेंद्र सिंह रजवार व एसआइ ब्रिजेश शर्मा, दरोगा ओम प्रकाश, प्रगति बनारसी आदि मौजूद थे।

बेटे-पोते ने किया वृद्धा पर जानलेवा हमला

संवाददाता, रुद्रपुर

- मुकदमा वापस करने का बनाया रहे थे दबाव, चक्कर काटने को मजबूर बुजुर्ग महिला

अमृत विचार: रंपुरा चौकी इलाके की रहने वाली एक बुजुर्ग महिला को उसके ही सगे बेटे और पोते ने धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। आरोप था कि बेटा-पोता दर्ज मुकदमा वापस करने का दबाव बना रहे थे।

वार्ड - 24 रंपुरा निवासी भामा देवी का आरोप था कि उसका बेटा और पोता आए दिन उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल देते थे। मजबूर होकर उसने 21 मार्च 2021 को कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। इसकी सुनवाई अदालत में विचाराधीन है। आरोप था कि मुकदमा दर्ज होने से बौखलाए बेटा व पोता आए दिन मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाते रहते हैं। 14 मार्च 2024 की रात्रि आठ बजे उसका बेटा व दोनों पोते लाठी डंडे व धारदार हथियार से लैस होकर जबरन घर में घुसे और अभद्रता करते हुए हमला कर दिया। इससे वह घायल हो गई। शोर शराबा सुनकर पड़ोसी मौके पर आए, तो हमलावर फरार हो गए। बुजुर्ग का आरोप था कि कोतवाली पुलिस को तहरीर देने के बाद पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। कोतवाली और चौकी पुलिस के चक्कर काटते काटते वह थक चुकी है।

आस्ट्रेलिया के डॉ . एडवर्ड बर्मिंघम को सम्मानित करते कुलपति डॉ . एमएस चौहान।

सोच को समस्या नहीं, समाधान आधारित बनाना जरूरी

पंतनगर : जीबी पंत कृषि एवं प्रोद्योगिकी विवि में संकाय विकास केंद्र की ओर से तीन दिनी कार्यशाला का आयोजन नाहेप भवन में किया जा रहा है। इसमें मोनाश बिजनेस स्कूल आस्ट्रेलिया के विशेषज्ञ डॉ . एडवर्ड बर्मिंघम ने शिक्षण गुणवत्ता को बढ़ाने की नई नीतियों की जानकारी देते हुए मोनाश विवि में संचालित शिक्षण की नई तकनीकों को समझाया। प्रो . एडवर्ड ने कहा सोच को समस्या आधारित नहीं, बल्कि समाधान आधारित बनाना होगा। प्रत्येक संकाय सदस्य का योगदान निश्चित करना होगा। सहकारिता मंत्रालय में परियोजना प्रबंधक संकाय प्रमुख बोहितेश मिश्रा ने देश में तेजी से हो रहे सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार की जानकारी दी। इससे पूर्व कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति डॉ . मनमोहन सिंह चौहान ने किया। अधिष्ठाता कृषि डॉ . शिवेंद्र कश्यप, मृदा विज्ञान की डॉ . मनीषा रानी, पूर्वोत्तर पर्वतीय विवि के डॉ . जिनो ए . संगमा ने भी विचार रखे।

सार-संक्षेप

महिला की तलाश के लिए बंद की गई शारदा नहर।

महिला ने लगाई शारदा नहर में छलांग, लापता

बनबसा : यहां एक महिला ने शारदा नहर में छलांग लगा दी। एसडीआरएफ और पुलिस महिला की तलाश में जुटी हैं। शारदा बैराज चौकी प्रभारी ललित पांडेय ने बताया कि मंगलवार को अपने पिता सतपाल सिंह निवासी वार्ड नंबर 5 मीना बाजार बनबसा के साथ कैनाल मेला क्षेत्र में घूमने के लिए आई पूजा सिंह चौहान (27) पत्नी संदीप कुमार निवासी ठाकुरद्वारा उत्तर प्रदेश ने अचानक शारदा नहर में छलांग लगा दी। चौकी प्रभारी ने बताया कि महिला की तलाश के लिए तत्काल एसडीआरएफ, जल पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यूपी सिंचाई विभाग के एसडीओ प्रशांत कुमार वर्मा से संपर्क कर नहर का पानी रोक दिया गया है। लेकिन महिला का अब तक पता नहीं लग पाया है।

पांच साल बाद न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

अल्मोड़ा : भूमि विवाद के एक मामले में दिल्ली निवासी एक व्यक्ति पिछले पांच साल से तहसील और थाने के अधिकारियों के चक्कर काटता रहा। लेकिन उसे न्याय मिलना तो दूर उसका मुकदमा तक दर्ज नहीं हो पाया। मजबूरी में पीड़ित ने न्यायालय में गुहार लगाई। न्यायालय ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। साउथ दिल्ली के न्यू फ्रैंडस कालोनी तैमूरनगर राजेंद्र कुमार ने तहरीर में कहा है कि वर्ष 2019 में वह उत्तराखंड में घर बनाने के लिए भूमि खरीदना चाहता था। भिकियासैंण के सनणा निवासी भगवत सिंह ने मल्ला सल्ट अजोली में 12 .25 लाख रुपये में एक भूमि की रजिस्ट्री करवा। बाद वह सल्ट तहसील पहुंचे तो पता चला की भगवत सिंह के नाम पर कोई भूमि है ही नहीं।

गर्मी बढ़ने के साथ जिले में पेयजल की होने लगी किल्लत

अल्मोड़ा : गर्मी बढ़ने के साथ ही जिले में पेयजल की समस्या भी अब विकराल रूप धारण करने लगी है। जल स्रोतों के सूखने के कारण अनेक योजनाएं जहां लोगों की प्यास बुझाने में नाकाम साबित हो रही हैं। वहीं विभाग भी संसाधनों की कमी के कारण प्रभावित क्षेत्रों में जरूरत के मुताबिक पानी की आपूर्ति नहीं कर पा रहा है। जिस कारण लोगों को पेयजल के लिए खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिले के लमगड़ा, सल्ट, भतरौंजखान, चौखुटिया व भिकियासैंण क्षेत्र के अनेक गांवों में पिछले एक पखवाड़े से भीषण पेयजल संकट बना हुआ है। इन क्षेत्रों के लोगों को पीने के पानी की व्यवस्था के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ रही है और उनका पूरा दिन पानी की जुगत में ही खत्म हो जा रहा है।

डीआईजी ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

बागेश्वर : पुलिस उपमहानिरीक्षक डॉ. योगेन्द्र सिंह रावत मंगलवार को बागेश्वर पहुंचे। उन्होंने लोकसभा चुनाव को शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। इसके बाद उन्होंने महाविद्यालय में स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने मातहतों को चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। पुलिस उपमहानिरीक्षक ने आचार संहिता का पूर्ण रूप से पालन करने के निर्देश देते हुए विभिन्न बैरियरों में प्रभावी सघन चेकिंग अभियान चलाने को कहा। उन्होंने नशों के अड्डों को चिन्हित कर मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा।

18 किमी पैदल चलकर आज कनार पहुंचेगी पोलिंग पार्टी

पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी ने जिले के सबसे दूरस्थ मतदान केन्द्र के लिए किया रवाना

पोलिंग पार्टियों को चुनाव सामग्री वितरित करते अधिकारी। ● अमृत विचार

अल्मोड़ा में मतदाता जागरूकता रैली निकालते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : अल्मोड़ा लोकसभा के पिथौरागढ़ जिले के सबसे दूरस्थ मतदान केंद्र कनार में बुधवार की देर शाम तक करीब अठारह किलोमीटर की पैदल दूरी तय कर पोलिंग पार्टी मतदान कराने के लिए पहुंच जाएगी।

मंगलवार को इस टीम को पिथौरागढ़ से जिला निर्वाचन अधिकारी रीना जोशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर मतदान कराना प्रशासन के लिए चुनौती से कम नहीं है। दरअसल इस लोकसभा सीट का काफी लंबा हिस्सा चीन और नेपाल की सीमाओं से लगा है। अनेक ऐसे मतदान केंद्र हैं जो उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हैं। जहां पहुंचने के लिए सड़क सुविधा नहीं है। एक ऐसा ही मतदान केंद्र है राजकीय इंटर कालेज कनार। मतदान से तीन दिन पहले 16 अप्रैल को पिथौरागढ़ से जिला निर्वाचन अधिकारी रीना जोशी ने इस मतदान केंद्र के लिए पोलिंग पार्टी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस पोलिंग पार्टी में आठ मतदान कार्मिक, चार सुरक्षा कर्मी, एक सेक्टर मजिस्ट्रेट, एक जोनल मजिस्ट्रेट और एक फोटोग्राफर शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी रीना जोशी ने बताया कि 16 अप्रैल को इस टीम ने बस से 80 किलोमीटर का सफर तय कर रात्रि विश्राम पिथौरागढ़ के दूरस्थ क्षेत्र बरम में किया।17 अप्रैल को यह पोलिंग पार्टी करीब 18 किलोमीटर पैदल रास्ता तय कर कनार मतदान केंद्र पर पहुंचेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधानसभा धारचूला के इस मतदान केंद्र पर 312 पुरुष व 275 महिला मतदाता पंजीकृत हैं। जिन्हें यह पोलिंग पार्टी 19 अप्रैल को मतदान कराएगी। मंगलवार को टीम को रवाना करने से पूर्व नोडल अधिकारियों ने मतदान कार्मिकों को चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने संबंधी जरूरी दिशा निर्देश भी दिए।

रैली निकाल निष्पक्ष मतदान के लिए किया जागरूक

अल्मोड़ा : लोकसभा चुनावों को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला मुख्यालय पर पुलिस कर्मियों ने बाइक रैली का आयोजन किया। जिलाधिकारी विनीत तोमर और एसएसपी देवेंद्र पींचा के निर्देशन में सीओ सिटी विमल प्रसाद ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली माल रोड, चौघानपाटा, केमू स्टेशन, टैक्सी स्टैंड, शिखर तिराहा, लक्ष्मेश्वर, पांडेखोला, लोअर माल रोड, बेस, होटल मैनेजमेंट होते हुए रघुनाथ सिटी मॉल के पास पहुंची। रैली के दौरान पुलिस कर्मियों ने नगर वासियों से निर्भय और निष्पक्ष होकर शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की। बाइक रैली में सीएफओ नरेंद्र सिंह कुवंर, जिला क्रीड़ा अधिकारी अरुण बंग्याल, बीएस मनकोटी, कोतवाल जगदीश चंद्र देऊपा, कमल कुमार पाठक, राजेंद्र सिंह रावत, उमाशंकर पांडे, दरबान सिंह मेहता, महेश चंद्र, थानाध्यक्ष मीना आर्या, एसआई रमेश सिंह नेगी, एसआई कुमकुम धानिक, एसआई सुमन, एसआई सुनील धानिक, मोहित कुमार, सोनू बाफिला, विनोद राठौर, राजेश मठपाल आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रदेश अध्यक्ष महरा ने किया प्रचार

रानीखेत : मंगलवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन मेहरा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पिलखोली, जैनोली, उपराड़ी, सेमधार आदि क्षेत्रों में कांग्रेस सांसद प्रत्याशी प्रदीप टम्टा के पक्ष में प्रचार किया। उन्होंने ग्रामीणों से मिलकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कहां कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को अगर समाप्त करना है तो कांग्रेस का साथ दें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगर सत्ता में आई तो महंगाई को नियंत्रित करने के साथ ही रोजगार के द्वार खुलेंगे। कहां कि अग्निवीर भर्ती को बंद कर पूर्व की तरह सैनिकों की भर्ती की जाएगी।

कांग्रेस प्रत्याशी टम्टा के पक्ष में प्रचार करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन महरा व अन्य।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख हीरा सिंह रावत, ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह देव, पूर्व प्रमुख रचना रावत, कांग्रेस ज़िला उपाध्यक्ष दीपक पंत, महिला ज़िला अध्यक्ष गीता पवार, त्रिभुवन शर्मा, नगर अध्यक्ष महिला नेहा साह माहरा, यूथ विधानसभा अध्यक्ष अंकित पंत, कॉर्डिनेटर कुलदीप कुमार रहे।

सतर्कता और सजगता से पूरा करें चुनाव कार्य

अल्मोड़ा में नोडल अधिकारियों की बैठक लेते जिला निर्वाचन अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : लोकसभा चुनावों को शांतिपूर्वक तरीके से सम्पन्न कराने के लिए अधिकारियों को पूरी सतर्कता और सजगता के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। मतदान के कार्य में बाधा सामने न आए, इसका अधिकारियों को पूरा ध्यान देना होगा।

मंगलवार को नोडल अधिकारियों की बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत तोमर ने यह बात कही। उन्होंने कानून व्यवस्था, कम्युनिकेशन प्लान, डाक मतपत्र, ईडीसी, वीडियोग्राफी, वेबकास्टिंग, ट्रैफिक प्लान, निर्वाचन सामग्री वितरण, पोलिंग पार्टियों की रवानगी आदि व्यवस्थाओं की समीक्षा की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदान के 72 घंटे पूर्व से लेकर मतदान के अगले दिवस तक की सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि वेबकास्टिंग, वीडियोग्राफी और माइक्रो आब्जर्वर के लिए नियुक्त कार्मिकों को भी पोलिंग पार्टी के साथ रवाना करने की व्यवस्था व पोलिंग पार्टियों की निर्वाचन सामग्री के साथ बूथ हेल्थ मैनेजमेंट प्लान अनिवार्य रूप से रखा जाए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि पोलिंग पार्टियों की रवानगी एवं आगमन के लिए पर्याप्त मात्रा में एंबुलेंस की तैनाती की जाए।

दिव्यांग मतदाताओं को दी जाएगी हरसंभव मदद

अल्मोड़ा : 19 अप्रैल को लोकसभा निर्वाचन के मतदान के दौरान जिले के दिव्यांग मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े। इसके लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं। दिव्यांग मतदाताओं को आसानी से पोलिंग बूथ तक लाया जा सके। इसके लिए विभाग ने जिले में 90 व्हील चेयर और 150 डोलियों की व्यवस्था भी की है। जिला समाज कल्याण अधिकारी आराधना त्रिपाठी ने बताया कि मतदान के दौरान दिव्यांग मतदाताओं की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित किए जाने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा जिला निर्वाचन कार्यालय अल्मोड़ा की सहायता से इस वर्ष विशेष प्रयास किए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 5511 दिव्यांग मतदाताओं का बूथवार चिन्हीकरण किया गया है ताकि विभिन्न माध्यमों से मतदान दिवस पर दिव्यांग मतदाताओं से सुगमतापूर्वक मतदान कराया जा सके।

चैत्राष्टमी पर मंदिरों में रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : चैत्राष्टमी पर मंगलवार को सुबह से ही नगर के नंदा देवी, चितई, उल्का देवी मंदिर, कसारदेवी, देवी मंदिर खत्याड़ी, बानड़ीदेवी, मानिला देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं के आना शुरू हो गया था जो दिन भर चलता रहा।

श्रद्धालुओं ने मंदिर में महागौरी की विधि विधान से पूजा अर्चना की और सभी के सुख और समृद्धि की कामना भी की। चैत्राष्टमी के मौके पर श्रद्धालुओं ने घरों में कन्या पूजन कर व्रत का उद्यापन भी किया। दिन भर जिले के मंदिरों में पूजा पाठ और भजन कीर्तनों से माहौल भक्तिमय बना रहा। इधर जिले के देघाट में चैत्राष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने देवी मंदिर देघाट में आकर पूजा अर्चना कर मनोकामना मांगी। इस मौके पर यहां भव्य मेले का आयोजन भी किया गया। जिसमें कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के दूरस्थ गांवों के ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया। मेले में छोटे बच्चों और महिलाओं ने जमकर खरीददारी की। मेले में उमड़ी भीड़ को देखते हुए यहां सुरक्षा के भी पर्याप्त इंतजामात किए थे।

अल्मोड़ा के एक मंदिर में चैत्राष्टमी पर उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

अनसुनी से गुस्साए ग्रामीण करेंगे मतदान का बहिष्कार

चम्पावत जिले के दूरस्थ गांव कोट अमोड़ी के ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन। ● अमृत विचार

संवाददाता, टनकपुर

- पांच किमी पैदल आवाजाही करने को मजबूर 80 परिवार
- अमोड़ी ग्राम पंचायत अंतर्गत संदर्का के ग्रामीणों ने सड़क सुविधा की मांग उठाई

अमृत विचार : चम्पावत मुख्यालय से करीब 29 किलोमीटर दूर कोट अमोड़ी ग्राम पंचायत संदर्का के ग्रामीणों ने सड़क सुविधा की मांग की है।

उनका कहना है कि गांव में आज भी जरूरी सुविधाएं नहीं हैं। इन हालातों में ग्रामीणों ने 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के बहिष्कार करने का ऐलान किया है। इसको लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। ग्राम प्रधान लालमणि भट्ट की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में ग्रामीणों ने क्षेत्र में सड़क सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी के चलते लोकसभा चुनाव बहिष्कार करने का निर्णय लिया।

दावा किया कि इस बार ग्रामीण पूर्ण रूप से चुनाव बहिष्कार करेंगे। कहा कि ग्रामीणों की ओर से समस्याओं को लेकर लंबे समस्या से आवाज उठाने के बावजूद कोई पहल अब तक नहीं हो सकी है। जिला प्रशासन पर भी ग्रामीणों ने अनदेखी का आरोप लगाया है। कहा कि 80 परिवारों को आज भी पांच किमी पैदल आवाजाही करने को मजबूर होना पड़ रहा है। प्रदर्शन करने वालों में दिनेश भट्ट, खुशाल दत्त, ईश्वरी दत्त, रूपली देवी, देवकी देवी, डिगरी देवी, मीनाक्षी भट्ट, नीलावती देवी, नारायण दत्त आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

वर्ग पहेली-42

बाएं से दाएं

1. युवा (स्त्री और पुरुष का) वर्ग
3. वृत्त अथवा गोलाई खींचने का एक उपकरण।
6. ठाकुर होने का भाव, ठकुरायत 2. राज्य या उससे संबंध रखने वाला अधिकार या समृद्धि, प्रभुता, स्वामित्व 3. बड़ों के प्रति होने वाली श्रद्धा या प्रीति 4. शासनाधीन प्रदेश।
8. दे. ख़रीददारी।
9. 1. हज़ार सिपाहियों का सरदार 2. मुगल शासन में सरदारों को दिया जाने वाला एक ओहदा।

ऊपर से नीचे

2. ऐसे शब्द जिनके अंत में 'इ' हो
4. 1. जो धृष्टता करता हो, बेअदब 2. बड़े-बुज़ुर्गों का आदर न करने वाला 3. संकोच न करने वाला, निर्लज्ज 4. अशिष्ट, अक्खड़ 5. साहसी, निडर, निर्भय 6. हठीला, दुराग्रही 7. स्वेच्छाचारी।
5. 1. दुनियादार होने का भाव या गुण 2. व्यवहार-कुशलता, लोकचातुरी 3. सांसारिक प्रपंच, लोकाचार, लोकव्यवहार, संसार का जंजाल 4. घर-गृहस्थी का कामकाज, घर-परिवार का प्रपंच, गृहस्थी का झंझट या बखेड़ा 5. लोगों को दिखाने के लिए किया गया आचरण।
7. 1. भेदी 2. गुप्तचर 3. रहस्य जानने वाला।

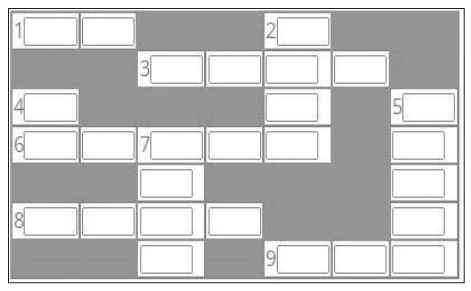

वर्ग पहेली -41 का हल

1 जु	लू	स			2 ठ
साँ			3 अ	पी	ड़	न
दा			नु			ठ
	4 अ	धि	दे	य		न
5 गा	व		श			
	भा					
	6 स	दा	च	र	ण	

सुडोकू-121

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1	3				5			9
		7		4			8	
2					6			
		5			8			1
	1						2	
4			9			5		
			2			6		3
	4			5				
9			3				4	7

सुडोकू-120 का हल

5	7	3	6	8	1	9	4	2
4	8	6	3	2	9	1	5	7
2	1	9	5	7	4	6	3	8
6	4	2	8	1	5	3	7	9
7	3	5	9	4	6	2	8	1
1	9	8	2	3	7	5	6	4
9	5	7	4	6	2	8	1	3
3	6	4	1	9	8	7	2	5
8	2	1	7	5	3	4	9	6

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 17 अप्रैल बुधवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-नवमी 15.14 तक तत्पश्चात दशमी।

मेष आज विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही कर सकते हैं। व्यर्थ के खर्चों पर रोक लगाएं। आज जीवनसाथी से परामर्श कर काम करना लाभकारी होगा। महंगी वस्तुओं की खरीदी कर सकते हैं। प्रेम संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका है।

वृष आज व्यवसाय में आपको पुराने अनुभवों का लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त समय दे सकते हैं। आज आप अपनी कार्यक्षमता को अच्छी तरह से परख भी सकते हैं। उच्च पदस्थ लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन आज ससुराल पक्ष से संबंध मधुर रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आय-व्यय में उत्तम सन्तुलन बना रहेगा। मन की किसी दुविधा का निराकरण होगा। परोपकार के कार्यों में रुचि लेंगे। सरकारी जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ेगी।

कर्क आज नव उद्यमियों को शासन से सहयोग प्राप्त हो सकता है। भावुक होकर निर्णय करने से नुकसान होने की आशंका है। छोटे भाई-बहन को लेकर आप चिन्तित हो सकते हैं। किसी पर ज्यादा निर्भर होना ठीक नहीं है।

सिंह आज नजदीकी लोगों से गलतफहमी उभरेगी। कार्यक्षेत्र में बाधाएं आने की आशंका है। अधूरे कार्यों के कारण तनाव हो सकता है। आपका मन काफी अशान्त हो सकता है। दूसरों के कार्यक्षेत्र में आपको प्रभाव डालने से बचना चाहिए।

कन्या आज कार्यक्षेत्र की बाधाओं का निवारण होगा। अति आत्मविश्वास से बचने का प्रयास करें। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। वैवाहिक जीवन काफी सुखद रहेगा।

तुला आज आप पुराने विवादों को सुलझा सकते हैं। अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की भावनाओं का ध्यान रखें। अपनी छुपी हुई प्रतिभा को विकसित करने का प्रयास करें। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। अपने कार्यों को दूसरों के साथ शेयर न करें।

वृश्चिक आज बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने करियर को लेकर थोड़ी असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो सकती है। अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिये मेहनत करेंगे। बच्चों के व्यवहार पर नजर बनाए रखें।

धनु आज कार्यक्षेत्र का तनाव आपकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। परिवार में लोगों को नाराज न करें। अपने मत को किसी पर भी न थोपें। वरना आपके भावों को समझने के बजाय उल्टा अर्थ समझ सकते हैं।

मकर आज व्यावसायिक यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी कार्यक्षमता पर सकारात्मक असर पड़ेगा। विरोधी आपसे आकर्षित रहेंगे। अपनी उपलब्धियों पर गौरवान्वित रहेंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च पद मिल सकता है। आज काफी धार्मिक विचारों से प्रभावित हो सकते हैं।

कुंभ आज आलस्य से आपको बचना चाहिए। परिवार में कलह हो सकती है। महिलाएं थोड़ी भावुक रहेंगी। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी रखनी चाहिए। कानूनी मामले उलझ सकते हैं। किडनी के रोगियों को समस्या हो सकती है।

मीन आज कार्यक्षेत्र में शानदार सफलता मिल सकती है। आईटी और सॉफ्टवेयर क्षेत्र से जुड़े लोगों को जॉब के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। आपका मन काफी शान्त रहेगा। मनोरंजन पर धन खर्च करेंगे। छोटी बातों का बतंगड़ बनाने से बचें।

आज का पंचांग

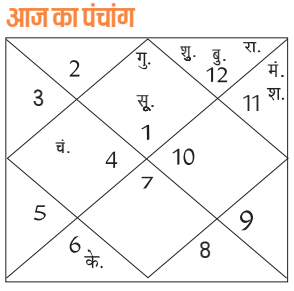

व्रत/त्योहार- राम नवमी

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-वसंत।

चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-अश्लेशा पूर्णरात्रि तक।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
- शक्तिमान — दोपहर : 01.54
- चालबाज — शाम : 05.21
- 2.0 — सुबह : 10.32
- शेरदिल : द पीलीभीत सागा — रात : 08.00

&pictures

SONY PIX
- कैप्टेन फिलिप्स — सुबह : 11.30
- सॉल्ट — रात : 07.48

ZEE CINEMA
- त्रिदेव — सुबह : 11.30
- दिल का क्या कसूर — शाम : 06.00

colors CINEPLEX
- जुर्माना — सुबह : 11.48
- भागम भाग — रात : 08.58

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर पर रात : 08.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

दोस्त- तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला?

चिंटू- तेरे ही कहने पर उसे चेन गिफ्ट की थी, इसलिए निकाला...

दोस्त- चेन चांदी की थी क्या?

चिंटू- नहीं साइकिल की..

दोस्त फिर तो तेरी बीवी ने बिल्कुल ठीक किया

चिंटू को मच्छर ने काटा तो वो उसे मारने के लिए रातभर कमरे में दौड़ता रहा।

सुबह हो गई मगर मच्छर नहीं मरा।

चिंटू बोला : चलो मार नहीं पाया तो क्या हुआ,

रातभर मैंने इसे सोने भी तो नहीं दिया।

श्रुतं प्रज्ञानुगं यस्य प्रज्ञा चैव श्रुतानुगा।
असम्भिन्नार्यमर्याद: पण्डिताख्यां लभेत स:॥

जो व्यक्ति गंथों-शास्त्रों से विद्या ग्रहण कर उसी के अनुरूप अपनी बुद्धि को ढलता है और अपनी बुद्धि का प्रयोग उसी प्राप्त विद्या के अनुरूप ही करता है तथा जो सज्जन पुरुषों की मर्यादा का कभी उल्लंघन नहीं करता, वही ज्ञानी है।

संपादकीय

नक्सलवाद बड़ी चुनौती

छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या से निपटना बड़ी चुनौती बना हुआ है। वास्तव में नक्सली समस्या छत्तीसगढ़ जैसे एक राज्य की नहीं पूरे राष्ट्र की समस्या है। मंगलवार को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में मुठभेड़ में 18 नक्सली मारे गए। सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। मुठभेड़ में नक्सल कमांडर शंकर राव भी मारा गया है। उस पर 25 लाख का ईनाम था। पुलिस ने बताया कि छोटेबेठिया क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल और जिला रिजर्व गार्ड के एक संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था। सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ ऐसे समय हुई है, जब तीन दिन के बाद वहा पहले चरण का मतदान होने वाला है। निश्चित रुप से सुरक्षाबलों के लिए यह बड़ी कामयाबी है। भारत के 12 राज्यों के 220 जिलों में नक्सली फैल चुके है। संपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र का 40 प्रतिशत क्षेत्र नक्सली ग्रसित है अर्थात 92 हजार वर्ग किलोमीटर। वहीं छत्तीसगढ़ नक्सली समस्या के शिकंजे में कसता जा रहा है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की शुरूआत समीपवर्ती राज्य आंध्रप्रदेश की सीमा से लगे बस्तर से हुई है। छत्तीसगढ़ के संदर्भ में ऐतिहासिक अवधारणा यह है कि नक्सली समस्या उन क्षेत्रों में पनप रही है जहां आर्थिक असमानता, सामाजिक भेदभाव और राजनीतिक पिछड़ापन है।

यह बात सत्य है कि छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित सभी जिले इसी श्रेणी में है। साथ ही नक्सली समस्या पनपने में कहीं न कहीं दोष प्रशासनिक असमानताओं का भी है। यह दोष एवं असमानताएं राजनैतिक प्राशासनिक सामाजिक कुछ भी हो सकता है। देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुके नक्सलवाद से निपटने की रणनीति को अमल में लाते-लाते देश और प्रदेश की सरकारें सही पर सफल क्रियान्वयन चाहती हैं। मगर किस तरह से नक्सली समस्या को समाप्त किया जा सकेगा इसका दावा करना मुश्किल है। सवाल उठ हैं कि आखिर छत्तीसगढ़ में नक्सल ऑपरेशन की क्या स्थिति है। सरकार कह रही है कि नक्सली बैकफुट पर हैं। आखिर इसमें कितनी सच्चाई है। इसके अलावा नक्सलियों के खिलाफ बनाई गई रणनीति कारगर है या फिर इसमें बदलाव की जरूरत है। देश की सभी प्रांतों की सरकार संयुक्त प्रयास से नक्सलियों को जड़ से समाप्त करने में अपनी शक्ति लगाएं। शिक्षा का, प्रसार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, सड़कों का निर्माण जैसी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति करना आवश्यक है। इन सब गतिविधियों के संचालन में प्रत्येक प्रांत के सरकार अपनी राजनैतिक प्रतिद्वंद्विता भुलाकर सार्थक प्रयास करें।

आज के संदर्भ में सबके राम का संदेश

डॉ. चन्द्रविजय चतुर्वेदी
प्रयागराज

संत रविदास जन्मजात ब्रह्मज्ञानी थे परन्तु अपने गुरु रामानंद की यात्राओं में साथ रहने पर सत्संग करते रहने पर वे शास्त्र ज्ञान से भी परिपूर्ण हो गए थे। झाली रानी रतन कुअंरि तथा मीराबाई संत रविदास के शिष्यों में प्रमुख थे। संत रविदास की रामभक्ति से वर्णाश्रम व्यवस्था की नीव हिल गई थी।

वाल्मीकि ने राम का जो आख्यान वाल्मीकि रामायण में प्रस्तुत किया वह भारत की हर भाषा में काव्य का रोचक कथावस्तु बनता गया। इक्ष्वाकुवंश में उत्पन्न हुए एक ऐसे पुरुष हैं, जो लोगों में रामनाम से विख्यात हैं, वे ही मन को वश में रखने वाले महाबलवान, कांतिवान, धैर्यवान और जितेन्द्रिय हैं। ऐसे राम की कथा महाभारत के वनपर्व, द्रोणपर्व, शांतिपर्व में है। बौद्ध साहित्य में भी तीन जातकों-दशरथ जातक, अनामक जातक तथा सम्बुला जातक में भी रामकथा का उल्लेख है। जैन साहित्य में विमलसूरि कृत पउमचरियम-प्राकृत, आचार्य रविषेण कृत पदमपुराण-संस्कृत, पउम चरिउ -अपभ्रंश में रामकथा वर्णित है जिसमे राम का मूल नाम-पद्म है। संस्कृत साहित्य मे कालिदास, भास, भवभूति, राजशेखर आदि ने अपने महाकव्यों में राम को नायक बनाया। पुराणों में विष्णु पुराण, हरिवंश पुराण, भागवत पुराण, ब्रह्मपुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण, अग्निपुराण, तथा पद्मपुराण में विस्तार से रामकथा का चित्रण है।

हिंदी में तुलसी के रामचरित मानस लिखे जाने के पूर्व ही तमिल में कम्ब रामायण, तेलगु में रंगनाथ रामायण, मलयालम में रामचरित्र कन्नड़ में तोरवे रामायण, असामी में असमिया रामायण, बंगला में कृत्तिवास रामायण, उड़िया में सारलादास तथा बलरामदास के दो रामायण की रचना हो चुकी थी। मराठी और गुजराती में अनेक रामकथाओं के काव्यों का प्रणयन हुआ। आदिम प्रजातियों तथा विभिन्न प्रांतों के लोकगीतों में रामकथा जन जन में गूंजती रही है।

विदेशों में तिब्बती रामायण, पूर्वी तुर्किस्तान की खोतानी रामायण, इंडोनेशिया की ककबिन रामायण के साथ साथ जावा, सूरीनाम, मम्यार और थाईलैंड के रामायण में अपनी-अपनी तरह से रामकथा का वर्णन है।

गीता के रामः शस्त्रभृतामहम-अर्थात शस्त्र धारण कर्ताओं में मैं राम हूं तथा वाल्मीकि रामायण के आदर्श मानव राम जो सदाचरण और पुण्य के प्रतीक हैं, जो रावण जैसे दुष्ट और पाप के प्रतीक का विनाश करते हैं। राम जो उद्धारक हैं शनैः शनैः अलौकिकता की ओर बढ़ते हैं।

> कबीर को केवल राम से आशा है -कबीर आसा करिये राम की अबरै आस निराश। कबीर अपने सिद्धांतों के मान्यताओं के प्रबल अनुयायी थे। मरण के पूर्व मगहर यह कह कर गए-जो काशी तन तजै कबीरा, रामहि कौन निहोरा। कबीर के राम दशरथ नंदन अयोध्यापति न होकर परमब्रह्म परमेश्वर थे जिन्हें कबीर विश्वधर्म, मानवधर्म के प्रवर्तक के रूप में देखते हैं।

शतपथ ब्राह्मण से अवतारवाद की अवधारणा उद्धृत होती है। पौराणिक युग में विष्णु का महत्व बढ़ने लगा। त्रिदेवों में विष्णु सृष्टि के पालनकर्ता हैं, ब्रह्मा और शिव के भी वंदनीय हैं। राम को विष्णु के अवतार के रूप में प्रतिष्ठित किया गया।

उत्तर वैदिक काल में ब्राह्मण धर्म के जटिल कर्मकांड और यज्ञ्व्यवस्था के विरुद्ध प्रतिक्रिया स्वरूप सुधारात्मक रूप में जब भागवत धर्म का उदय हुआ तो भागवतों के इष्ट कृष्ण थे। राधाकृष्ण के प्रेमतत्व तथा धर्म संस्थापक के रूप में कृष्ण को चरम लोकप्रियता प्राप्त हुई। पांचवीं शताब्दी के आसपास दक्षिण भारत के आलवार संतों ने विष्णु आराधना और विष्णु के विभिन्न अवतारों के प्रति असीम भक्ति भावना प्रसारित किया। आलवार संतों के अंतःकरण और चरित्र दैवीय गुणों से ऐसे आलोकित थे की उन्होंने श्रीहरि विष्णु की भक्ति के माध्यम से समाज के वर्णगत और धनगत विषमता को दूर किया। इनके बारह संतों गुरुवों की ऐसी ख्याति हुई की कालांतर में मंदिरों में विष्णु के साथ उनकी भी प्रतिमाएं लगाकर विष्णु के साथ उनकी पूजा का भी विधान किया गया।

आलवार संतों की ही परंपरा के रामानुजाचार्य -1016-1137 ने राम के सगुण भक्ति और अवतारवाद को विकसित किया। रामानुज संप्रदाय के अंतर्गत रामभक्ति और रामोपासना विषयक सहिंताएं और उपनिषदों की रचना हुई। ईस्वी सन की पहली शताब्दी में राम, विष्णु के अवतार के रूप में प्रतिष्ठित हुए उसके एक हजार साल बाद देश में रामोपासना को महत्व मिला जिसमें सर्वाधिक योगदान दक्षिण भारत की संस्कृति का है।

उत्तर भारत में राम भक्ति को लोकप्रियता प्रदान करने का कार्य रामानुज संप्रदाय के ही रामानंद-1356-1470 ने किया। रामानंद दक्षिण में जन्मे की प्रयाग या काशी में इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि रामानंद के अध्यात्म रामायण का राम के ब्रह्मत्व की स्थापना में बड़ा योगदान है। रामानंद ने राम को प्रकृति से परे परमात्मा, अनादि, आनंदघन, अद्वितीय पुरुषोत्तम के रूप में स्थापित किया।

चौदहवीं-पंद्रहवीं शताब्दी तक उत्तर भारत में रामानुज मत का कोई व्यापक प्रचार नहीं था। रामानंद यद्यपि रामानुज संप्रदाय के ही थे। परन्तु स्वच्छंद और स्वतन्त्र विचार के संत होने के कारण उनके गुरु राघवानंद ने रामानंद को पृथक संप्रदाय बना लेने का निर्देश दिया। फलतः रामानंद ने वैरागी संप्रदाय-रामावत संप्रदाय की स्थापना की-चार बरन आश्रम सबहि को भक्ति दृढ़ाई। इस वैरागी संप्रदाय से निर्गुण और सगुण रामोपासना की दो धाराएं निकली। एक धारा में कबीर, रैदास-रविदास, पीपा, धना, सेन आदि थे तो दूसरे सगुण धारा में अनंतदास, तुलसीदास हुए। भक्ति द्रविण उपजी लाये रामानंद, प्रकट करी कबीर ने सात द्वीप नवखंड। भक्ति संप्रदाय के रामानंद के साधुओं की टोली पूरे देश में- जाति पांति पूछे नहि कोई हरी को भजे सो हरी का होइ - का उद्घोष करते हुए रामोपासना का अलख जगाते रहे और रामनाम के महामंत्र को गांव गांव, घर घर पहुंचा दिया।

रामानंद के प्रखर शिष्य कबीर का मूलमंत्र रहा-राम मा दोइ आखर सारा, कहै कबीर तिहुंलोक पियारा-जिन्होंने रामनाम को वेदमंत्र से अधिक महत्त्व दिया-तू ब्राह्मन मैं काशी का जुलाहा मोहि तोहि बराबरी कैसे की बनहि/ हमरे राम नाम कहि उबरे वेद भरोसे पांडे डूब मरहि।

कबीर को केवल राम से आशा है-कबीर आसा करिये राम की अबरै आस निराश। कबीर अपने सिद्धांतों के मान्यताओं के प्रबल अनुयायी थे। मरण के पूर्व मगहर यह कह कर गए-जो काशी तन तजै कबीरा, रामहि कौन निहोरा। कबीर के राम दशरथ नंदन अयोध्यापति न होकर परमब्रह्म परमेश्वर थे जिन्हें कबीर विश्वधर्म, मानवधर्म के प्रवर्तक के रूप में देखते हैं।

सिखों के अतिपावन ग्रंथ आदिग्रंथ में गुरु रामदास ने संत रविदास का यशोगान करते हुए कहा है-रविदास चमार उस्तति करै हरि कीरति निमिष इक गाई/ पतित जाति उत्तम भया चारि बरन पये पगि आई।

अर्थात पतित चमार जाति में जन्म लेकर संत रविदास ने हरि की महिमा का ऐसा गान किया की वे श्रेष्ठ पुरुष बन गए और चारों वर्णों के लोग उमके पांव पड़ने लगे।

संत रविदास जन्मजात ब्रह्मज्ञानी थे परन्तु अपने गुरु रामानंद की यात्राओं में साथ रहने पर सत्संग करते रहने पर वे शास्त्र ज्ञान से भी परिपूर्ण हो गए थे। झाली रानी रतन कुअंरि तथा मीराबाई संत रविदास के शिष्यों में प्रमुख थे। संत रविदास की रामभक्ति से वर्णाश्रम व्यवस्था की नीव हिल गई थी। वेद -विद्वान् ,वेदांग निष्णात ब्राह्मण इस दलित संत को दंडवत करने लगे थे।

मोसों सकुचत छुई सब छाहून-मैं इतना बड़ा अछूत हूं की मेरी छाया तक छूने में लोग संकोच करते हैं ऐसा तुलसी रामनाम की महिमा से सुखी हुआ-कहा न कियो कहां न गयो सीस काहि न नायो/ राम रावरो बिन भये जन जनमि जनमि जग दुःख दशहु दिसि पायो।

अपने-अपने सब के राम का आज के संदर्भ में यही संदेश है कि-सबसों सनेह सबहि को सन्मानिये। राम वह तत्व है जो सबसे स्नेह करता है—ईर्ष्या द्वेष का कारण नहीं बनता। रामराज का यही उद्देश्य था- सब नर करहिं परस्पर प्रीति चलहिं स्वधर्म निरत श्रुतिनीति। सभी प्राणियों में प्रेम रहे और सब ऋत -ब्रह्मांडीय नियमों के अनुसार अपने कर्तव्य का पालन करते रहें यही रामराज है यही ईश्वरीय सत्ता है। अंत में—जड़ चेतन जग जीव जत सकल राममय जानि/ बंदउ सब के पदकमल सदा जोरि जुग पानि।

प्रसंगवश

पतन का मूल कारण

डॉ सुधांशु के. मिश्रा
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

जिस संस्कृति में बाहरी दुनियां और उसमें अच्छा करने के बारे में हीन भावना फैलाई जाती रही हो और तथाकथित अध्यात्म विद्या का बेतरीका महिमा मंडन होता रहा हो, वह संस्कृति पतन का स्वागत करती है। यही भारत के पतन का मूल कारण है। शरीर का होना अध्यात्म चिंतन के लिए भी आवश्यक है। शरीर से मुक्त आत्मा अध्यात्म विद्या में कोई रुचि नहीं लेता। और शरीर का होना रोटी मांगता है। यह शंकराचार्य के लिए भी सही है और बुद्ध के लिए भी। भौतिक जीवन में अत्यधिक रति और अध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा जितनी निंदनीय है, उतनी ही निंदनीय है। भौतिक जीवन की उपेक्षा और अध्यात्मिक जीवन की प्रतिष्ठा। अति दोनों जगहों पर निंदनीय है।

विज्ञान हमें बताता है कि अल्प मात्रा में सभी ड्रग किसी न किसी बीमारी की दवा हैं। यह तंबाकू, अफीम, धतूरा से लेकर रेडिएशन्स तक सही है। लेकिन वही ड्रग अधिक मात्रा में विष हैं, मारक हैं। उसी तरह सीमा से अधिक भक्ति और अध्यात्म जहर का काम करते हैं और सीमा से अधिक भोग भी, भौतिकता भी। आचार्यों एवं उपदेशकों का कर्तव्य है कि वे इस सीमा का निर्धारण करें और तदनुसार प्रवचन करें।

हमारे उपदेशक बहुधा अनजाने में पाखंडवाद सिखलाते हैं। श्रोता जब विरक्ति, भक्ति, माया, इत्यादि पर अनर्गल प्रलाप सुन कर घर लौटता है तो वह पाता है कि जीने के लिए उपदेशों से हट कर चलना आवश्यक है। इस तरह वह दोहरी जिंदगी जीने के लिए विवश हो जाता है। उसके मुंह में राम और बगल में छुरी रहने लगती है। यह दोहरा जीवन सामाजिक पूंजी के क्षरण का कारण होता है।

अति भक्ति चोरों का लक्षण बन जाती है। हमारा चारित्रिक पतन अति आदर्शवाद के चलते हुआ है। इसमें बाबा लोगों का बहुत बड़ा रोल है। अधिकतर बाबा त्याग और संयम का उपदेश देकर अरबपति बन जाते हैं और कुछ जेल तक चले जाते हैं। इसीलिए, जब कोई आदमी अध्यात्म की बातें करने लगता है तो मैं सावधान हो जाता हूं। मेरा व्यक्तिगत विचार है कि आए दिन होने वाले प्रवचन सुनने और पतुरिया का नाच देखने में ज्यादा फर्क नहीं है। बाबा और पतुरिया दोनों ही भाड़े पर आते हैं, गायक वादकों के साथ।

हेपेटाइटिस की बढ़ती चुनौतियां और खतरे

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी
अंबेडकरनगर

> सरकार काफी आशान्वित हैं कि यदि 2024 और 2026 के बीच स्थितियों में सुधार लाया जाए, तो हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम पटरी पर लाया जा सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट में भारत में हेपेटाइटिस की चुनौतियों और खतरों का उल्लेख है। हेपेटाइटिस शब्द यकृत की किसी भी सूजन को संदर्भित करता है- किसी भी कारण से लीवर कोशिकाओं में होने वाली जलन या सूजन। यह तीव्र भी हो सकता है। लीवर की सूजन छह महीने से अधिक समय तक भी रहती है, लेकिन अनिवार्य रूप से इसका कोई लक्षण नहीं दिखाई देता है। आमतौर पर यह ए,बी,सी,डी, और ई सहित हेपेटोट्रोपिक वायरस के एक समूह के कारण होता है। अन्य वायरस भी इसका कारण हो सकते हैं, जैसे कि वैरिकाला वायरस जो चिकन पॉक्स का कारण बनता है।

डब्ल्यूएचओ की रपट के मुताबिक लीवर से जुड़ी यह बीमारी घातक भी साबित हो सकती है और बाद में कैंसर का रूप भी धारण कर सकती है। हेपेटाइटिस बी और सी को लेकर भारत में जागृति बहुत कम है, क्योंकि इनके लक्षण ही पेचीदा हैं। चूंकि यह भी वायरल संक्रमण की बीमारी है, लिहाजा डॉक्टर भी लक्षणों का अध्ययन करते समय गलत निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं।

भारत में हेपेटाइटिस बी के करीब तीन करोड़ संक्रमित मरीज हैं, जबकि हेपेटाइटिस सी के 50 लाख से अधिक लोग बीमार हैं। लीवर की सूजन और संक्रमण के साथ इन बीमारियों का बोझ उठाने वाला भारत विश्व में ऐसा दूसरा देश है। वह दिन दूर नहीं, जब विश्व में सर्वाधिक हेपेटाइटिस संक्रमण भारत में होगा। भारत में ही 2022 में हेपेटाइटिस ने एक लाख से अधिक जिंदगियां छीन ली थीं। चिंताजनक पक्ष यह है कि बहुत कम संक्रमित लोगों के लक्षण स्पष्ट हो पाते हैं, लिहाजा वे निदान और इलाज के दायरे में नहीं आ पाते।

हेपेटाइटिस सी के 30 फीसदी से कम मामलों की पहचान हो पाती है, लिहाजा लीवर का यह संक्रमण ज्यादा घातक, यहां तक कि जानलेवा, साबित हो सकता है। हेपेटाइटिस बी के आंकड़े मात्र 3 फीसदी ही बताए जाते हैं। नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम का लक्ष्य 2030 तक भारत को हेपेटाइटिस सी से मुक्त कराना है। हेपेटाइटिस बी से जुड़ी रुग्णता, मृत्यु-संख्या और मृत्यु-दर को भी 2030 तक ही काफी कम करना है। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार काफी आशान्वित हैं कि यदि 2024 और 2026 के बीच स्थितियों में सुधार लाया जाए, तो हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम पटरी पर लाया जा सकता है। भारत में हेपेटाइटिस बी संक्रमण मामलों का अभी तक जो विश्लेषण किए गए हैं, उनमें संक्रमण मां से शिशु की ओर गया है। टीकाकरण से भी इस बीमारी और संक्रमण के विस्तार को रोका जा सकता है। भारत में टीकाकरण भी काफी अनियमित है और शिशु के जन्म लेने के तुरंत बाद जो टीकाकरण किया जाना चाहिए, उसके प्रति अशिक्षित और अज्ञानी जमात गंभीर नहीं है, लिहाजा शिशु की इम्युनिटी प्रभावित होती है। भारत में 50 फीसदी से कम शिशुओं को सभी आवश्यक टीके समयानुसार दिए जाते हैं। बहरहाल हेपेटाइटिस सी का इलाज अपेक्षाकृत आसान और संभव है। एंटी-वायरल बीमारी का इलाज कर सकते हैं और दीर्घकाल में लीवर को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में हेपेटाइटिस का उपलब्ध इलाज दुनिया में सबसे सस्ता है। करीब 70 फीसदी मरीज निदान और इलाज नेटवर्क से दूर भागते रहते हैं और प्राथमिक चिकित्सा को दोष देते रहते हैं।

हेपेटाइटिस बी को भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत शामिल किया गया है। जो हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी, खसरा, रूबेला, जापानी इंसेफेलाइटिस, रोटावायरस डायरिया के कारण ग्यारह (हेपेटाइटिस बी को छोड़कर) वैक्सीन-रोकथाम योग्य बीमारियों यानी तपेदिक, डिप्थीरिया, पर्टुसिस, टेटनस, पोलियो, निमोनिया और मेनिनजाइटिस के खिलाफ मुफ्त टीकाकरण प्रदान करता है। बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और थाईलैंड विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में हेपेटाइटिस बी को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने वाले पहले चार देश बन गए हैं।

बात ताजा रपट की कि जाए तो चूंकि यह चेतावनी विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से आई है, लिहाजा सरकारों के स्तर पर इस संक्रमण को संबोधित किया जाना चाहिए। बेशक हेपेटाइटिस हो अथवा टीबी हो, इन संक्रामक बीमारियों को लेकर जरा-सी भी कोताही नहीं बरतनी चाहिए। कोरोना काल के दौरान जिस तरह सजगता के साथ काम किया गया, उसी पैटर्न पर काम करने की जरूरत है।

सोशल फोरम

दि ग्रेट डिक्टेटर

वीर विनोद छावड़ा
वरिष्ठ लेखक, लखनऊ

दुनिया के महान कॉमेडियन-फिलॉस्फर चार्ली चैपलिन ने यूं तो कई फिल्में बनाईं लेकिन 'दि ग्रेट डिक्टेटर' चार्ली चैपलिन की सबसे कामयाब, उद्देश्यपूर्ण और चर्चित फिल्म है। यह चैपलिन की पहली बोलती फिल्म भी रही। हालांकि इसका एक अच्छा हिस्सा ज़रूरत के मुताबिक़ साइलेंट है, चैपलिन की पिछली फिल्मों की तरह। 1940 में रिलीज़ हुई 'दि ग्रेट डिक्टेटर' चैपलिन ने उस दौर के एक वीभत्स सोच के जर्मन नस्लवादी और खब्ती किस्म के इंसान हिटलर का मखौल उड़ाने की गरज से बनाई थी, जिसके सनकपन ने दुनिया को दूसरे विश्वयुद्ध में धकेला था। लेकिन चैपलिन को कई तरह के खतरे भी थे। ऐसा न हो बजाय हिटलर का मज़ाक उड़ने की जगह वो और उनकी फिल्म ही हंसी की सामग्री बन जाए। और मुमकिन है कि नाजी सोच के लोग उनको दुनिया से उड़ा दें। इसीलिए रिलीज से पहले उन्होंने एक लंबा रिसर्च भी कराया। अपने दोस्तों से सलाह ली। कई ने मना किया कि बहुत बड़ा रिस्क है। हो सकता है कि कई देशों में ये प्रतिबंधित हो जाए। नाज़ियों के समर्थकों और विरोधियों के बीच भीषण दंगे भी हो सकते हैं। युद्ध की विभीषिका झेल रहा यूरोप ज्यादा बड़े संकट में भी आ सकता है। यह भी संभव है कि इस युद्ध में नाज़ियों की जीत हो और नतीजतन चैपलिन को बीच चौराहे सूली पर लटका दिया जाए।

मगर चार्ली चैपलिन ने अपने मित्र डगलस फेयरबैंक्स की सलाह पर फैसला किया कि दुनिया के महाखलनायक का मुकाबला उसी की शक्ल का दुनिया का महाविदूषक चार्ली चैपलिन करेगा। ऐसा करना उनका फर्ज है और मानवता व सच की सेवा भी। जान जाती है तो जाए। जब 'दि ग्रेट डिक्टेटर' रिलीज़ हुई तो सचमुच हंगामा हो गया, सुपर हिट हुई। मगर हिटलर की नाजी सोच के समर्थकों के डर से दक्षिण अमरीका के कई देशों में प्रतिबंधित हुई। यूरोप में भी इसके विरुद्ध प्रदर्शन हुए। कई जगह से फिल्म उतार ली गई। इंग्लैंड ने शुरू में विरोध के दृष्टिगत इसकी रिलीज़ रोकने का फैसला किया। लेकिन कुछ अफसरों ने फिल्म देख कर सरकार को मशविरा दिया कि नाज़ियों के विरुद्ध प्रोपेगंडा के लिए ये फिल्म मज़बूत हथियार है।

-फेसबुक वॉल से

राम अवतार भी हैं और ब्रह्म का पर्याय भी

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

> मानव सभ्यता का सबसे पहला ग्रंथ ऋग्वेद है, जिसमें राम का नाम आया है। इस नाम का धर्मात्मा और प्रतापी राजा हुआ है। सीता को असुर संहारिणी देवी के रूप में स्मृत किया गया है।

बहु प्रचलित लोक मान्यता के अनुसार राम अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र थे, जिनका जन्म त्रेता युग के अंत में चैत्र शुक्ल नवमी को कौशल्या की कुक्षि से हुआ और उनकी कथा बहु श्रुत है। वैसे इस शब्द का अर्थ और नाम, रूप, विग्रह अनेक हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने भी 'रामचरितमानस' में साफ कहा है, 'नाना भांति राम अवतारा। रामायण सत कोटि अपारा'। संत कबीर भी कहते हैं, 'दसरथ सुत तिहुं लोक बखाना। राम नाम कर मरमु है आना'। सामान्यतया राम को इसी चतुर्युगी के त्रेता के अंत में जन्मा माना जाता है। संप्रति वैवस्वत मन्वंतर की 27 वीं चतुर्युगी चल रही है, किंतु हरिवंश पुराण के अनुसार राम 24 वीं चतुर्युगी के त्रेता में हुए। दशावतारों का उल्लेख करने वाले श्लोक में तीन अवतारों को राम कहा गया है, जो हैं परशुराम, राम और बलराम। 'वनजौ वनजौ खर्वः त्रिरामो सकृपोऽकृपः। अवतारादशैवेते कृष्णस्तु भगवान् स्वयम्'। राम के इस 27 वें त्रेता वाले अवतार की कथा वाल्मीकि ने 24 हजार श्लोकों में लिखी, जो सर्वाधिक मान्य है, क्योंकि वे राम के समकालीन थे, जैसा कि इस रामायण के शुरुआती श्लोकों से हो स्पष्ट हो जाता है। इन्हें आदि कवि कहा गया और ज्यादातर यह पहली रामकथा की मान्यता लिए है। वैसे 'दशरथ जातक' इसके पहले की रचना है, जिसमें राम की कथा विद्यमान है।

मानव सभ्यता का सबसे पहला ग्रंथ ऋग्वेद है, जिसमें राम का नाम आया है। इस नाम का धर्मात्मा और प्रतापी राजा हुआ है। सीता को असुर संहारिणी देवी के रूप में स्मृत किया गया है, जिसके नयनोन्मीलन, निमीलन से सृष्टि का सृजन संहार होता है। वेद से पहले भला कौन ग्रंथ था? यानी यह तो त्रेता के पहले की ऋचाएं हैं, भगवान विष्णु की श्वास से निःसृत हुईं और शून्य में व्याप्त हो गईं, जिन्हें ऋषियों ने देखा और संग्रह किया। इसीलिए वे मंत्र द्रष्टा कहलाए और वेद संहिताएं कही गईं। वेदांत ग्रंथ उननिषदों में अलग 'रामोपनिषद्' और 'सीतोपनषद्' हैं। वाल्मीकि के ही एक अन्य संकलन 'योग बासिष्ठ' में रामों की संख्या 73 कही गई है। एक कथा के अनुसार हनुमान जी जब मुद्रिका लिए सीतान्वेषण में तत्पर थे, तो उन्हें प्यास लगी। एक ऋषि आश्रम में वे अंजुली से जल पीने लगे और उसके पहले वह मुद्रिका उनके कमंडलु में डाल दी। जल पीकर जब वे उन्होंने मुद्रिका उठानी चाही, तो उसमें तमाम वैसी ही मुद्रिकाएं दिखाई दीं। चकित हनुमान ने जब ऋषि से पृच्छा की, तो उन्होंने कहा युग युग में आप इसी हेतु आते रहे हैं और ये सब राम मुद्रिकायें ही हैं, जिन्हें आपने जल पीते सभय इसमें रक्खा था। धार्मिक मामलों में तर्क नहीं चलता है। कहते हैं 'मजहब में अकल का दखल नहीं है'। बस इससे राम और उनकी कथाओं की अनन्तता का भान होता है।

दरअसल राम अवतार भी हैं और ब्रह्म का पर्याय भी, जो सबमें रमा है या रमण करता है। यह एक मंत्र है, जिसका जप ॐ के समान परिणाम देने वाला है, जो सृष्टि सृजन के समय हुए 'स्फोट' का स्वर है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त भी उन्हें सबमें रमा हुआ बताते हैं फिर भी अयोध्था पंचवटी आदि में उनका विशेष वास कहा है। कबीरदास ने 'रमैया की दुलहिन लूटा बजार' कहकर राम को ब्रह्म माना है; तभी तो ब्रह्म की माया को 'राम की दुलहिन' बताया है। उनका सम्यक् ज्ञान हो जाने से तो व्यक्ति 'पूर्ण' होकर उनमें समाहित ही हो जायगा, जिसे तुलसी ने 'जानत तुम्हइ तुम्हइ होइ जाई' कहा है। राम वह परब्रह्म है, जो कुतत्वों के निराकरण हेतु 'सम्भवामि युगे युगे' होते हैं, जिनके नाम रूप असंख्य और वर्णनातीत हैं।

बात करना शायद एक लुप्त होती कला

संजय वर्मा
इंदौर

शायद हम सब बात करना भूल गए हैं। अकेलेपन की शिकायत तो करते हैं पर कोई मिले तो आप कैसे हैं से शुरू हो कर कभी घर आईए तक एक दो मिनट में बात खत्म हो जाती है। बातों की डोर के बगैर रिश्ते जुड़े कैसे? बात करना शायद एक लुप्त होती कला है। मैं जिस तरह के लोगों के बीच उठता बैठता हूं वे बहुत पढ़े-लिखे और कामयाब लोग हैं। मगर डिग्रियों और कामयाबी की चिंता में हम सबने अपने सामाजिक हुनर खो दिए हैं। हमारा आईक्यू भले ही ज्यादा हो, मगर सामाजिक बुद्धिमत्ता बहुत कम हो गई है। कभी लगता है समर कैंप में हॉबी क्लासेज में एक क्लास बात कैसे करें पर भी होनी चाहिए।

बात करना सूचनाओं का आदान प्रदान नहीं है। बतरस का आनंद लेना जैसे एक इमारत बनाने जैसा है जिसमें बातों की ईंट पर ईंट रखकर दीवारें चुनी जाती हैं, किस्सों के मेहराब गढ़े जाते हैं, व्यंग्योक्तियों, मुहावरों के आर्टीफैक्ट्स से सजाया जाता है। बात में से बात निकाली जाती है। मगर अफसोस किसी स्कूल में यह जरूरी हुनर नहीं सिखाया जाता। फिर जब ऐसे अनपढ़ लोग किसी पार्टी में मिलते हैं और उन्हें कोई बात नहीं सूझती तो वे जहरीली सियासी बहस पर उतर आते हैं। आधे एक पार्टी के पक्ष में हो जाते हैं और बाकी दूसरी के। राजनीति पर बहस के अचानक प्रचलन में आने के पीछे एक कारण यह भी हो सकता है कि लोग कोई दूसरी बात करना जानते ही नहीं।

ऐसे में मुझे मेरी मौसी याद आती है। वे अनपढ़ ठेठ गंवार थीं। न स्कूल गईं न दुनिया देखी। पर जब बोलतीं तो लोग मंत्र मुग्ध होकर उनकी बातें सुनते। शादी ब्याह में तो जैसे वे फुल फॉर्म में होतीं। हर बात पर कटाक्ष, ताने, मुहावरे, मजाक! लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते। महिलाएं ही नहीं कभी-कभी तो घर के बड़े बूढ़े भी जिनसे उनका ससुर जेठ का रिश्ता था वे भी निशाने पर आ जाते और उन्हें भागने को जगह न मिलती।

इन दिनों चश्मा चढ़ाए आईआईटी की तैयारी कर रहे हैं बच्चों से कभी बात करता हूं, तो लगता है जैसे कोई मंजिल की चिंता में रास्ते में लगे फूल पौधों को देखना भूल गया है।

पत्नियां पति से बातचीत के नाम पर पुलिसिया इंटेरोगेशन कर रही हैं-कहां गए थे? कब लौटोगे? क्या खाओगे? अमेरिका गए बच्चों के मां-बाप उनसे सुबह-शाम वीडियो कॉल पर बात कर रहे हैं। पर वही घिसा पिटा रिकॉर्ड-आज खाने में क्या खाया, ठंड तो नहीं है, तबीयत कैसी है..! कभी लगता है उन्हें एक दिन की बातचीत रिकॉर्ड कर रोज उसका टेप चला देना चाहिए। शादियों में लोग यूं खामोश बैठे रहते हैं कि किसी शोक सभा का गुमां होता है। जीवन के नौ रस हुआ करते थे, यह फेहरिस्त अब संक्षिप्त होती जा रही है। यह एक अजीब बदलाव है। हमारे पुरखों का एक्सपोजर सीमित था। उन्होंने दुनिया कम देखी थी। हमने उनके मुकाबले ज्यादा दुनिया देखी, ज्यादा घूमे, ज्यादा पढ़े। पर फिर उनके पास हमसे ज्यादा किस्से कैसे थे? क्या इसका संबंध संघर्ष से है? क्या परस्पर निर्भरता की मजबूरी ने उन्हें बात करना सिखा दिया और हमे टेक्नोलॉजी ने आत्म निर्भर बना कर उसकी आवश्यकता खत्म कर दी। हो सकता है जो लोग जीने के लिए संघर्ष करते हों, वे यह किस्सागोई का हुनर सीख जाते हों, और आज जिस मध्यम वर्ग का रोना मैं रो रहा हूं उनके जीवन में कोई संघर्ष ही नहीं है। यदि संघर्ष और किस्सागोई का कोई रिश्ता है, तो इसका मतलब यह मुश्किल समय में जिंदा बचे रहने का जरूरी हुनर है।

गुजरात में क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगा सकती है भाजपा

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य गुजरात में पिछले दो लोकसभा चुनावों से भाजपा क्लीन स्वीप कर रही है। अबकी बार 400 पार का नारा लेकर चल रही भाजपा राज्य में लगातार तीसरी बार सभी 26 लोकसभा सीटें जीतकर क्लीन स्वीप जीत की हैट्रिक लगाने की राह तैयारी में जुटी है। गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान एक ही चरण में सात मई को होगा। कांग्रेस ने भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी से गठबंधन किया है। राज्य में कांग्रेस 24 और आप दो सीटों भरूच और भावनगर में चुनाव लड़ रही है।

गुजरात में पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने सभी 26 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में कोई भी सीट नहीं आई थी। भाजपा जहां फिर से सभी सीटें हथियाने के लिए जोरदार प्रचार अभियान चला रही है, वहीं राज्य में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही कांग्रेस इस बार आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर भाजपा की क्लीन स्वीप जीत की हैट्रिक रोकने के लिए दमखम लगा रही है। 2022 में गुजरात विधानसभा के चुनावों में भाजपा ने सबसे बड़ी जीत हासिसल की थी और 2017 के विधान सभा चुनाव में सत्ता के करीब पहुंची कांग्रेस को केवल 17 सीटों पर समेट दिया था। इसके बाद से 2024 के चुनावों में क्या कांग्रेस वापसी कर पाएगी ? इसे लेकर लगातार अटकलें लग रही हैं।

कांग्रेस को 40 फीसदी से अधिक वोट मिलने पर ही कुछ सीटें मिल सकती हैं

- हालांकि यह भी तथ्य है कि राज्य में जब भी कांग्रेस का वोट शेयर 40 फीसदी से ऊपर गया है, उसके हाथ कुछ सीटें जरूर लगी हैं। 2009, 2004 और 1999 के चुनावी आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं। 2009 में कांग्रेस को 11 सीटें मिली थीं और उसे 43 .38 फीसदी वोट हासिल हुए थे जबकि भाजपा को कांग्रेस से करीब तीन फीसदी ज्यादा वोट मिले थे और पार्टी को 15 सीटें मिली थीं। 2004 में भी कमोबेश यही स्थिति थी, भाजपा को तब 45 .02 फीसदी वोट के साथ 14 सीटें मिली थीं और कांग्रेस के हाथ में 43 .86 फीसदी वोट के साथ 12 सीटें आई थीं।

पिछले चुनाव में कांग्रेस पर थी 30 फीसदी वोटों की बढ़त

गुजरात
राज्य में भाजपा का जन समर्थन लगातार बढ़ रहा है, और कांग्रेस का जनाधार घट रहा है। भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में 59 .05 फीसदी वोट प्राप्त किए थे, वहीं 2019 में यह आंकड़ा बढ़कर 62 .21 फीसदी पर पहुंच गया। इसके मुकाबले कांग्रेस क्रमश: 32 .86 और 32 .11 फीसदी ही वोट प्राप्त कर सकी थी। 2014 में भाजपा जहां कांग्रेस से वोट शेयर में करीब 27 फीसदी आगे थी, वहीं 2019 में उसकी बढ़त 30 फीसदी से ज्यादा थी।

32.86 प्रतिशत कांग्रेस को 2014 के चुनाव में मिले थे मत

32.11 प्रतिशत कांग्रेस को 2019 के चुनाव में मिले थे मत

59.05 भाजपा का 2014 लोकसभा चुनाव में था मत प्रतिशत

62.21 प्रतिशत भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनाव में मिले मत

1.17 फीसदी 2014 लोस चुनाव में आप के थे मत

13.0 आप को 2022 के विस, चुनाव में मिले थे मत

आप पर विस चुनाव जैसे प्रदर्शन, कांग्रेस पर वोट शेयर बढ़ाने का दबाव

- कांग्रेस और आप नेताओं का कहना है कि विधानसभा चुनावों के आंकड़े अब इतिहास हैं। उनका तर्क है कि मतदाताओं की भावनाओं में बदलाव और एक नए गठबंधन के गठन के साथ दोनों दल लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ अपने एकीकृत मोर्चे के लिए अधिक संख्या में समर्थक जुटाने में सक्षम होंगे। अब यह तो समय ही बताएगा कि दोनों के गठबंधन को एक साथ कितना वोट शेयर मिलता है। लेकिन इतना तय है कि भाजपा को क्लीन स्वीप से रोकने के लिए लोकसभा चुनाव में जहां आम आदमी पार्टी को विधानसभा चुनाव जैसा प्रदर्शन करना होगा, वहीं कांग्रेस को भी सीटें हासिल करने के लिए अपना वोट प्रतिशत 40 के आसपास पहुंचाने के लिए जोर लगाना पड़ेगा, जो मौजूदा परिस्थितियों में आसान नहीं नजर आ रहा है। इसकी वजह यह है कि गुजरात में कांग्रेस अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन मोढ़वाडिया, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अंबरीश डेर ने लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पार्टी का साथ छोड़ दिया था, तो उससे पहले चार विधायक भी कांग्रेस से नाता तोड़ चुके थे। हाल ही में पार्टी प्रवक्ता रोहन गुप्ता ने भी कांग्रेस को अलविदा कह दिया है। इसके अलावा जिला और पंचायत स्तर पर भी सैकड़ों पदाधिकारी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

2014 और 2019 में भाजपा ने राज्य की सभी 26 लोकसभा सीटों पर हासिल की थी जीत

कांग्रेस ने किया है आम आदमी पार्टी से गठबंधन लेकिन वोट शेयर में दोनों दल काफी पीछे

विस चुनाव में कांग्रेस व आप को 40% तो भाजपा को 52% मत

- भाजपा अपने मजबूत गढ़ गुजरात में जमीनी स्तर पर लगातार अपनी पैठ मजबूत करने पर काम कर रही है। इसके लिए वह चुनाव का इंतजार नहीं करती। भाजपा संगठन हमेशा सक्रिय रहता है। वहीं कांग्रेस का जनाधार लगातार खिसकता जा रहा है। इसी के चलते वह चुनावी चुनौती में भाजपा का मुकाबला नहीं कर पा रही है। जमीनी हालत से वाकिफ कांग्रेस ने इस बार रणनीति बदली है। आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन कर उसे दो सीटें दी हैं। हालांकि 2014 के लोकसभा चुनाव में जब आप अकेले मैदान में उतरी थी तो उसे 1.17 फीसदी वोट ही मिले ही थे, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में आप को करीब 13 फीसदी वोट मिले थे। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 52 .50 प्रतिशत वोट मिले थे। इसके मुकाबले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आप की साझा मतदाता हिस्सेदारी 40 .2 प्रतिशत थी।

मन में राम...तन में राम

जात-पात का इम्तिहान ले रहा चुनावी अध्यात्म

फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट
7.20 लाख ओबीसी मतदाता | **4.70** लाख दलित मतदाता
होंगे भाजपा को दिव्य और भव्य जीत दिलाने में निर्णायक

ऐसा माना जा रहा था कि भव्य, दिव्य और नव्य अयोध्या यानी फैजाबाद लोकसभा सीट से भाजपा इस बार अपने किसी दिग्गज को चुनाव के मैदान में उतार कर राम मंदिर के संदेश को रामराज्य का ऐसा जयघोष बनाएगी जिससे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की वह भावना बलवती होगी, जिसमें धार्मिक तथा जातीय आधार की कोई जगह नहीं होगी। लेकिन पार्टी ने इस तरह का कोई भी जोखिम उठाने के बजाए अपने मौजूदा सांसद लल्लू सिंह पर ही भरोसा जताना ठीक समझा। हालांकि भाजपा की संभावित रणनीति से निपटने के लिए समाजवादी पार्टी ने काफी पहले अपने बड़े दलित नेता अवधेश प्रसाद को फैजाबाद सीट से प्रत्याशी घोषित कर प्रचार भी शुरू करा दिया था। जिले की सोहावल और मिल्कीपुर विधानसभा से नौ बार चुनाव जीतने वाले अवधेश प्रसाद सपा से उसकी स्थापना के समय से जुड़े हैं। फैजाबाद और आसपास के क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ है। वह मुलायम सिंह यादव के करीबी गिने जाते थे। भाजपा और सपा प्रत्याशियों के मुकाबले बसपा सुप्रीमो मायवती ने ब्राह्मण कार्ड खेलते हुए अंबेडकरनगर के भाजपा जिलाध्यक्ष रहे सच्चिदानंद पांडेय 'सचिन' को मैदान में उतारकर चुनावी लड़ाई रोचक बनाने का प्रयास किया है।

लल्लू सिंह को जीत की हैट्रिक का पूरा भरोसा, सपा विधायक अवधेश प्रसाद व बसपा के सच्चिदानंद पांडेय बन रहे रोड़ा

विवेक सक्सेना, अयोध्या

अमृत विचार : अयोध्या (फैजाबाद) लोकसभा सीट ने राम मंदिर बनने से पहले सियासत और आस्था के तमाम उतार-चढ़ाव देखे हैं। सरकारें बनती-बिगड़ती रहीं लेकिन अयोध्या नहीं बदली। हालांकि अब भव्य राम मंदिर के निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या जगमग हो उठी है। चारों ओर माहौल राममय है। हर रोज एक लाख दर्शनार्थियों का आगमन, नया रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट, चौड़ी और चमचमाती सड़कें। सरयू के सजे-संवरे घाट, होटलों की श्रृंखला, टाउनशिप का काम, पर्यटकों की सुविधा के हर इंतजाम, अयोध्या के विकास की नई कहानी सुना रहे हैं। लेकिन चुनाव हैं तो हर बात कसौटी पर कसी जाएगी। जाति-बिरादरी की भी बात आएगी। यही वजह है कि चौराहों और चौपालों पर होने वाली चुनावी चर्चा में राम मंदिर और विकास के साथ जाति, वर्ग और क्षेत्र सब कुछ मथा जा रहा है।

फैजाबाद सीट पर 1957 के चुनाव में स्वतंत्रता सेनानी कांग्रेस के राजाराम मिश्र जीते थे। इसके बाद चार चुनावों में कांग्रेस का ही कब्जा रहा। 1967 और 1971 में स्वतंत्रता सेनानी राम कृष्ण सिंहा कांग्रेस से दो बार चुनाव जीते। इमरजेंसी के बाद पहली बार यहां हवा का रुख बदला। जनता पार्टी के अनंतराम जायसवाल सांसद चुने गए। लेकिन 1980 में फिर कांग्रेस ने वापसी की। जय राम वर्मा सांसद चुने गए। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए 1984 के चुनाव में कांग्रेस से निर्मल खत्री जीते। इसके बाद फिर समीकरण बदले और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मित्रसेन यादव सांसद चुने गए।

विधान सभा चुनाव में चार सीटों पर खिला कमल एक पर दौड़ी थी साइकिल

- फैजाबाद लोकसभा सीट के तहत पांच विधानसभा सीटें आती हैं। इसमें दरियाबाद, रुदौली, मिल्कीपुर, बीकापुर और अयोध्या शामिल हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने चार सीटें जीती थीं। दरियाबाद से सतीश शर्मा, रुदौली से रामचंद्र यादव, बीकापुर से अमित सिंह चौहान और अयोध्या से वेद प्रकाश गुप्ता ने कमल खिलाया था, जबकि मिल्कीपुर सुरक्षित सीट से सपा के अवधेश प्रसाद विजयी हुए थे।

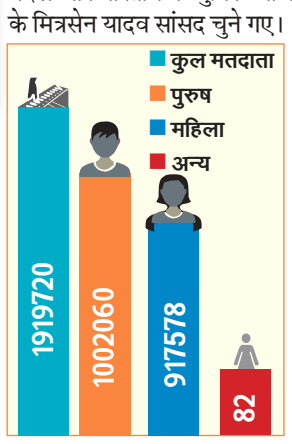

2014 का जनादेश

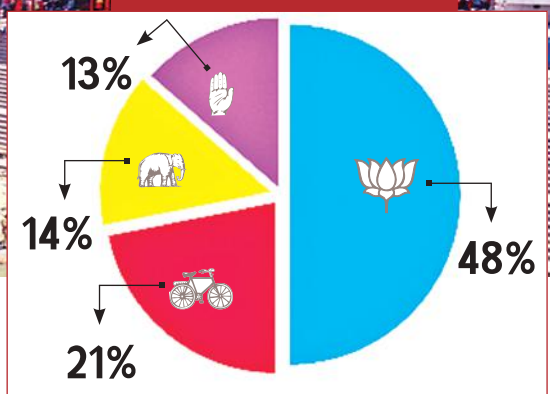

	भाजपा	लल्लू सिंह	4,91,761	48 प्रतिशत
	सपा	मित्रसेन यादव	2,08,986	21 प्रतिशत
	बसपा	जितेंद्र कुमार	1,41,827	14 प्रतिशत
	कांग्रेस	निर्मल खत्री	1,29,917	13 प्रतिशत

राम मय माहौल में भी जाति-बिरादरी का गुणा-गणित

- भाजपा की मानबिंदु फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर राम मंदिर की स्थापना के बाद बने माहौल में पार्टी और प्रत्याशी लल्लू सिंह को जीत की हैट्रिक का पूरा भरोसा है। इससे पहले यहां से 1991 और 1996 में लगातार दो बार भाजपा से विनय कटियार जीते थे। अब लल्लू सिंह भी पिछले दो चुनाव जीत चुके हैं। उधर, सपा को उम्मीद है कि दलित प्रत्याशी अवधेश प्रसाद पिछड़े और मुस्लिम वोट बैंक में दलितों को जोड़कर भाजपा का खेल खराब कर देंगे। जबकि बसपा ने भाजपा से आए सच्चिदानंद पांडे को इस प्रत्याशा में उतारा है कि वह ब्राह्मण–दलित वोट बैंक को एकजुट करके पार्टी की जीत का रास्ता बनाने का प्रयास करेंगे।

2019 का जनादेश

	भाजपा	लल्लू सिंह	5,29,021
	सपा	आनंद सेन	4,63,544
	कांग्रेस	निर्मल खत्री	53,383

राम मंदिर आंदोलन में खुला भाजपा का खाता

- 1991 में राम मंदिर लहर में भाजपा ने यहां पहली जीत दर्ज की। फायर ब्रांड नेता विनय कटियार सांसद बने। 1996 के चुनाव में भी उन्होंने जीत दर्ज की। लेकिन 1998 में चुनाव सपा के टिकट से मित्रसेन यादव ने जीता। लेकिन 1999 में हुए चुनाव में फिर से विनय कटियार ने जीत हासिल की। मित्रसेन यादव 2004 में बसपा के टिकट पर चुनाव जीतकर सांसद बने, तो 2009 में कांग्रेस से निर्मल खत्री दोबारा जीते। इसके बाद 2014 की मोदी लहर में जीते भाजपा के लल्लू सिंह 2019 में भी यहां से सांसद बने।

सपा के पीडीए और बसपा के रणनीतिक कौशल की परीक्षा

- मंदिर और विकास के साथ यहां जीत के लिए जातीय समीकरण भी अहम हैं। हिंदू मतदाताओं में सबसे ज्यादा 7 .20 लाख ओबीसी हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या यादवों की है। इसके बाद कुर्मी, पाल आदि अन्य जातियां हैं। दलित मतदाताओं की संख्या 4 .70 लाख है, तो सामान्य वर्ग के मतदाता 5 .65 लाख गिने जाते हैं। ओबीसी वोटरों की संख्या सर्वाधिक और उनके बाद दलित मतदाता होने से माना जा रहा है कि यहांसपा के पीडीए और बसपा के ब्राह्मण प्रत्याशी उतारने के रणनीतिक कौशल की परीक्षा होगी।

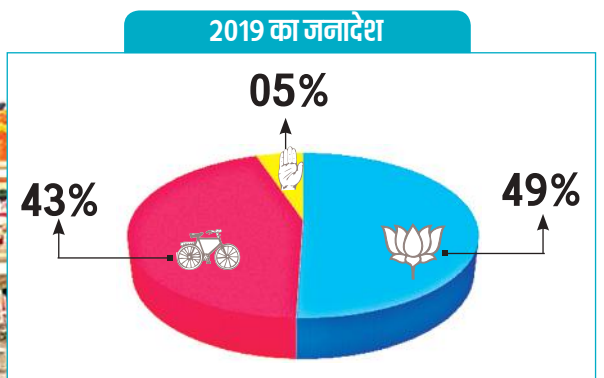

विरासत की जमीन पर हैट्रिक में शह–मात की सियासत

गजेन्द्र चौहान, कासगंज

राजवीर सिंह।

देवेश शाक्य।

मो. इरफान।

- तीसरी बार एटा लोकसभा क्षेत्र से सांसद बनने के लिए ताल ठोंक रहे राजवीर सिंह
- भाजपा प्रत्याशी को चुनौती देने के लिए सपा और बसपा ने बिछाई बिसात

अमृत विचार : विपक्ष कहता है विरासत से तय नहीं होते सियासत के फैसले तो पक्ष कह रहा है कि सियासी जमीन तो हमने भी तैयार की है। कोई अपनी तैयार सियासी जमीन पर चुनाव जीतने का दावा कर रहा है तो पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की कर्मभूमि पर उनके पुत्र राजवीर विरासत की तैयार पिच पर सियासत की हैट्रिक मारने को आतुर दिख रहे हैं। यह हैट्रिक चुनौती पूर्ण होगी या आसान यह तो चुनाव परिणाम ही बताएगा, फिलहाल गली, गलियारों में विरासत की सियासत की चर्चा तेज है।

प्रदेश ही नहीं बल्कि देश भर में हिंदू हृदय सम्राट की पहचान रखने वाले पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल स्व. कल्याण सिंह के नाम से आज भी मतदाता प्रभावित हैं। कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह एटा लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। पिछले एक दशक से वे अपने पिता की कर्मभूमि में सांसद की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। एटा लोकसभा सीट पर मतदाताओं ने सांसद तो कई बदले, पुराने सांसदों को भी बार-बार मौका दिया, लेकिन एक दशक पहले ऐसा मौका आया जब यहां की सियासत विरासत में तब्दील हो गई। पूर्व सीएम कल्याण सिंह के पुत्र 2014 के बाद 2019 में भी चुनाव जीत गए और इस बार हैट्रिक लगाने को तैयार हैं। इस सीट के मतदाताओं ने 17 चुनाव में कुल 8 सांसद चुने हैं। इनमें सबसे पहले सांसद बने रोहनलाल चतुर्वेदी को चार बार, महादीपक सिंह शाक्य को पांच बार मौका दिया। महादीपक सिंह शाक्य एक बार कासगंज लोकसभा सीट पर भी चुनाव जीते। लेकिन 2009 तक हुए चुनाव में एक भी सांसद ऐसा नहीं हुआ, जिसे यह पद विरासत के तौर पर मिला हो। सभी ने अपनी सियासी जमीन बनाने में कड़ी मेहनत की। 1989 में कांग्रेस से सलीम इकबाल शेरवानी चुनाव लड़े थे, जो भाजपा के महादीपक सिंह शाक्य से हार गए। 2009 में यहां निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने चुनाव लड़ा। जिन्हें सपा ने समर्थन दिया था। वह आसानी से चुनाव जीत गए।

उनके कार्यकाल के बाद यहां की विरासत संभालने का मौका उनके पुत्र राजवीर सिंह को मिला। भाजपा ने उन्हें टिकट दिया और वह सपा प्रत्याशी से बड़े अंतर से जीते। यह विरासत 2019 में भी कायम रही दोबारा उन्होंने सपा के देवेंद्र सिंह को हराया। 2024 में भी भाजपा ने राजवीर पर ही भरोसा जताया है और वह एटा सीट पर महादीपक सिंह शाक्य के बाद दूसरी हैट्रिक लगाने के लिए बेताब हैं। सपा ने यहां प्रत्याशी बदलकर भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए मैनपुरी के देवेश शाक्य पर दांव लगाया है। उधर, बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी मो. इरफान मैदान में उतारकर मुस्लिम कार्ड खेला है तो सपा पहले ही मुस्लिम को अपना वोट बैंक मानती है। इस बार शाक्य प्रत्याशी उतारकर उसने नया गणित तैयार किया है। सभी के अपने आंकड़े हैं। ऐसे में गुणा, गणित का दौर तेज हो गया है।

नृत्य कर लुभाया...

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को पूर्ण बहुमत दिलाने की कोशिश में लगातार प्रचार कर रहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के जोरहाट में रैली की। इस दौरान उन्होंने एक कार्यक्रम में महिला मतदाताओं के साथ नृत्य कर उन्हें पार्टी से जोड़ने की भरपूर कोशिश की। प्रियंका के साथ कार्यकर्ता भी उत्साहित नजर आए।

मेंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 1005 फ्लैग 1110 डीएमओ 890 बोल्ड 1180, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 1000 फ्लैग 1110 बोल्ड 1155 डीएमओ 885।

हल्द्वानी मंडी

(दाम प्रति किग्रा. में) चावल : शरबती- 62-75 मसूरी- 47 बासमती- 98
दाल दलहन : काला चना- 74 साबुत चना दाल- 75 मूंग साबुत- 112 राजमा- 118-130 दाल उड़द- 110 साबुत मसूर दाल- 70 मसूर दाल- 90 उड़द साबुत- 118 काबुली चना- 127 अरहर दाल- 145 लोबिया/करमानी- 115 सोयाबीन- 60 मूंगफली- 70 मटर (सूखी)- 65 मक्का- 20

सर्राफा

कानपुर	
चाँदी 999 (प्रति किलो)	85500
सिक्का (प्रति सैकड़ा) लिवाल	85000
सिक्का (प्रति सैकड़ा) बिकवाल	90000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	75100
गिन्नी (प्रति नग)	56000-56200
लखनऊ	
सोना स्टैंडर्ड	75,500
सोना रवा	75,350
सोना गिन्नी (प्रति नग)	42,500
चांदी तैयार	83,100
चांदी (999)	83,000
चांदी सिक्के (100 नग)	80,000
बरेली	
गोल्ड (पक्के जेवर)	75000
गोल्ड (गिन्नी जेवर)	74000
सिल्वर (पक्की)	830 (अनुमानित)

लगातार तीसरे दिन भी शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 456 अंक और लुढ़का

पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव से प्रभावित हो रहा बाजार, निफ्टी में 0.56 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 456 अंक और लुढ़क गया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका के बीच मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 456.10 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,943.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 714.75 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 124.60 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,147.90 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, मारुति, आईटीसी, पावरग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक राजनीतिक तनाव की आशंका और हाल-फिलहाल नीतिगत दर में कटौती की संभावना कम होने के बीच घरेलू बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही। अनुमान से अधिक मजबूत अमेरिकी खुदरा बिक्री के आंकड़ों के बाद चिंता बढ़ी है। इससे यह धारणा बढ़ गई कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर कटौती में देरी कर सकता है। इससे डॉलर सूचकांक और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आईटी क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गयी। मुख्य रूप अमेरिका में सोच-विचारकर किए जाने वाले खर्च में कमी की आशंका से कंपनियों की कमाई प्रभावित होने के अनुमान से आईटी कंपनियों में गिरावट आई। इसके अलावा, घरेलू कंपनियों के चौथी तिमाही के हल्के वित्तीय परिणाम का भी बाजार पर असर है। अधिक शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.57 प्रतिशत चढ़ा, जबकि मिडकैप 0.05 प्रतिशत मजबूत हुआ।

औद्योगिक इस्तेमाल वाले ड्रोन के लिए विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम ने मंगलवार को कहा कि सरकार नागरिक तथा औद्योगिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन के वास्ते एक अलग नियामक ढांचा बनाने पर विचार करेगी। उन्होंने ड्रोन परिवेश तंत्र के स्वदेशी विकास की वकालत की और इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार ड्रोन को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्नत वायु परिवहन को आगे बढ़ाने के प्रयास करेगी।

राष्ट्रीय राजधानी में ड्रोन पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने कहा कि ड्रोन के नियमों के संदर्भ में बहुत कुछ किया गया है और अभी बहुत कुछ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय नागरिक तथा औद्योगिक ड्रोन के लिए एक अलग नियामक ढांचा बनाने पर विचार कर रहा है। ड्रोन और ड्रोन घटकों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना सितंबर 2021 में अधिसूचित की गई थी। ड्रोन और ड्रोन घटकों के भारतीय विनिर्माताओं के लिए मूल्य संवर्धन तथा कुछ अन्य शर्तों के आधार पर 120 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन प्रदान दिया जा रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित सम्मेलन में वुमलुनमंग वुअलनाम ने कहा कि योजना सफल रही है। उन्होंने ड्रोन परिवेश तंत्र के स्वदेशी विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रोत्साहनों पर निर्भरता नहीं होनी चाहिए और ड्रोन उद्योग को अपने दम पर टिकना चाहिए। नमो ड्रोन दीदी योजना के बारे में उन्होंने कहा कि ड्रोन के लिए विशेष विवरण जल्द जारी किए जाएंगे।

नलिन को भारतपे सीईओ के रूप में किया पदोन्नत

नई दिल्ली। फिनटेक कंपनी भारतपे ने अपने अंतरिम मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी नलिन नेगी को पूर्णकालिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि जनवरी 2023 में तत्कालीन सीईओ सुहैल समीर के पद से हटने के बाद नेगी को अंतरिम सीईओ का प्रभार दिया गया था। भारतपे के निदेशक मंडल के चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा कि हम नलिन नेगी को उनकी नई भूमिका में समर्थन देने के लिए उत्सुक हैं। अंतरिम सीईओ के रूप में उनके जबरदस्त योगदान के लिए आभारी हैं। फिनटेक उद्योग में उनका व्यापक अनुभव तथा उनके नेतृत्व में भारतपे के लिए देखी गई वृद्धि, उन्हें कंपनी का नेतृत्व करने का एक स्वाभाविक विकल्प बनाती है। नेगी के पास फिनटेक और बैंकिंग क्षेत्र में 28 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वह 2022 में भारतपे से जुड़े थे। नेगी ने कहा कि मैं भारतपे में यह नई भूमिका निभाने के लिए उत्साहित और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हम लाभप्रदता, ऋण देने वाले व्यवसायों को बढ़ाने और नए व्यापारी-केंद्रित उत्पादों को पेश करने पर ध्यान देंगे।

विविध निवेश अवसर पेश कर सकता है भारत

न्यूयॉर्क। कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्रीनिवासन ने कहा कि भारत निवेशकों के लिए सबसे अच्छे तथा सबसे विविध निवेश अवसरों में से एक पेश कर सकता है।श्रीनिवासन ने देशभर में अग्रणी डिजिटल बुनियादी ढांचे का हवाला देते हुए कहा कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में सभी सही चीजें की हैं। श्रीनिवासन ने बताया कि वस्तु एवं सेवा कर के कार्यान्वयन, दिवाला विनियमन, व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करने के उपायों, कॉर्पोरेट करों में कमी के साथ-साथ बुनियादी ढांचे में निवेश का हवाला दिया।

डेयरी ऋण योजना को लेकर भ्रामक जानकारी से रहें सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने नाबार्ड डेयरी ऋण योजना के बारे में वर्तमान में फैलाई जा रही गलत सूचना से लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। इस संबंध में नाबार्ड ने स्पष्टीकरण जारी करते हुये उन झूठे दावों का खंडन किया है जिनमें कहा गया है कि नाबार्ड डेयरी उद्यमिता विकास योजना के तहत किसानों को डेयरी व्यवसायों के लिए सीधे ऋण प्रदान करता है।

नाबार्ड ने स्पष्ट किया है कि उक्त दावों में दी गई जानकारी पूरी तरह से गलत है। नाबार्ड ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न वित्तीय संस्थाओं और सहकारी संस्थाओं को वित्तीय सहायता और सहयोग प्रदान करने के लिए काम करता है।

नाबार्ड कभी भी अलग-अलग किसानों को सीधे ऋण वितरित नहीं करता है। सभी हितधारकों, विशेषकर किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को ऐसी गलत सूचनाओं के संबंध में सावधानी बरतने और उनमें विश्वास करने तथा उनका प्रचार-प्रसार करने से बचने के लिए आग्रह किया गया है।

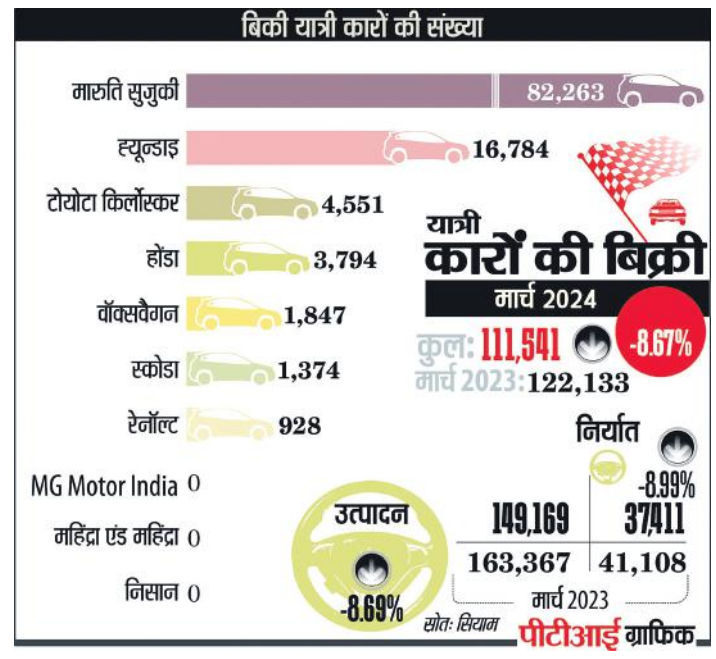

पीएचएफ लीजिंग ने जुटाए एक करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। जमा स्वीकार करने वाली एनबीएफसी पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड (पीएचएफ) ने इक्विटी और ऋण मिलाकर एक करोड़ डॉलर की पूंजी जुटाई है।

कंपनी ने आज यहां कहा कि इसमें लगभग 60 प्रतिशत इक्विटी और 40 प्रतिशत ऋण शामिल है। इस पैसे का उपयोग कंपनी की वृद्धि को वित्तपोषित करने के लिए किया जाएगा। पीएचएफ लीजिंग जमा स्वीकार करने वाली एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है जो 1998 से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पंजीकृत है। कंपनी अचल संपत्ति के लिए बंधक ऋण (एलएपी) प्रदान करती है और ई-वाहनों का वित्तपोषण करती है।

राष्ट्रीय

एक नजर

सिरसा में 17 से 19 तक बंद रहेंगे शराब के ठेके

सिरसा। हरियाणा के उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त आलोक पासी ने बताया कि राजस्थान में 19 मई को विभिन्न हिस्सों में मतदान होगा, जिसमें हनुमानगढ़ जिला भी शमिल हैं। चुनाव आयोग की हिदायतनुसार मतदान वाले क्षेत्र के साथ लगती राज्य की सीमा के तीन किलोमीटर दायरे में मतदान प्रक्रिया समाप्ति के समय से 48 घंटे पहले शराब ठेके, बार, आहते व शराब संबंधी कारोबार बंद किया जाना आवश्यक है। हनुमानगढ़ जिला की सीमा सिरसा के साथ लगती है। इसलिए हनुमानगढ़ जिला की सीमा के साथ लगते सिरसा के तीन किलोमीटर क्षेत्र में पडने वाले सभी शराब ठेके, बार, आहते 17 अप्रैल को शाम से लेकर 19 अप्रैल को मतदान समाप्ति तक बंद रहेंगे। इस दौरान शराब संबंधी कारोबार पर भी पूर्ण पाबंदी रहेगी। उन्होंने बताया कि आबकारी विभाग की टीमें चुनाव आयोग की हिदायतों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए संबंधित क्षेत्र में लगातार निगरानी करेंगी। कहीं पर भी उल्लंघना पाई जाती है, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सबसे तेज वृद्धि वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत : सीतारमण

जयपुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि बीते तीन वित्त वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था ने दुनिया में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की है और आगामी वर्षों में यह रुख जारी रह सकता है। उन्होंने साथ ही कहा कि आने वाले 25 साल भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं। वह यहां जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर आईं थीं। सीतारमण ने औद्योगिक एवं व्यावसायिक संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि अगले 25 साल भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। आपने देखा वित्त वर्ष 2023-24 की तीनों तिमाही में प्रत्येक तिमाही में वृद्धि दर आठ प्रतिशत या अधिक रही है। तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही। चौथी तिमाही में भी इसी स्तर की वृद्धि दर की हम अपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह 2023-24 में औसत वृद्धि दर उस स्तर की ही है। हम आत्मविश्वास बनाए रखते हुए आगे बढ़ सकते हैं कि जैसे पूरी दुनिया में पिछले तीन साल से लगातार हम सबसे तेज वृद्धि दर वाली अर्थव्यवस्था रहे हैं।

तृणमूल घुसपैठियों को संरक्षण देती है पर सीएए का करती है विरोध : मोदी

टीएमसी ने बंगाल के लोगों को केंद्रीय योजनाओं के लाभ से कर दिया वंचित

बालुरघाट, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है, लेकिन शरणार्थियों को नागरिकता देने वाले कानून सीएए का विरोध कर रही है।

मोदी ने बालुरघाट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल को गुंडों और घुसपैठियों को पट्टे पर दे दिया है। प्रधानमंत्री ने राज्य में रामनवमी समारोह का कथित तौर पर विरोध

करने के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल की आलोचना की और कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले को सच्चाई की जीत करार दिया, जिसमें विश्व हिंदू परिषद (विहिप) को हावड़ा में शोभायात्रा निकालने की अनुमति दी गई थी। मोदी ने कहा कि इस साल का रामनवमी समारोह थोड़ा अलग है क्योंकि रामलला अयोध्या में अपने घर लौट आए हैं। लेकिन टीएमसी, पिछले वर्षों की तरह राज्य में रामनवमी समारोहों का विरोध कर रही है। उच्च न्यायालय ने सोमवार को विहिप को हावड़ा शहर में रामनवमी पर शोभायात्रा निकालने की अनुमति दे दी थी, साथ ही अदालत ने यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ शर्तें भी लगाई थीं कि कार्यक्रम बिना तनाव के संपन्न हो सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं से पूरा देश स्तब्ध है। देश ने देखा है कि कैसे टीएमसी सरकार ने संदेशखालि में दोषियों को बचाने की कोशिश की। संदेशखालि में हाल में महिलाओं ने कुछ टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार और अपराध बड़े पैमाने पर हैं। यहां तक कि जब केंद्रीय एजेंसियां इन भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने की कोशिश करती हैं तो उन पर भी हमला किया जाता है। ऐसा लगता है कि टीएमसी ने राज्य को घुसपैठियों और गुंडों को पट्टे पर दे दिया है। पश्चिम बंगाल सरकार घुसपैठियों को बचाती है, लेकिन नागरिकता संशोधन अधिनियम का विरोध करती है।

मॉब लिंचिंग पर रोक को क्या उठाए कदम : कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को विभिन्न राज्य सरकारों से कथित गोरक्षकों और भीड़ की ओर से पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामलों पर की गई कार्रवाई के बारे में अवगत करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक महिला संगठन की याचिका पर सुनवाई छह सप्ताह बाद करने का फैसला किया।

याचिका में अनुरोध किया गया था कि राज्यों को कथित गोरक्षकों की ओर से मुसलमानों के खिलाफ भीड़ हिंसा की घटनाओं से निपटने के लिए शीर्ष अदालत के 2018 के एक फैसले के अनुरूप तत्काल

● भीड़ हिंसा की घटनाओं में हुई कार्रवाई से अवगत कराने के लिए राज्यों को दिया छह सप्ताह का समय

कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाए। पीठ ने आदेश दिया कि हमने पाया है कि अधिकतर राज्यों ने 'मॉब लिंचिंग' के उदाहरण पेश करने वाली रिट याचिका पर अपने जवाबी हलफनामे दाखिल नहीं किए हैं। राज्यों से अपेक्षा थी कि वे कम से कम इस बात का जवाब दें कि ऐसे मामलों में क्या कार्रवाई की गयी है।

अमेरिका में हिंदुओं पर हमलों के मामलों में हुई है वृद्धि

नई दिल्ली। भारतीय-अमेरिकी सांसद ने अमेरिका में हिंदुओं और हिंदुत्व के खिलाफ हमलों में काफी वृद्धि होने का दावा करते हुए आगाह किया कि यह नियोजित हिंदू-विरोधी हमलों के शुरुआत भर है।

श्रीथानेदार और चार अन्य भारतीय अमेरिकी सांसदों रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, एमी बेरा और प्रमिला जयपाल ने हाल ही में न्याय मंत्रालय को पत्र लिखकर हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हमलों में हुई हालिया वृद्धि की जांच कराने का अनुरोध किया था। गैर-लाभकारी संस्था हिंदूएक्शन की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में थानेदार ने शिकायत की कि इन हमलों के जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई और न ही अब तक गिरफ्तारियां हुई हैं।

भ्रष्टाचार के आरोपों से पहले प्रधानमंत्री खुद आईना देखें : ममता

जलपाईगुड़ी, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में केंद्रीय दलों द्वारा की जा रही भ्रष्टाचार संबंधी जांच पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पहले खुद आईना देखना चाहिए। जलपाईगुड़ी जिले के मोइनागुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ रही है, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस उसके साथ मिलकर काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने बंगाल में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए करीब 300 केंद्रीय दलों को भेजा था लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। अब

● एनआरसी की आड़ में दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को बाहर करना चाहती है भाजपा

प्रधानमंत्री मोदी को बंगाल की जनता को जवाब देना होगा कि मनरेगा की धनराशि का क्या हुआ? गरीब लोगों ने योजना के तहत काम किया लेकिन उन्हें भुगतान नहीं किया गया। बनर्जी ने कहा प्रधानमंत्री कहते हैं कि तृणमूल कांग्रेस भ्रष्ट पार्टी है। पहले उन्हें आईना देखना चाहिए। उनकी पार्टी में डकैत भरे पड़े हैं। नोटबंदी का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि इससे किसे फायदा हुआ था। उन्होंने भाजपा को बंगाली विरोधी पार्टी बताया और आरोप लगाया कि वह एनआरसी की आड़ में' आदिवासियों, दलितों तथा ओबीसी को बाहर करने की योजना बना रही है। बनर्जी ने कहा कि हम बंगाल में एनआरसी लागू नहीं होने देंगे। माकपा औ र कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में केवल तृणमूल कांग्रेस ही भाजपा से लड़ रही है, जबकि अन्य दोनों विपक्षी दल उसके साथ काम कर रहे हैं। हम राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन 'इंडी' के साथ हैं, लेकिन देश को बचाने के लिए बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को जीतना होगा। उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आ जाती है तो देश में चुनाव नहीं होंगे।

कानूनी प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने वाले कदम सही नहीं : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। विपक्षी दलों द्वारा सरकार पर उसके नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाये जाने के बीच निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि वह सभी पार्टियों को समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसा कोई कदम उठाना सही नहीं है जो कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया में आड़े आ सकता है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के कई घटक दलों ने सरकार पर उनके नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग का रुख किया था। कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी दलों ने सरकार पर नये सिरे से हमले शुरू कर दिए। उन्होंने सरकार पर लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी नेताओं की आवाज बंद करने का आरोप लगाया।

आमिर के प्रवक्ता का दावा, राजनीतिक बयानबाजी से जुड़ा वीडियो फर्जी

नयी दिल्ली, एजेंसी

अभिनेता आमिर खान के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपने 35 साल के कॅरियर में कभी किसी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं किया है और इस संबंध में सामने आया वीडियो फर्जी है। खान के प्रवक्ता के अनुसार इस संबंध में मुंबई पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है।

यह वीडियो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का उपयोग करके बनाया गया लगता है। 27 सैकंड की क्लिप में आमिर खान को कुछ कहते सुना जा सकता है। प्रवक्ता ने कहा कि आमिर खान ने कई वर्ष से निर्वाचन आयोग के जागरुकता अभियानों में भाग लिया है लेकिन कभी किसी राजनीतिक दल का प्रचार नहीं किया। उन्होंने कहा कि हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि आमिर खान ने अपने 35 साल के कॅरियर में कभी किसी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं किया। उन्होंने कई वर्षों से निर्वाचन आयोग के जन जागरण अभियानों के माध्यम से जागरुकता लाने के प्रयास किए हैं। हम पिछले दिनों वायरल हुए एक वीडियो से चिंतित हैं जिसमें कथित रूप से दर्शाया गया है कि आमिर खान एक खास राजनीतिक दल का प्रचार कर रहे हैं। वह स्पष्ट करना चाहेंगे कि यह एक फर्जी वीडियो है और पूरी तरह असत्य है। उन्होंने इस मुद्दे से संबंधित अनेक अधिकारियों को अवगत करा दिया है और मुंबई पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ में प्राथमिकी दर्ज करा दी है। आमिर खान के प्रवक्ता के अनुसार उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे मतदान करें और चुनाव प्रक्रिया में सक्रियता से हिस्सेदारी निभाएं।

पंजाब में चार और उम्मीदवारों को मैदान में उतारा

चंडीगढ़, एजेंसी

आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को पंजाब की चार और लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। पार्टी ने तीन मौजूदा विधायकों और एक दलबदलू नेता को मैदान में उतारा है। इस घोषणा के साथ ही आप ने पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीट पर अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। पूर्व विधायक पवन कुमार टीनू को जालंधर (सुरक्षित) सीट से मैदान में उतारा गया है।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर एक पोस्ट में उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। जालंधर

● आम आदमी पार्टी ने मौजूदा तीन विधायकों पर खेला दांव, एक दलबदलू पर जताया भरोसा

(सुरक्षित) लोकसभा सीट से पार्टी ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के पूर्व विधायक पवन कुमार टीनू को उम्मीदवार बनाया है। वह कुछ दिन पहले ही आप में शामिल हुए थे। टीनू का मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार व पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुशील रिंकू से होगा। शिअद ने अभी तक इस सीट पर अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। दलित नेता टीनू 2012 और 2017 में जालंधर जिले की आदमपुर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे हालांकि 2022 विधानसभा चुनाव में उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार सुखविंदर कोटली से हार का सामना करना पड़ा था। टीनू ने 2014 का लोकसभा चुनाव भी लड़ा था लेकिन उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। आप ने टीनू के अलावा पार्टी के तीन मौजूदा विधायकों को लोकसभा चुनाव का टिकट दिया है, जिनमें फिरोजपुर से जगदीप सिंह काका बराड़, गुरदासपुर से अमनशेर सिंह कलसी और लुधियाना लोकसभा क्षेत्र से अशोक पाराशर पप्पी शामिल हैं। बराड़, मुक्तसर से विधायक हैं। उन्होंने 2022 विधानसभा चुनाव में शिअद उम्मीदवार कंवलजीत सिंह को हराया था। हालांकि बराड़ ने 2017 का विधानसभा चुनाव भी लड़ा था लेकिन उन्हें हार का मुंह देखना पड़ना था। फिरोजपुर सीट से मौजूदा सांसद शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पहले ही लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा कर चुके हैं।

कांग्रेस, भाजपा और शिअद ने अभी तक फिरोजपुर लोकसभा सीट से अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। आप ने बटाला से विधायक कलसी पर विश्वास जताते हुए उन्हें गुरदासपुर लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है। गुरदासपुर लोकसभा सीट पर फिलहाल भाजपा सांसद सनी देओल का कब्जा है। कलसी 2022 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के अश्वनी सेखरी को हराकर बटाला से विधायक बने थे। कलसी का मुकाबला भाजपा उम्मीदवार दिनेश बब्बू और शिअद के दलजीत सिंह चीमा से है।

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	07	361
रियान पराग (राजस्थान)	07	318
सुनील नरेन (कोलकाता)	06	276

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
युजवेंद्र चहल (राजस्थान)	07	12
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	06	10
मुस्तफिजुर रहमान (चेन्नई)	05	10

आईपीएल-2024 में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी

आईपीएल 2024 में सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले खिलाड़ियों में हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन पहले स्थान पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग दूसरे, लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन तीसरे स्थान तथा हैदराबाद के अभिषेक शर्मा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिनेश कार्तिक और संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के शिवम दूबे, मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा और दिल्ली कैपिटल्स के ट्रिस्टन स्टब्स 15 छक्कों के साथ 5वें स्थान पर हैं।

24

हेनरिक क्लासेन

20

रियान पराग

19
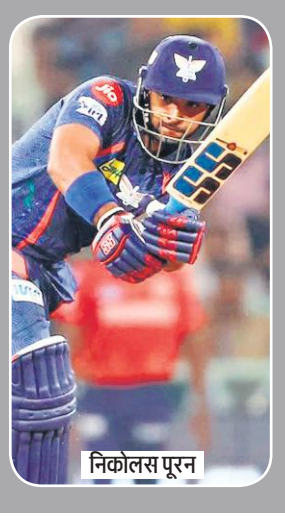
निकोलस पूरन

18

दिनेश कार्तिक

18
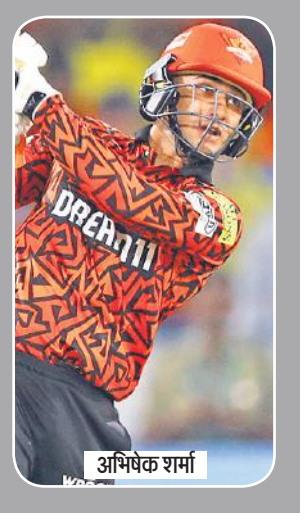
अभिषेक शर्मा

खेल डायरी

यूनान में पेरिस ओलंपिक की लौ जलाई गयी

प्राचीन ओलंपिया (यूनान)। पेरिस ओलंपिक में जलने वाली लौ दक्षिणी यूनान में प्राचीन खेलों के स्थल पर जलाई गयी। बादलों के कारण मंगलवार को पारंपरिक तरीके से लौ जलाने के प्रयास विफल हो गये। पारंपरिक तरीके में चांदी की मशाल जलाने के लिए सूरज का इस्तेमाल किया जाता है, जिसके लिए प्राचीन यूनान की पुजारिन की पोशाक पहने एक युवती हाथ में मशाल लिये रहती थी। बल्कि मंगलवार को एक 'बैकअप' लौ का उपयोग किया गया था, जिसे सोमवार को अंतिम 'रिहर्सल' के दौरान उसी स्थान पर जलाया गया था।

सबालेंका स्टुटगार्ट में पोर्शे ग्रां प्री में बडोसा से भिड़ेंगी

स्टुटगार्ट (जर्मनी)। पाउला बडोसा ने डायना श्नाइडर पर 6-3, 6-4 की जीत से स्टुटगार्ट पोर्शे ग्रां प्री टेनिस प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया। जिसमें उनका सामना दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा। सबालेंका स्टुटगार्ट में पिछले तीन साल से उप विजेता रही हैं। वह 2021 में फाइनल में क्रमश: पूर्व नंबर एक एशले बार्टी तथा 2022 और 2023 के फाइनल में मौजूदा नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक से हार गयी थीं। अमेरिका के सचिया विक्रे ने बेलारूस की अलियांकसांद्रा सासनोविच को 7-6, 7-5 से पराजित किया और अब दूसरे दौर में उनका सामना हमवतन कोको गॉफ से होगा।

दीपिका सोरेंग को हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा पुरस्कार

नयी दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की फारवर्ड दीपिका सोरेंग वर्ष के उभरते खिलाड़ी के लिए प्रतिष्ठित हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा पुरस्कार से सम्मानित किया है। दीपिका को वर्ष 2023 के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने महिला जूनियर एशिया कप में टीम के लिए पदार्पण करते हुए छह मैचों में सात गोल दागकर टीम को स्वर्ण पदक जीतने में मदद की और टूर्नामेंट में टीम के लिए दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरीं।

डी गुकेश ने नेपोमनियाच्ची से ड्रा खेला

टोरंटो। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 10वें दौर में रूस के इयान नेपोमनियाच्ची से ड्रा खेलकर इस खिलाड़ी के साथ संयुक्त शीर्ष बढ़त कायम रखी। भारतीयों के बीच हुए मुकाबले में आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती ने भी अंक बांटे जबकि फैबियानो कारूआना ने फिरोजा अलीरेजा को और हिकारू नाकामूरा ने निजात अबासोव को पराजित किया। अब साल के इस सबसे बड़े टूर्नामेंट में महज चार राउंड बचे हैं। गुकेश और नेपोमनियाच्ची के समान छह छह अंक हैं जबकि प्रज्ञानानंदा, कारूआना और नाकामूरा इनसे आधा अंक पीछे हैं। गुजराती के छह अंक हैं, जिससे वह अकेले छठे स्थान पर काबिज हैं।

पेरिस ओलंपिक: इंग्लैंड ने की तैराकी टीम की घोषणा

लंदन। इंग्लैंड ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाली पूल और मैराथन स्पर्धाओं के लिए अपनी 33 सदस्यीय तैराकी टीम की मंगलवार को घोषणा की। टीम में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन एडम पीटी, दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता टॉम डीन और जेम्स गाइ, ओलंपिक चैंपियन अन्ना हॉपकिन, कैथलीन डॉसन, फ्रेया एंडरसन और मैट रिचर्ड्स और टोक्यो ओलंपिक 2020 में चार पदक जीतने वाले डंकन स्कॉट का टीम में चयन किया गया है। मैराथन तैराकी के लिए टोक्यो 2020 ओलंपियन और फरवरी में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता हेक्टर पार्डो को भी टीम में शामिल किया गया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स पर भारी बटलर का जोश

मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को दो विकेट से हराया, अंकतालिका में शीर्ष पर कायम

जोस बटलर

कोलकाता, एजेंसी

जोस बटलर की नाबाद 107 रनों की शतकीय और रियान पराग के 34 रनों की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के 31वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को दो विकेट से हरा दिया है। 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (19) का विकेट गवां दिया। उसके बाद कप्तान संजू सैमसन (12) भी पवेलियन लौट गये। ध्रुव जुरेल (2), रवि अश्विन (8), शिमरॉन हेटमायर (शून्य) रोवमन पॉवेल (2) रन बनाकर आउट हुये। रोवमन पॉवेल ने 26 रन बनाये।

जोस बटलर ने नौ चौके और छह छक्के लगाते हुए नाबाद 107 रन की शतकीय पारी खेली। राजस्थान ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 224 रन बनाते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम पर दो विकेट से जीत दर्ज की है। राजस्थान की यह सात मैचों में छठी जीत है और वह अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। कोलकाता की ओर से हर्षित राणा, सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिये। वैभव अरोड़ा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मंगलवार को ईडन गार्डंस में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में उसने सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट 10 रन का विकेट गवां दिया। फिल को आवेश खान ने अपनी गेंद पर कैच आउट किया। उसके बाद सुनील नारायण ने अंगकृष रघुवंशी के साथ दूसरे विकेट के लिये 85 रन जोड़े। 11वें ओवर में कुलदीप सेन ने अंगकृष रघुवंशी को आर अश्विन के हाथों कैच आउट करा दिया। रघुवंशी ने 18 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 30 रन बनाये। कप्तान श्रेयस अय्यर 11 रन को यजुवेन्द्र चहल ने पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। आंद्रे रसेल 13 रन बनाकर आउट हुये। सुनील नरेन ने 16वें ओवर में 49 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। सुनील नरेन ने 109 रनों की पारी में 13 चौके और छह छक्के लगाये। उन्हें 18वें ओवर में बोल्ट ने बोल्ड आउट किया। वेंकटेश अय्यर आठ रन बनाकर आउट हुये। रिंकू सिंह एक चौका और दो छक्के लगाकर 20 रन बनाकर नाबाद रहे। रमनदीप सिंह भी एक रन बनाकर नाबाद रहे। कोलकाता ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 223 रन का स्कोर खड़ा किया। राजस्थान रॉयल्स की ओर से आवेश खान और कुलदीप सेन ने दो-दो विकेट लिये। ट्रेंट बोल्ट और युजवेंद्र चहल को एक-एक विकेट मिला।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
राजस्थान	7	6	1	12	+0.677
कोलकाता	6	4	2	8	+1.399
चेन्नई	6	4	2	8	+0.726
हैदराबाद	6	4	2	8	+0.502
लखनऊ	6	3	3	6	+0.038
गुजरात	6	3	3	6	-0.637
पंजाब	6	2	4	4	-0.218
मुंबई	6	2	4	4	-0.234
दिल्ली	6	2	4	4	-0.975
बेंगलुरु	7	1	6	2	-1.185

कोलकाता 223/6

20 ओवर, अतिरिक्त : 21

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
फिल सॉल्ट कॉट एण्ड बोल्ड आवेश	10	13	1/0
सुनील नरेन बोल्ड बोल्ट	109	56	13/6
अंगकृष का अश्विन बो के सेन	30	18	5/0
श्रेयस अय्यर पगबाधा चहल	11	07	1/1
रसेल का जुरेल बो आवेश	13	10	2/0
रिंकू सिंह नाबाद	20	09	1/2
वेंकटेश का जुरेल बो के सेन	08	06	1/0
रमनदीप सिंह नाबाद	01	01	0/0

गेंदबाजी : ट्रेंट बोल्ट 4-0-31-1, आवेश खान 4-0-35-2, कुलदीप सेन 4-0-46-2, युजवेंद्र चहल 4-0-54-1, रवि अश्विन 4-0-49-0

राजस्थान 224/8

20 ओवर, अतिरिक्त : 16

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
यशस्वी का वेंकटेश बो वैभव	19	09	3/1
जोस बटलर नाबाद	107	60	9/6
संजू सैमसन का नरेन बो हर्षित	12	08	2/0
रियान पराग का रसेल बो हर्षित	34	14	4/2
ध्रुव जुरेल पगबाधा नरेन	02	04	0/0
अश्विन का रघुवंशी बो चक्रवर्ती	08	11	1/0
हेटमायर का श्रेयस बो चक्रवर्ती	00	01	0/0
रोवमन पॉवेल पगबाधा नरेन	26	13	1/3
ट्रेंट बोल्ट रन आउट (श्रेयस/स्टार्क)	00	01	0/0
आवेश खान नाबाद	00	00	0/0

गेंदबाजी : मिचेल स्टार्क 4-0-50-0, वैभव अरोड़ा 3-0-45-1, हर्षित राणा 4-0-42-2, सुनील नरेन 4-0-30-2, वरुण चक्रवर्ती 4-0-36-2, आंद्रे रसेल 1-0-17-0

ऑस्ट्रेलिया से निपटने को बेहतर पासिंग की जरूरत

नयी दिल्ली, एजेंसी

पूर्व ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ रूपिंदर पाल सिंह को लगता है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेहतर रक्षात्मक तालमेल और बेहतर पासिंग से ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक खेल शैली से निपट सकती है। हाल में भारत को पर्थ में हुई पांच टेस्ट की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। यह दौरा भारत के लिए निराशाजनक रहा जबकि इससे पहले टीम ने एफआईएच प्रो लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।

टीम से जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक में तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक से बेहतर या इसके बराबरी वाले प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत की 2014 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य सिंह हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस नतीजे से ज्यादा चिंतित नहीं हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि टीम प्रत्येक मैच के साथ सुधार करती गयी। सिंह ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''हम पहला मैच 5-1 से हारे लेकिन इसके बाद टीम ने सुधार किया और स्कोर बराबरी का रहा। हमने कुछ मौके गंवाये जिसे देखते हुए ओलंपिक से पहले कुछ काम करने की जरूरत है। यह श्रृंखला पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए थी।

स्टार खिलाड़ी होने के नाते मैक्सवेल दबाव में था : पोंटिंग

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने मंगलवार को ग्लेन मैक्सवेल के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए कहा कि लगातार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का स्टार खिलाड़ी होने का दबाव उन पर हावी हो गया और उन्होंने खेल से अनिश्चिकालीन 'मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य' ब्रेक लेकर सही फैसला किया। मैक्सवेल ने अपने करियर में दूसरी दफा इस तरह का ब्रेक लिया है। आईपीएल के इस चरण में लगातार कम स्कोर के बाद इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलरांउडर ने सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में आराम दिये जाने के बारे में कहा। पोंटिंग ने पीटीआई से कहा, ''आरसीबी की टीम में ग्लेन जैसे खिलाड़ी का होना, वह विराट कोहली के साथ टीम का बड़ा खिलाड़ी है जिससे उस टीम में खेलते हुए इन दोनों खिलाड़ियों पर काफी दबाव होता है। अगर वे अच्छा नहीं करते और नतीजे अच्छे नहीं आते तो दबाव होता है।'' आरसीबी इस समय 10 टीम की तालिका में सात मैच में छह हार से अंतिम स्थान पर चल रही है। पोंटिंग ने कहा, ''अगर आप देखो कि टूर्नामेंट में उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया है तो दबाव व्यक्तिगत खिलाड़ी पर भी आ जाता है। मैंने आज सुबह वो लेख देखा कि ग्लेन हटना चाहते हैं।''

टीमों के खिलाफ प्रदर्शन

चेन्नई 00

पंजाब 03

कोलकाता 28

लखनऊ 00

राजस्थान 01

मुंबई 00

गुजरात और दिल्ली को निरंतरता की तलाश

अहमदाबाद, एजेंसी

निरंतरता हासिल करने की कोशिश में जुटी गुजरात टाइटन्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ही टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में बेहतर प्रदर्शन कर एक-दूसरे को पराजित करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। पिछले दो चरण की तरह गुजरात टाइटन्स अभी तक एकजुट होकर शानदार प्रदर्शन नहीं कर सकी है, हालांकि उनके पास अपनी कमियों को पूरा करने का अब भी काफी समय है।

गुजरात टाइटन्स ने तालिका में शीर्ष पर चल रही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 10 अप्रैल को अंतिम गेंद में जीत हासिल की थी और अगर उसे अपने अभियान में जान फूंकनी है तो उसे ऐसा ही प्रदर्शन करने की जरूरत है। टीम अपने पहले छह मैच में केवल दो में ही जीत सकी है और अभी आठ मैच बाकी हैं तो शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम के पास चीजों का रुख बदलने के लिए काफी समय है। शमी की अनुपस्थिति हालांकि उसके लिए नुकसानदायक रही है लेकिन उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करना होगा।

• मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा।

बॉलीवुड हलचल

आम्रपाली दुबे स्टारर कभी खुशी कभी गम का ट्रेलर रिलीज

मुंबई, एजेंसी। प्रदीप पांडेय चिंटू, आम्रपाली दुबे और संचिता बनर्जी स्टारर फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यशी फिल्म्स - अभय सिन्हा एवं रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट प्रस्तुत और निर्माता निशांत उज्जवल की फिल्म कभी खुशी कभी गम का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में प्रदीप पांडेय चिंटू, आम्रपाली दुबे और संचिता बनर्जी के बीच की कहानी दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करने वाली है।फिल्म में महानायक कुणाल सिंह सिंह की दमदार उपस्थिति भी है। निर्माता निशांत उज्जवल ने कहा कि फिल्म कभी खुशी कभी गम इंसानी रिश्तों की धूप छांव की कहानी है। ट्रेलर में इसकी एक झलक देखने को मिल रही है, लेकिन जब दर्शक इसे बड़े परदे पर देखेंगे तो दंग रह जायेंगे। उन्होंने बताया कि फिल्म कभी खुशी कभी गम के लिए एक बार फिर से आम्रपाली दुबे और संचिता बनर्जी लकी चार्म साबित होंगी, जिन्हें दर्शक फिल्म निरहुआ हिंदुस्तानी 2 के बाद फिर से एक साथ देख पाएंगे। इनकी जोड़ी जब भी आती है, फिल्म का हिट होना तय माना जाता है, और वैसे भी यदि देखा जाए तो दोनों गजब की अदाकारा हैं, जिन्होंने चिंटू के साथ मिलकर फिल्म के ग्राफ को और भी बढ़ा दिया है। अब फिल्म को जल्द ही रिलीज करेंगे।

खेसारी की रंग दे बसंती 7 जून को होगी रिलीज

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की बहुचर्चित भोजपुरी फिल्म 'रंग दे बसंती' 07 जून को रिलीज होगी। फिल्म के निर्माता रौशन सिंह ने बताया कि सेंसर बोर्ड के प्रॉब्लम के बाद अब यह फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म अपने ओरिजिनल नाम के साथ ही 07 जून को पैन इंडिया सिनेमाघरों में होगी।इस फिल्म को बड़े पैमाने पर रिलीज किया जा रहा है, फिल्म मल्टीप्लेक्स में भी दिखाई देगी। उन्होंने बताया कि अभी देशभर के मल्टीप्लेक्स और सिंगल स्क्रीन में इस फिल्म के ट्रेलर चल रहे हैं, जो पहली बार हुआ है, जब बॉलीवुड फिल्मों के बीच में ट्रेलर चल रहा है। यह फिल्म 250 से ज्यादा स्क्रीन पर पैन इंडिया रिलीज होने वाली है। फिल्म रंग दे बसंती के निर्माता रौशन सिंह और सह निर्माता शर्मिला आर सिंह हैं। निर्देशक प्रेमांशु सिंह हैं। इस फिल्म में खेसारीलाल यादव, रति पांडे और डायना खान के साथ अमिताभ भट्टाचार्य, फिरोज खान और मास्टर ऋषभ यादव राज प्रेमी, मीर सरवर, अमित तिवारी, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैश, ज्योति कलश, संजय महानंद, रीना रानी, श्रद्धा नवल, सुजान सिंह, सोनू पांडेय, रितु चौहान, रिंकू भारती, नेहा पाठक, खुशबू यादव, संजय वर्मा, अखिलेश कुमार अक्की, सूर्या द्विवेदी, निकिता भारद्वाज और चाहत प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मनोज कुशवाहा ने लिखी है। संगीतकार ओम झा हैं। गीतकार प्यारेलाल यादव, अरविंद तिवारी, राकेश निराला, डॉ. कृष्णा एन शर्मा और सत्य सावरकर हैं। डीओपी वासु, कोरियोग्राफर रिकी गुप्ता, कला राजीव शर्मा का है।

मिस्टर एंड मिसेज माही देखने के लिए एक्साइटेड हैं अभिनेत्री आलिया भट्ट

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट, राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही देखने के लिए एक्साइटेड हैं। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महेंद्र सिंह धोनी पर आधारित है। फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। आलिया भट्ट ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम की स्टोरी पर ''मिस्टर एंड मिसेज माही'' का पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर को आलिया ने ने जाह्नवी और राजकुमार को टैग करते हुए कैप्शन में लिखा कि इंतजार नहीं हो रहा शैरी। मिस्टर एंड मिसेज माही 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अजय कुमार सक्सेना द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698 **(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।**

कांग्रेस ने की आयरलैंड में भारत के राजदूत को बर्खास्त करने की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आयरलैंड में भारत के राजदूत द्वारा एक स्थानीय दैनिक के संपादकीय का जवाब देते हुए कांग्रेस की आलोचना करने पर मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि एक राजनयिक का सरेआम पार्टी सदस्य की तरह विपक्षी दलों पर हमला करना शर्मनाक व्यवहार है और उन्हें बर्खास्त करना चाहिए।

● राजदूत द्वारा कांग्रेस की आलोचना करने पर जयराम रमेश ने जताई आपत्ति

'द आइरिश टाइम्स' को दिए अपने जवाब में भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्रा की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश उन पर निशाना साधा। अखबार में 11 अप्रैल को छपे संपादकीय को लेकर भेजे जवाब में मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न केवल भारत में बल्कि विश्वस्तर पर अभूतपूर्व लोकप्रियता और कद हासिल है। यह नवीन, समावेशी शासन और सतत विकास पर त्रुटिहीन व्यक्तिगत चरित्र और ईमानदारी और विचारवान नेतृत्व के कारण है। राजदूत ने यह भी लिखा भ्रष्टाचार की गहरी जड़ें जमा चुके तंत्र (भारत में एक ही वंशवादी पार्टी द्वारा 55 साल के शासन द्वारा निर्मित) के खिलाफ लड़ाई मोदी की लगातार बढ़ती लोकप्रियता के पीछे एक प्रमुख कारक है। उनकी इस टिप्पणी को लेकर रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि भारत सरकार का बचाव करना एक बात है और (एक राजनयिक से) इसकी उम्मीद भी की जानी चाहिए, लेकिन एक पक्ष की तरह इस तरह से विपक्षी दलों पर खुलेआम हमला करने की उम्मीद नहीं की जाती है।

राजधानी की घेराबंदी मामले में जांच आयोग ने आईएसआई के पूर्व प्रमुख को दी क्लीन चिट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक जांच आयोग ने एक कट्टरपंथी धार्मिक समूह के कार्यकर्ताओं द्वारा 2017 में राजधानी इस्लामाबाद और रावलपिंडी में धरने को लेकर 'इंटर सर्विस इंटेलिजेंस' (आईएसआई) के पूर्व महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद को दोष मुक्त कर दिया है।

चरमपंथी समूह तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने 2017 में इस्लामाबाद की घेराबंदी की थी और फ्रांस में ईशनिंदा कार्टून के प्रकाशन के कारण फ्रांसीसी राजदूत के निष्कासन की मांग की थी। बाद में मौजूदा प्रधान न्यायाधीश काजी फैज़ ईसा के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय की एक पीठ ने 2019 में एक फैसले में प्रदर्शन की जांच करने और अपराधियों की पहचान करने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत के एक फैसले के बाद जांच आयोग का गठन किया गया।आयोग ने अपनी रिपोर्ट में खुफिया एजेंसियों और उनके शीर्ष अधिकारियों को क्लीन चिट देते हुए कहा कि प्रांतीय और संघीय सरकारों के तत्कालीन उच्च पदस्थ अधिकारियों में से किसी ने भी एजेंसियों या किसी अन्य अधिकारी पर टीएलपी प्रदर्शनकारियों की मदद करने का आरोप नहीं लगाया।

अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल के पास गिरा हिमखंड, चंद्रा नदी का बहाव रुका

हिमाचल प्रदेश में मौसम ने बजाई खतरे की घंटी

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के अटल टनल रोहतांग के नार्थ पोर्टल के समीप हिमखंड गिरा है। हिमखंड गिरने से चंद्रा नदी का बहाव रुक गया है। इस दौरान लाहौल-स्पीति पुलिस ने लाउडस्पीकर के जरिए सिस्सू व आसपास आए पर्यटकों को आगाह किया है कि नदी के तट पर न जाएं। पुलिस ने क्षेत्र में पेट्रोलिंग शुरू कर दी है, ताकि कोई भी पर्यटक अनजाने में नदी तट की ओर रुख न करे। लाउड स्पीकरों के माध्यम से कहा गया कि कभी भी नदी विकराल रूप धारण कर सकती है। नदी का जलस्तर सिस्सू की तरफ कभी भी बढ़ सकता है।

बता दें हिमपात से हिमस्खलन की आशंका बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से आग्रह किया कि मौसम की स्थिति देखते हुए ही वह घरों से बाहर निकलें। हिमाचल प्रदेश के लिए मौसम का पूर्वानुमान जैसा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान लगाया है, अगले पखवाड़े में बारिश, तूफान, बर्फबारी और रुक-रुक कर शुष्क दौर की उम्मीद है। प्रदेश के मध्य और ऊंची पहाड़ियों में ठंड की स्थिति बनी हुई है, जो हाल की बर्फबारी से और बढ़ गई है।

शिमला के ठियोग में एंटी-हेल नेट से ढका सेब के बगीचा ● एजेंसी

राजधानी शहर का औसत तापमान 13-14 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है, जो वर्षा के साथ और भी गिर जाता है। आज चुनिंदा मध्य ऊंचाई वाले इलाकों और अलग-अलग निचले इलाकों में हल्की बारिश या हिमपात हो सकता है। आगामी 17 अप्रैल को छोड़कर अगले पांच दिनों तक राज्य में नमी और बादल छाए रहने की संभावना है। बर्फ रुक-रुक कर गिर रही है, जिससे परिदृश्य एक प्राचीन सफेद परत में ढक गया है। ताजा बर्फ पहाड़ों में एक शांत सुंदरता लाती है, जो साहसी आत्माओं को शीतकालीन वंडरलैंड का पता लगाने के लिए लुभाती है। ऊंचे इलाकों में कभी-कभार हिमपात के अलावा, निचले इलाकों में ताजा बारिश की बौछारें हो रही हैं। बारिश एक स्वागत योग्य राहत है, जो वनस्पतियों और जीवों को पुनर्जीवित करती है और घाटियों में जीवन लाती है। बारिश और बर्फ का यह मिश्रण सड़क पर फिसलन की स्थिति पैदा कर सकता है, इसलिए यात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

एक नजर

इंडोनेशिया में मलबे से निकाले शव भूस्खलन में अब तक 20 की मौत

ताना तोराजा (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर बचावकर्मियों द्वारा तीन वर्षीय एक बच्ची एवं उसकी मां के शवों को निकाले जाने के साथ ही भूस्खलन में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ कर 20 हो गयी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटनास्थल पर खड़ी चट्टानों के कारण भारी उपकरण नहीं ले जाये जा सके। ऐसे में बचावकर्मियों ने छोटे औजारों की मदद से ही मिट्टी हटाई। इस बचाव एवं तलाश कार्य में कम से कम 20 बचाव कर्मियों/अधिकारियों एवं दर्जनों स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। स्थानीय पुलिस प्रमुख गुनार्डी मुंडु ने बताया कि शनिवार को दक्षिण सुलावेसी प्रांत में ताना तोराजा जिले के दक्षिण मकाले गांव में मूसलाधार वर्षा के कारण भूस्खलन हुआ और चार मकान मलबे के नीचे दब गए।

संरा ने सूडान में जारी हिंसा को समाप्त करने का किया आह्वान

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने सूडान में लंबे समय से जारी हिंसा को समाप्त करने की अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मांग की है। नरसंहार रोकथाम पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष सलाहकार ऐलिस नेडेरिटु ने यहां जारी बयान में सूडान में जारी संघर्ष को पूरा एक साल हो गया है। इस दौरान यहां के लोगों, विशेषकर महिलाओं और युवतियों के लिए यह समय भयावह रहा है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से सूडान में संघर्ष को खत्म करने का आह्वान किया है। उन्होंने आगे कहा कि इस संघर्ष में भयावह मानवीय संकट गहरा रहा है।

जॉर्डन ने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन को रोकने के लिये बढ़ाई उड़ानों की संख्या

अम्मान। जॉर्डन की वायु सेना ने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन को रोकने के लिए उड़ानों की संख्या बढ़ा दी है। जॉर्डन समाचार एजेंसी ने मंगलवार को जॉर्डन के सशस्त्र बलों के एक प्रवक्ता का हवाला देते हुए बताया कि यह निर्णय किसी भी पार्टी को किसी भी उद्देश्य के लिए देश के हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति नहीं देने की जॉर्डन की दृढ़ स्थिति की पुष्टि करता है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया कि शनिवार रात को ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गॉर्ड कोर ने इजरायली क्षेत्रों में पहला सीधा तीन सौ से अधिक ड्रोन और मिसाइल हमला किया। आईडीएफ प्रवक्ता डेनियल हगरी ने कहा कि उनके सैन्य बलों ने ईरान की ओर से दागे गए 99 प्रतिशत सभी ड्रोन और मिसाइल हमलों को रोक दिया।

अपराध की श्रेणी में आएगा बिना सहमति के डीपफेक तस्वीरें बनाना

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को कहा कि अश्लील डीपफेक सामग्री बनाने वाले लोगों को एक नए कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। यह कानून इस समय संसदीय प्रक्रिया से गुजर रहा है। डीपफेक से आशय ऐसी छवियों और वीडियो से है जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अथवा अन्य तकनीकों से तैयार की जाती हैं और जिसमें आमतौर पर पीड़ित की सहमति नहीं होती। नए कानून के तहत बिना सहमति के इस तरह की तस्वीरें बनाने वाले लोगों को आपराधिक कार्यवाही और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। कानून में प्रस्तावित प्रावधान के अनुसार अगर डीपफेक सामग्री व्यापक रूप से फैल जाती है तो दोषियों को जेल भेजा जा सकता है।

आधुनिक युग में विकसित देशों से कदमताल मिला रहा भारत : क्रूस

हिंद प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और जापान के साथ भारत का सहयोग मजबूत

वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिकी खुफिया अधिकारी बोले- भारत ने सेना को आधुनिक बनाने और रूसी हथियारों पर निर्भरता कम करने के लिए उठाए कदम

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के एक शीर्ष खुफिया अधिकारी ने संसद को बताया कि साल 2023 में भारत ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों का मुकाबला करने की अधिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित करते हुए अपनी सेना के आधुनिकीकरण और रूस के उपकरणों पर निर्भरता कम करने के लिए कदम उठाए। रक्षा खुफिया एजेंसी के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस ने चीन को लेकर रक्षा खुफिया पर संसद में एक सुनवाई के दौरान यह बात कही थी।

क्रूस ने सदन की सशस्त्र सेवा समिति और खुफिया उपसमिति के सदस्यों को बताया कि पिछले वर्ष भारत ने जी-20 के आर्थिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके खुद को एक वैश्विक अगुआ के रूप में प्रदर्शित किया और पूरे हिंद प्रशांत क्षेत्र में पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) की गतिविधि का मुकाबला करने की इच्छाशक्ति प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि भारत ने प्रशिक्षण और रक्षा बिक्री के माध्यम से फिलीपीन जैसे दक्षिण चीन सागर के क्षेत्रीय दावेदारों के साथ हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाई है और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस व जापान के साथ अपने सहयोग को और मजबूत किया है। क्रूस ने कहा कि वर्ष 2023 में भारत ने चीन से प्रतिस्पर्धा करने और रूसी उपकरणों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए अपनी सेना को आधुनिक बनाने के लिए कदम उठाए। भारत ने स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत का समुद्री परीक्षण किया और प्रमुख रक्षा प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर कई पश्चिमी देशों के साथ बातचीत भी की। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर अपना तटस्थ रुख बरकरार रखा है।

क्रूस ने कहा कि रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा साझेदार है और भारत ने अपनी रक्षा खरीद साझेदारी में विविधता लाने की इच्छा के बावजूद रूस से सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणाली जैसे हथियारों खरीद जारी रखी है। उन्होंने सांसदों से कहा कि भारत सरकार आगामी लोकसभा चुनाव को सुरक्षित करने, आर्थिक विकास को बनाए रखने और अपनी 'मेक इन इंडिया' पहल को सैन्य आधुनिकीकरण के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी जिसका उद्देश्य चीन का मुकाबला करना है।

सुरक्षा परिषद को पुनर्गठन की आवश्यकता : भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने एक पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आवश्यकता को रेखांकित किया है, जो आज के संयुक्त राष्ट्र की भौगोलिक और विकासात्मक विविधता को बेहतर ढंग से दर्शाए। साथ ही भारत ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र के अधिकतर सदस्य शक्तिशाली यूएनएससी में स्थायी सीटों की संख्या बढ़ाए जाने के आह्वान का समर्थन करते हैं। भारत विशेष रूप से ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करते हुए संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की मांग करता रहा है। साथ ही यह 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में जगह पाने की मांग करने में सबसे आगे रहा है।

अमेरिका में भारतीय विद्यार्थियों को बेहतर माहौल देने की कोशिश जारी : गुरदीप

वाशिंगटन। अमेरिका भारत से आने वाले विद्यार्थियों को बेहतर माहौल प्रदान करने की अपनी कोशिश जारी रखे हुए है। एक प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी शिक्षाविद ने इस वर्ष भारतीय मूल के या भारत से आने वाले 11 विद्यार्थियों की मौत की खबरों के बीच सोमवार को यह बात कही। अमेरिका में भारतीयों पर हमले की घटनाओं ने भारतीय समुदाय और भारत में रहने वाले विद्यार्थियों के परिजनों की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिका में हुई इन मौतों के पीछे हमलावरों के मकसद का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और भारतीय राजनयिक मिशनों ने विद्यार्थियों के साथ संपर्क साधने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें छात्र संघों के साथ संपर्क करने और विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर जारी निर्देशों से अवगत कराना शामिल है। वर्जीनिया के जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग के डिविजनल डीन गुरदीप सिंह ने बताया यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस वर्ष ऐसी घटनाएं हुईं और इतनी तादाद में हुईं।

● 2024 में तीन गुना बढ़ी है भारतीय विद्यार्थियों की संख्या
● विद्यार्थियों को सतर्क रहने की जरुरत

बिशप व पादरी पर हमले को आतंकवादी कृत्य मान रही ऑस्ट्रेलियाई पुलिस

गिरजाघर पर चाकूबाजी के बाद ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने बढ़ाई चौकसी। ● एजेंसी

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस का कहना है कि सिडनी में एक गिरजाघर में प्रार्थना के दौरान एक बिशप व पादरी पर चाकू से किए गए हमले के कारण वहां मौजूद और ऑनलाइन प्रार्थना देख रहे लोग सकते में आ गए। पुलिस इसे आतंकवादी कृत्य मान रही है। पुलिस ने क्राइस्ट द गुड शेफर्ड चर्च में हुई चाकू से हमले की घटना के बाद मंगलवार को 16 वर्ष के एक किशोर को गिरफ्तार किया। घटना में बिशप मार मारी इमैनुएल और एक पादरी घायल हुए हैं।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस आयुक्त कारेन वेब ने बताया कि संदिग्ध की टिप्पणियां हमले के लिए धार्मिक मकसद की ओर इशारा करती हैं। अधिकारी ने बताया हमें लगता है कि यह हमला एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया क्योंकि इस व्यक्ति ने हमले के लिए ऐसे स्थान को चुना, जो उसके घर के आसपास तक नहीं है। आरोपी चाकू के साथ आया और गिरजाघर में घुसकर बिशप व पादरी पर उसने चाकू से हमला किया। किशोर को पुलिस जानती थी लेकिन वह निगरानी सूची में नहीं था। मुख्य खुफिया एजेंसी ऑस्ट्रेलियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस ऑर्गनाइजेशन (एएसआईओ), ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस और प्रांतीय पुलिस मामले की जांच में आतंकवाद रोधी कार्यबल का सहयोगी कर रही हैं।

दीदार-ए-ताज

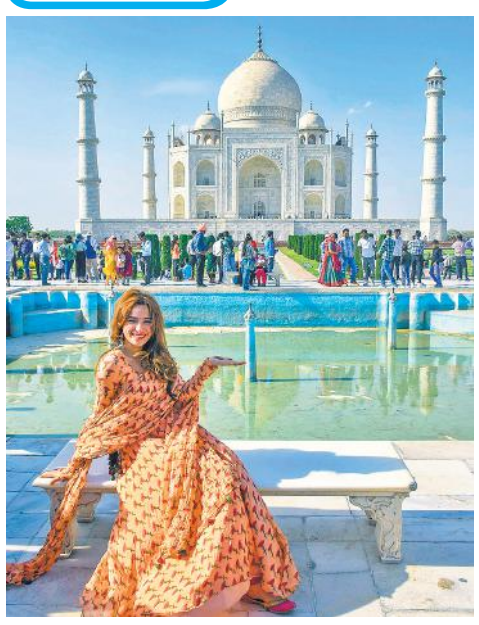

दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारतों और भारत के एकमात्र अजूबे में शुमार ताज का दीदार पूरी दुनिया करना चाहती है इसीलिए आगरा में पर्यटकों का तांता लगा रहता है। मंगलवार को बॉलीबुड अभिनेत्री माहिरा शर्मा ने भी ताजमहल का दीदार किया। ● एजेंसी

समझौते की शर्तों को हमास ने किया खारिज

गाजा, एजेंसी

● युद्धविराम पर कोई समझौता नहीं चाहता सिनवार, कहा- अमेरिकी प्रस्तावों के बाद भी पीड़ित होते रहेंगे गाजावासी

फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास ने नवीनतम बंधक समझौते के प्रस्ताव के सभी शर्तों को खारिज कर दिया है, जिससे समझौते के तहत इजराइल द्वारा रिहा किए जाने वाले फिलिस्तीनी कैदियों की संख्या में बढ़ गई है। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार ने मंगलवार को एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि इसके अलावा, हमास समझौते के पहले चरण के हिस्से के रूप में केवल लगभग 20 बंधकों (50 से अधिक उम्र की महिलाओं और पुरुषों) को रिहा करने किया जाना है।

रिपोर्ट में बताया कि हमास ने यह भी मांग की है कि बंधकों को रिहा करने से पहले इजरायल छह सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो। अखबार ने अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है, सिनवार (गाजा पट्टी में हमास प्रमुख याह्या) कोई समझौता नहीं चाहता है। उसे इसकी परवाह नहीं है कि अमेरिकी प्रस्ताव के सभी मापदंडों के संबंध में इजराइल के असाधारण लचीलेपन के बाद भी गाजावासी पीड़ित होते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को, हमास ने इजराइल की सीमा में घुसकर और गाजा से बड़े पैमाने पर रॉकेट से हमला किया था। हमले के दौरान इजराइल में करीब 1,200 लोग मारे गए और अन्य 240 लोगों को हमास के लड़ाके बंधक बना कर ले गए थे। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में अब तक 33,700 से अधिक लोग मारे गए हैं।

इजरायल के खिलाफ ईरान की प्रतिक्रिया होगी और तेज

अंकारा। तुर्की में ईरानी राजदूत मोहम्मद हसन हबीबुल्लाहजादेह ने मंगलवार को कहा कि तेहरान इस क्षेत्र में तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है लेकिन इजराइल के जवाबी कदमों पर ईरान की प्रतिक्रिया तेज और व्यापक होगी। तुर्की अखबार आयडिनलिक ने राजदूत के हवाले से कहा कि ईरान द्वारा इजरायल पर हमला केवल दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर आतंकवादी हमले में इस्तेमाल किए गए सैन्य लक्ष्यों पर निर्देशित था।

इजराइल की गोलीबारी में दो फिलिस्तीनियों की हत्या

रामल्ला। फिलिस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि वेस्ट बैंक के नब्लस शहर के दक्षिण में इजरायल की ओर से की गोलीबारी में कम से कम दो फिलिस्तीनी मारे गए। मंत्रालय ने बताया कि मारे गए दो लोगों की पहचान 30 वर्षीय अब्दुलरहमान माहेर बानी फादेल और 21 वर्षीय मोहम्मद अशरफ बानी जामे के तौर पर हुई है। अकरबा के मेयर सलाह बानी जाबेर ने कहा कि कई बाशिंदों ने अकरबा शहर के उपनगर खिरबेट अल-तवील में फिलिस्तीनियों के एक समूह पर हमला किया, जिसके कारण दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए।

ब्रिटेन के प्रार्थना प्रतिबंध पर भारतीय मूल की प्रधानाचार्या को मिली जीत

लंदन। अक्सर ब्रिटेन की सबसे सख्त प्रधानाध्यापिका बताई जाने वाली भारतीय मूल की एक स्कूल प्रधानाचार्या ने मंगलवार को ब्रिटेन के उच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें उनके द्वारा प्रार्थना पर लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखा गया।

प्रार्थना को भेदभावपूर्ण बताते हुए एक मुस्लिम छात्र ने इसे कानूनी रूप से चुनौती देने की मांग की थी। उसके बाद प्रधानाचार्या ने प्रार्थना पर रोक लगा दी थी। भारतीय-गुयाना मूल की कैथरीन बीरबलसिंह ने बताया था कि वेम्बली में लड़कों और लड़कियों के लिए एक धर्मनिरपेक्ष माध्यमिक विद्यालय- मिशेला स्कूल ने समावेशी माहौल को बढ़ावा देने के लोकाचार के अनुरूप धार्मिक प्रार्थनाओं की अनुमति नहीं दी गई। स्कूल में आधे छात्र मुस्लिम हैं और बड़ी संख्या में सिख, हिंदू और ईसाई छात्र भी हैं। बीरबलसिंह ने बताया जैसा कि शासी निकाय को ज्ञात है, स्कूल विभिन्न कारणों से विद्यार्थियों के उपयोग के लिए प्रार्थना कक्ष उपलब्ध नहीं कराता है।

परमाणु संयंत्र पर हमले को लेकर आईएईए ने दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

● मारियानो ग्रॉसी बोले- बढ़ रहा है रेडियोलॉजिकल हादसों का जोखिम, तुरंत बदं हो हमले

रूस और यूक्रेन ने यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए हमलों के लिए सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समक्ष एक दूसरे पर दोषारोपण किया। इसको लेकर अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख ने कहा कि इसने दुनिया को खतरनाक रूप से परमाणु हादसे के करीब पहुंचा दिया है। आईएईए महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा कि उनकी एजेंसी ने 7 अप्रैल से जापोरीजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के खिलाफ तीन हमलों की पुष्टि की है। उन्होंने सुरक्षा परिषद से कहा कि ये लापरवाह हमले तुरंत बंद होने चाहिए। हालांकि, सौभाग्य से, इस बार उनके कारण कोई रेडियोलॉजिकल हादसा नहीं हुआ है, लेकिन इससे जोखिम काफी बढ़ जाते हैं जहां परमाणु सुरक्षा से पहले ही समझौता किया जा चुका है।

ग्रॉसी ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि संयंत्र पर हमला करने वाले ड्रोन की रिमोट-नियंत्रित प्रकृति का मतलब है कि यह निश्चित रूप से पता लगाना असंभव है कि उन्हें किसने संचालित किया। उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ कहने के लिए हमारे पास सबूत होना चाहिए।

खतरे का अंदेशा आने वाले दिनों में भू चुम्बकीय सौर तूफान पृथ्वी के ध्रुवों तक पहुचने की आशंका

जबरदस्त विस्फोटों की चपेट में है सूर्य

अमृत विचार, नैनीताल

वर्तमान सौर चक्र आसमान छूने में लगा है। जबरदस्त विस्फोटों की चपेट में सूर्य रोजाना आग उगल रहा है। आने वाले दिनों में सूर्य की सतह पर जबरदस्त विस्फोट होने की संभावना वैज्ञानिक जता रहे हैं। जिनसे निकलने वाले सौर चुम्बकीय तूफानों का असर धरती के वातावरण तक असर डालेंगे।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के पूर्व कार्यवाहक निदेशक व सौर वैज्ञानिक डा वहाब उद्दीन ने बताया कि सौर गतिविधि दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। सूर्य की सतह पर जटिल चुंबकीय क्षेत्र वाले कई सनस्पॉट समूह बने हुए हैं। सूर्य के उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध में पूर्वी सौर हिस्से में उभरते हुए सनस्पॉट समूह अधिक सक्रिय हैं । इन सन स्पॉट समूहों से बड़े भीषण ज्वालाएँ उत्पन्न हो सकती हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान सूर्य ने आधा दर्जन एम-श्रेणी की सौर ज्वालाएँ उत्पन्न की हैं। यह स्पॉट सूर्य के उत्तरपूर्वी छोर पर स्थित हैं। एक बड़ा सन स्पॉट संख्या ए आर 3639 लगातार अपना आकार बड़ा रहा है, जो कुछ दिनों के अंतराल में लाखों किमी फैलकर चौगुना हो गया है। अब इसकी दिशा पृथ्वी के सामने की ओर बढ़ रही है। इसमें जियोइफेक्टिव सोलर फ्लेयर्स (ज्वाला) की संभावना है। इन दिनों सूर्य की सतह सन स्पॉट से भरी हुई है। इस सौर चक्र में अभी तक हजारों विस्फोट हो चुके हैं। इनसे निकलने वाले सौर तूफानों का असर पृथ्वी के ध्रुवों तक नजर आया है। जिनमें सभी सबसे बड़ी ज्वाला एक्स श्रेणी की कई बार निकल चुकी हैं। दुनियाभर के सौर वैज्ञानिकों की नजरें इन पर लगी हुई हैं।

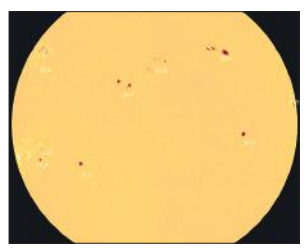

सूर्य की सतह पर उभरे सन स्पॉट।

रिकॉर्ड तोड़ विस्फोटों की झड़ी लगी है सूर्य पर

डा वहाब उद्दीन के अनुसार सूर्य का यह दौर अत्यधिक सक्रियता से गुजर रहा है, जो 2025 तक बना रह सकता है। इस दौर में वैज्ञानिकों की अपेक्षा से कहीं अधिक विस्फोट हो चुके हैं। आने वाले दिनों में भी सौर सक्रियता का दौर जारी रहेगा। जिनसे हमारे सैटेलाइट, पृथ्वी पर इलेक्ट्रिक्स व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अलावा हवाई सेवाओं व मोबाइल नेटवर्क में भी असर पड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

वृन्दावन में 70 मंजिला मंदिर से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

वाशिंगटन, एजेंसी

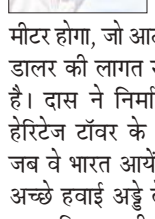

● आठ करोड़ डॉलर की लागत से बन रहा है वृन्दावन हेरिटेज टॉवर

इस्कॉन के एक शीर्ष पदाधिकारी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण का गगनचुंबी मंदिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संस्कृति के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा और भारत में पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। ग्लोबल हरे कृष्णा मूवमेंट के उपाध्यक्ष और इस्कॉन बैंगलोर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंचलपति दास ने कहा कि आध्यात्मिकता के लिए कोई टूटा-फूटा बुनियादी ढांचा नहीं हो सकता और मंदिर हमेशा जर्जर स्थिति में नहीं रह सकते। वृन्दावन हेरिटेज टॉवर 70 मंजिल ऊंचा और 210 मीटर होगा, जो आठ करोड़ अमरीकी डालर की लागत से बनाया जा रहा है। दास ने निर्माणाधीन वृन्दावन हेरिटेज टॉवर के बारे में कहा कि जब वे भारत आयेंगे तो निःसंदेह वे अच्छे हवाई अड्डे देख सकते हैं। वे आध्यात्मिकता की भी तलाश में होंगे। अब ऐसे में हमार पास विदेशियों को भारत लाने और उन्हें दिखाने के लिए धार्मिक बुनियादी ढांचा होना चाहिए, जिन पर आप गर्व कर सकें।